राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 255 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शनिवार ,13 मार्च 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

विधानसभा अध्यक्ष के ओएसडी बने नरेंद्र मिश्रा

भोपाल, (एजेंसी)। मध्यप्रदेश विधानसभा सचिवालय में अवर सचिव के रूप में कार्यरत श्री नरेंद्र कुमार मिश्रा को विधानसभा अध्यक्ष के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के रूप में पदस्थ किया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि इस संबंध में सचिवालय की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है। आदेश के मुताबिक श्री मिश्रा वर्तमान दायित्वों के साथ ही नई जिम्मेदारी संभालेंगे। इसके अलावा अवधेश तिवारी को विधानसभा अध्यक्ष का सचिव और दिलीप सिंह को उपसचिव नियुक्त किया गया है।

कप्तान मिताली राज ने रचा इतिहास

लखनऊ, (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की एकदिवसीय कप्तान मिताली राज ने शुक्रवार इतिहास रच दिया। मिताली 10 हजार अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाली दुनिया की दूसरी और भारत की एकमात्र महिला क्रिकेटर बन गई। लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी स्टेडियम में द. अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वन-डे के दौरान उन्होंने यह रिकॉर्ड बनाया। मिताली ने भारत की ओर से जून 1999 में वन-डे के जरिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था।

झामुमो पश्चिम बंगाल में नहीं लड़ेगा चुनाव

रांची, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) चुनाव नहीं लड़ेगा और भाजपा विरोधी मतों को बिखरने से बचाने के लिए उसने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को समर्थन देने की घोषणा की है। झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि टीएमसी प्रमुख एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनाव में समर्थन के आग्रह को लेकर फोन किया था और पत्र भी लिखा था।

इंजीनियर को पॉक्सो अदालत ने दी उम्रकैद

पटना, (एजेंसी)। बच्चों का लैंगिक अपराध से संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) की विशेष अदालत ने शुक्रवार को एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने के एक मामले में शुक्रवार को आजीवन कारावास के साथ एक लाख 20 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई। विशेष न्यायाधीश अवधेश कुमार ने मामले में सुनवाई के बाद एक कम्प्यूटर प्रशिक्षण संस्थान के संचालक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ऋषि सिन्हा को पॉक्सो अधिनियम की धाराओं में दोषी करार देने के बाद यह सजा सुनाई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने किया अमृत महोत्सव का उद्घाटन

हमें अपने संविधान पर गर्व

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश को मिली आजादी को जल्द ही 75 वर्ष पूरे होने वाला हैं। इस जश्न के मौके पर 'आजादी के अमृत महोत्सव' का आगाज हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अहमदाबाद में इस कार्यक्रम की शुरुआत की। यह कार्यक्रम 15 अगस्त 2023 तक चलेगा, यानी 75 हफ्ते तक देशभर में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने आजादी के अमृत महोत्सव की एक वेबसाइट लॉन्च की, साथ ही कार्यक्रम स्थल में एक बड़े चरखे का भी अनावरण किया गया ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, मैं इस पुण्य अवसर पर बापू के चरणों में अपने श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। मैं देश के स्वाधीनता संग्राम में अपने आप को आहूत करने वाले, देश को नेतृत्व देने वाली सभी महान विभूतियों के चरणों में आदरपूर्वक नमन करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने महोत्सव के पांच स्तंभों पर जोर दिया गया, जिसमें फ्रीडम स्ट्रगल-एक्शन-आइडिया जैसे स्तंभ शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास साक्षी है किसी राष्ट्र का गौरव तभी जागृत रहता है, जब वो अपने इतिहास की परंपराओं से प्रेरणा लेता है।

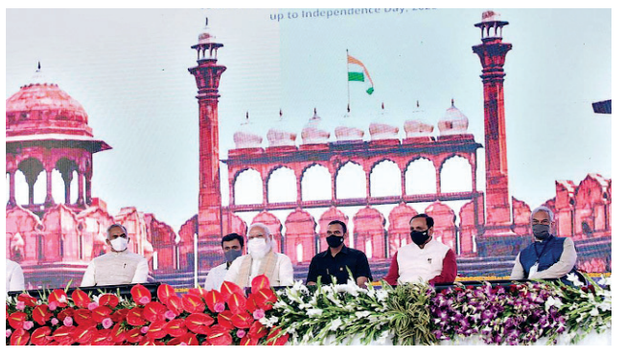

नमक का मतलब-ईमानदारी, विश्वास और वफादारी

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे यहां नमक को कभी उसकी कीमत से नहीं आंका गया। उन्होंने देश में नमक का मतलब-ईमानदारी, विश्वास और वफादारी बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम आज भी कहते हैं कि हमने देश का नमक खाया है। ऐसा इसलिए नहीं क्योंकि नमक कोई बहुत कीमती चीज है। ऐसा इसलिए क्योंकि नमक हमारे यहां श्रम और समानता का प्रतीक है। उन्होंने कहा, आजादी के आंदोलन की इस ज्योति को निरंतर जागृत करने का काम, पूर्व-पश्चिम-उत्तर-दक्षिण, हर दिशा में, हर क्षेत्र में, हमारे संतो-महंतों, आचार्यों ने किया था। एक प्रकार से भक्ति आंदोलन ने राष्ट्रव्यापी स्वाधीनता आंदोलन की पीठिका तैयार की थी। देश के कोने-कोने से कितने ही दलित, आदिवासी, महिलाएं और युवा हैं जिन्होंने असंख्य तप-त्याग किए। याद करिए, तमिलनाडु के 32 वर्षीय नौजवान कोडि काथ कुमरन को, अंग्रेजों ने उनको सिर में गोली मार दी, लेकिन उन्होंने मरते हुए भी देश के झंडे को जमीन में नहीं गिरने दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने किया नेहरू का जिक्र: मोदी ने कहा कि पंडित नेहरू, बाबा साहेब अंबेडकर, मौलाना आजाद, सरदार पटेल के सपनों के भारत को बनाने के लिए हम आगे बढ़ रहे हैं। देश के इतिहास में ऐसे कई संघर्ष हैं, जिनका नाम आज नहीं लिया जाता है।

यह संकल्प है - हम देश के लिए जिएंगे : शिवराज

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि आइए संकल्प लें कि हम देश के लिए जिएंगे। भारत माता की गरिमा, सम्मान, वैभव और जिन जीवन मूल्यों के लिए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अपने प्राणों की आहूति दे दी उन्हें चरितार्थ करने, सभी देशवासियों के लिए अवसरों की समानता सुनिश्चित करने और प्रगति तथा विकास के नए आयाम स्थापित करने के लिए हरसंभव परिश्रम करेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान आजादी के अमृत महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर शौर्य स्मारक भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के संघर्ष और बलिदान से युवा पीढ़ी को परिचित कराने के लिए प्रतिवर्ष प्रदेश के कुछ चिन्हित विद्यार्थियों को शहीदों के तीर्थ स्थल अंडमान-निकोबार की यात्रा पर भेजा जाएगा, जिससे युवा पीढ़ी में देश प्रेम, समर्पण और बलिदान की भावना बलवती होगी। कार्यक्रम में खजुराहो सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा, विधायक कृष्णा गौर, पूर्व महापौर आलोक शर्मा, फिल्म निर्माता तथा निर्देशक प्रकाश झा, प्रमुख सचिव संस्कृति तथा जनसंपर्क शिवशेखर शुक्ला मौजूद रहे।

सरकारी कर्मचारी चुनाव आयुक्त नहीं हो सकते, यह संविधान का मखौल उड़ाने जैसा

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को फैसला सुनाया कि देश में कहीं भी किसी भी केंद्रीय और राज्य सरकार के कर्मचारी को चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त नहीं किया जा सकता। इस आदेश का उद्देश्य चुनाव आयोगों की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना है। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला गोवा सरकार के सचिव को राज्य चुनाव आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार देने के मामले में सुनाया है। जस्टिस रोहिंटन एफ नरीमन और बीआर गवई की पीठ ने संविधान के अनुछेद 142 और 144 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश जारी किया। अनुछेद 142 के तहत सुप्रीम कोर्ट अदालत को पूर्ण न्याय करने के लिए निर्देश जारी करने का अधिकार है, जबकि अनुछेद 144 सभी अधिकारियों को सर्वोच न्यायालय की सहायता में कार्य करने के लिए बाध्य करता है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव आयोग की स्वतंत्रता से समझौता नहीं किया जा सकता। साथ ही कोर्ट ने कहा कि सरकार में किसी पद पर बैठे व्यक्ति को राय चुनाव आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौंपना संविधान का मखौल उड़ाना है। सुप्रीम कोर्ट की इस पीठ ने कहा कि चुनाव आयुक्तों को स्वतंत्र व्यक्ति होना चाहिए और ऐसे किसी भी व्यक्ति को, जो केंद्र या किसी राज्य सरकार के अधीन कार्यरत या लाभ का पद धारण करता है, चुनाव आयुक्त नियुक्त नहीं किया जा सकता है। यह फैसला तब आया है, जब शीर्ष अदालत ने गोवा सरकार को राज्य में नगरपालिका परिषद चुनाव कराने के लिए अपने कानून सचिव को राज्य चुनाव आयुक्त नियुक्त करने के लिए रोक दिया। गोवा में कानून सचिव को राज्य चुनाव आयुक्त के रूप में अतिरिक्त प्रभार दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह एक परेशान करने वाली तस्वीर है कि एक सरकारी कर्मचारी, जो सरकार के साथ रोजगार में था, गोवा में चुनाव आयोग का प्रभारी है। पीठ ने आदेश दिया कि इसके बाद ऐसे किसी व्यक्ति को केंद्र या राज्य सरकार द्वारा चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त नहीं किया जाएगा। बता दें कि गोवा सरकार ने हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी, जिसने राज्य के पांच नगरपालिकाओं के चुनाव रद्द कर दिए थे क्योंकि कानून के अनुसार महिलाओं के लिए वार्डों को आरक्षित नहीं किया गया था।

इंदु मल्होत्रा की आंखें हुईं नम

कार्यकाल के आखिरी दिन सीजेआई ने रोल मॉडल बताते हुए सराहा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में महिला न्यायाधीश इंदु मल्होत्रा शुक्रवार को आखिरी बार बेंच पर बैठीं, क्योंकि यह उनके कार्यकाल का आखिरी दिन रहा। वह पहली महिला अधिवक्ता हैं, जिन्हें सीधे सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश नियुक्त किया है। इस दौरान प्रधान न्यायाधीश एस. ए. बोबडे ने मल्होत्रा की जमकर सराहना की और कहा कि मुझे नहीं पता कि क्या जस्टिस मल्होत्रा से बेहतर न्यायाधीश कोई है? न्यायमूर्ति मल्होत्रा अदालत में अपने अंतिम दिन भावुक हो गई। उन्होंने नम आंखों के साथ बार सदस्यों को धन्यवाद दिया। मैं अत्यंत क्षमता के साथ सिस्टम में योगदान देने की बड़ी संतुष्टि के साथ रिटायर हो रही हूं।

न्यायमूर्ति मल्होत्रा सुप्रीम कोर्ट की 2 महिला जजों में से एक हैं। इससे पहले एक वरिष्ठ अधिवक्ता रहीं, न्यायमूर्ति मल्होत्रा 27 अप्रैल, 2018 को पीठ में शामिल हुई थीं। कल (शनिवार) से न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी सुप्रीम कोर्ट में एकमात्र महिला न्यायाधीश रह जाएंगी। उन्होंने उनसे बेहतर जज नहीं देखा है और वह भावुक होते हुए उनकी भावनाओं को समझ सकते हैं। इस मौके पर अटॉर्नी जनरल के. के. वेणुगोपाल ने कहा कि वह सर्वश्रेष्ठ न्यायाधीशों में से एक हैं। यह दुखद है कि न्यायाधीश को 65 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होना पड़ता है। हमें खेद है कि बार के सदस्यों के रूप में न्यायमूर्ति मल्होत्रा को सेवानिवृत्त होना पड़ेगा। सबरीमला मामले में उन्होंने अहम फैसला दिया। न्यायमूर्ति मल्होत्रा ने उनके योगदान को स्वीकार करने के लिए साथी न्यायाधीशों का आभार व्यक्त किया। वरिष्ठ वकील और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 से बढ़ाकर 70 वर्ष की जानी चाहिए।

रावत मंत्रिमंडल का विस्तार 11 मंत्रियों ने ली शपथ

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने शुक्रवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करते हुए इसमें 11 मंत्रियों को शामिल किया । यहां राजभवन में आयोजित एक समारोह में प्रदेश के मंत्रियों को राज्यपाल बेबी रानी मौर्य ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई ।

इससे पहले दस मार्च को मुख्यमंत्री तीरथ सिंह ने अकेले ही शपथ ली थी । सूत्रों ने बताया कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए मदन कौशिक के अलावा तीरथ सिंह रावत ने पूर्ववर्ती त्रिवेंद्र सिंह रावत मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को अपने मंत्रिमंडल में जगह दी है। उन्होंने बताया कि इनके अलावा, चार नए चेहरों को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है।

बंगाल चुनाव के लिए कांग्रेस ने जारी की 30 स्टार प्रचारकों की सूची

कोलकाता । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2021 के लिए कांग्रेस ने शुक्रवार को 30 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है। इस सूची में पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह, पार्टी के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, सचिन पायलट, नवजोत सिंह सिद्धू,अभिजीत मुखर्जी और मोहम्मद अजहरुद्दीन शामिल हैं। गौरतलब है कि बंगाल विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल करने को बेताब भाजपा ने पहले चरण के लिए गत बुधवार को अपने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी थी। इन स्टार प्रचारकों की सूची में सबसे टॉप पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम है।

इसके बाद भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का नाम है।

केंद्रीय मंत्रियों नितिन गडकरी, धर्मेंद्र प्रधान, स्मृति ईरानी, अर्जुन मुंडा समेत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, बिहार के मंत्री शाहनवाज हुसैन व अन्य प्रमुख नेताओं को जगह मिली है।

हाल ही में कोलकाता में प्रधानमंत्री की ब्रिगेड ग्राउंड में हुई रैली के दौरान भाजपा में शामिल होने वाले दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती का नाम भी सूची में है, जो पार्टी के लिए प्रचार करेंगे। सूची में शामिल अन्य नेताओं में बांग्ला अभिनेता यश दासगुप्ता व हीरेन चटर्जी समेत हाल में भाजपा में शामिल हुई बांग्ला अभिनेत्री पायल सरकार एवं अभिनेत्री श्राबंती चटर्जी को भी जगह दी गई है। बंगाल से दो केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो एवं देवश्री चौधरी का भी इसमें नाम हैं।

सूची में बंगाल भाजपा अध्यक्ष दिलीप घोष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकुल राय, राष्ट्रीय महासचिव व बंगाल के प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय, शिवप्रकाश, अरविंद मेनन, आइटी सेल के हेड अमित मालवीय, राज्यसभा सदस्य रूपा गांगुली, सांसद लॉकेट चटर्जी से लेकर हाल में तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले कद्दावर नेता सुवेंदु अधिकारी व राजीब बनर्जी के नाम भी शामिल हैं। स्टार प्रचारकों की सूची में प्रदेश भाजपा के सभी प्रमुख नेताओं को जगह दी गई है।

नंदीग्राम का संग्रामः सुवेंदु अधिकारी ने भरा नामांकन पत्र, कहा- हमारी होगी जीत

कोलकाता । बंगाल चुनाव की हॉट सीट नंदीग्राम से आज (शुक्रवार) कद्दावर भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने भी अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। अब उनका सीधा मुकाबला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से होगा। दो दिन पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इस सीट से अपना पर्चा भरा था। हल्दिया स्थित एसडीओ कार्यालय में सुवेंदु ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने से पहले सुवेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम में सिंहवासिनी और जानकीनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना भी की। इसके बाद हल्दिया में एक रैली को संबोधित किया। इस रैली में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और स्मृति ईरानी भी मौजूद रहे। इस दौरान सुवेंदु ने ममता बनर्जी के खिलाफ जमकर हुंकार भरीं।

उन्होंने कहा कि नंदीग्राम से भूमि पुत्र की ही जीत होगी। साथ ही कहा कि बंगाल में डबल इंजन की सरकार बनेगी। सुवेंदु ने साथ ही बताया कि अब मैं नंदीग्राम विधानसभा क्षेत्र का वोटर हो गया हूं। चुनाव आयोग ने मुझे मतदाता पहचान पत्र भी प्रदान कर दिया है। पहले वह हल्दिया विधानसभा क्षेत्र के मतदाता थे। गौरतलब है कि सुवेंदु पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि नंदीग्राम सीट से वह ममता बनर्जी को 50,000 से यादा वोटों से हराएंगे, नहीं तो राजनीति से संन्यास ले लेंगे। हल्दिया में रैली के दौरान केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि दो दिन पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा था कि नंदीग्राम आंदोलन के दौरान मुझ पर लाठीचार्ज किया गया था। और भी कई अत्याचार किया गया था लेकिन उस दौरान कोई भी उनके साथ नहीं था। ममता का इशारा दरअसल तृणमूल छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले सुवेंदु अधिकारी की ओर था।इसको लेकर धर्मेंद्र प्रधान ने निशाना साधते हुए कहा कि वो सुवेंदु अधिकारी ही थे, जिन्हें पहले चोट लगी थी और 2006-2007 में वो भूमि अधिग्रहण आंदोलन के लिए लड़े थे।

स्मृति ईरानी ने दिया नारा- बोल रहा है नंदीग्राम, जय श्री राम

वहीं, हल्दिया में रैली के दौरान केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि मैंने दीदी से पूछा कि किस बेटी को वोट देना है? जिन्होंने 80 साल की वृद्ध महिला की पिटाई की? जिन्होंने भाजपा के कार्यकर्ताओं की हत्या की? जिन्होंने सरस्वती पूजा और दुर्गा विसर्जन की अनुमति नहीं दी? या फिर उसे जो नंदीग्राम आकर चंडीपाठ करती हैं और कहती हैं कि खेला होबे? इसके अलावा स्मृति ईरानी ने नया नारा देते हुए कहा कि बोल रहा है नंदीग्राम, जय श्री राम। हल्दिया में रोड शो से पहले वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए सुवेंदु ने ममता बनर्जी पर जमकर हमला बोला। सुवेंदु ने कहा कि बंगाल में डबल इंजन की सरकार बनानी होगी। डबल इंजन की सरकार के बिना बंगाल का विकास नहीं हो सकता है। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि नंदीग्राम से हम ममता बनर्जी को हरायेंगे और हमारी जीत होगी।

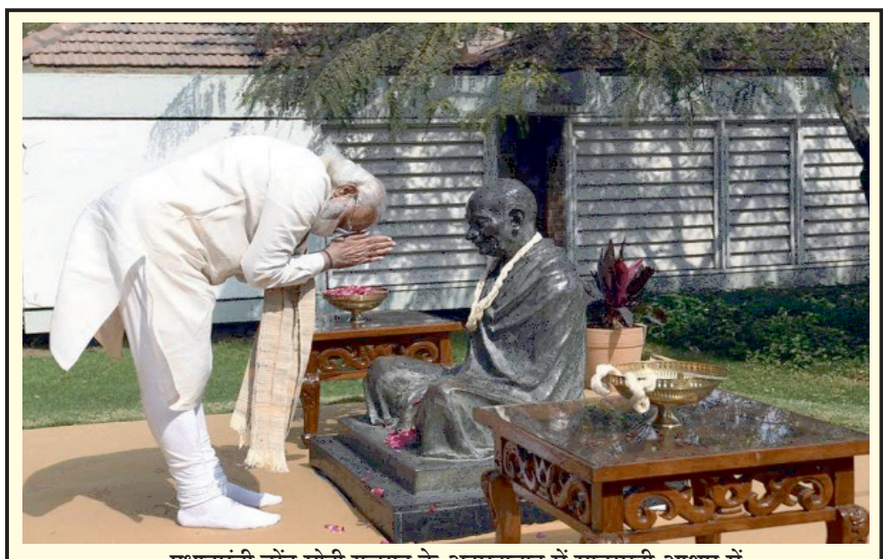

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के अहमदाबाद में साबरमती आश्रम में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

पूर्व चुनाव आयुक्त डॉ. कुरैशी ने कहा- निष्पक्ष चुनाव के लिए ईवीएम से बेहतर कोई सिस्टम नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त डॉ. एस. वाई. कुरैशी ने कहा कि पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव के लिए ईवीएम से बेहतर दूसरा कोई सिस्टम नहीं है। यदि इसमें छेड़छाड़ की गुंजाइश होती, तो किसी सरकार की हार नहीं होती। डॉ. एस. वाई. कुरैशी ने शुक्रवार को भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए।

चुनाव सुधार एवं लोकतंत्र विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. कुरैशी ने कहा कि दुनिया के कई देशों के चुनावों में भारत की ईवीएम का उपयोग किया जाता है। कहीं से किसी भी तरह की शिकायत नहीं आई है। उन्होंने कहा कि चुनावों में ईवीएम के प्रयोग से पहले कई स्तर पर जांच होती है। मतदान से पहले पोलिंग एजेंटों के सामने इसे सील किया जाता है। मतगणना शुरू होने से पहले भी ईवीएम दिखाया जाता है। ऐसे में किसी भी स्तर पर गड़बड़ी का सवाल ही नहीं है। जो चुनाव हार जाता है, वही ईवीएम आरोप लगाता है। ईवीएम पर अंगुली उठाना चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करना है।

देश के पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि भारतीय चुनाव आयोग विश्व का सबसे शक्तिशाली चुनाव आयोग है। भारतीय लोकतंत्र को विश्व की सबसे अच्छी शासन प्रणाली के रुप में जाना जाता है और विश्वसनीय चुनाव लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण लाइफलाइन है।

उन्होंने कहा कि जब एक देश आगे बढ़ता है, तब कई पुरानी और नई चुनौतियां सामने आती हैं, जो चुनाव आयोग को तेज और निर्णायक फैसले लेने के लिए प्रेरित करती हैं। मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए धन और बाहुबल की शक्ति का दुरुपयोग चिंता का विषय है, लेकिन न्यायपालिका ने हमेशा लोकतंत्र के संरक्षण का काम किया है।

डॉ. कुरैशी के अनुसार चुनाव के दौरान धन का प्रचार सभी तरह के भ्रष्टाचार को जन्म देता है। चुनावी खर्च से जुड़े सुधार और राजनीति को अपराध मुक्त करने जैसे कई मुद्दे हैं, जिन पर भारत का निर्वाचन आयोग पिछले कई वर्षों से कार्य कर रहा है।

डॉ. कुरैशी ने कहा कि चुनाव में प्रत्येक वोट महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में पुरुषों के अनुपात में महिलाओं की जनसंख्या कम है, लेकिन चुनाव में महिलाओं की भागीदारी आज पुरुषों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। कार्यक्रम का संचालन प्रो. सुरभि दहिया ने किया। स्वागत भाषण डीन (अकादमिक) प्रो. गोविंद सिंह ने दिया एवं धन्यवाद ज्ञापन डीन (छात्र कल्याण) प्रो. प्रमोद कुमार ने किया।

भारत का बढ़ा कदः वैक्सीन के साथ जापान व ब्राजील समेत 120 देशों को सिरिंज भी आपूर्ति कर रहा है देश

नई दिल्ली । दुनिया को भारत सिर्फ वैक्सीन ही नहीं, बल्कि उसे लगाने के लिए सिरिंज की सप्लाई भी कर रहा है। भारतीय कंपनियां जापान, ब्राजील समेत संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से 120 देशों को सिरिंज की सप्लाई कर रही हैं। दुनिया में बढ़ती मांग को देखते हुए भारतीय कंपनियां सिरिंज के उत्पादन को बढ़ाने में जुटी हैं। सिरिंज बनाने वाली भारतीय कंपनी हिन्दुस्तान सिरिंज एंड मेडिकल डिवाइस (एचएमडी) ने हाल ही में जापान को कोरोना टीकाकरण के लिए 1.5 करोड़ सिरिंजों की सप्लाई की है।

कंपनी ने ब्राजील को भी 7.9 करोड़ सिरिंज की सप्लाई की है। कंपनी को

संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी के माध्यम से कोरोना टीकाकरण के लिए 24 करोड़ सिरिंज की सप्लाई के ऑर्डर मिले हैं। एचएमडी के प्रबंध निदेशक राजीव नाथ कहते हैं, कोरोना टीकाकरण के लिए दुनिया भर में 8-10 अरब सिरिंज की जरूरत होगी। पिछले साल भारत ने एक अरब सिरिंज का निर्यात किया था और इस साल यह बढ़कर 1.5 अरब तक जा सकता है। सिरिंज की घरेलू और विदेशी दोनों स्तर पर भारी मांग को देखते हुए एचएमडी को उत्पादन क्षमता बढ़ानी पड़ी है। इसके लिए कंपनी को एक हजार लोगों को रोजगार पर रखना पड़ा क्योंकि कोरोना काल में काफी कर्मचारी नौकरी छोड़कर चले गए थे।

नाथ ने बताया कि इस साल सितंबर तक कंपनी को भारत सरकार को 26.5 करोड़ सिरिंज की सप्लाई करनी है।

फार्मा विशेषज्ञों के मुताबिक फिलहाल की स्थिति में भारत अपने सिरिंज निर्यात में भारी बढ़ोतरी कर सकता है, लेकिन इस काम में सरकार को सिरिंज बनाने वाली छोटी-छोटी कंपनियों की मदद करनी होगी। फिच सॉल्यूशन की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा सिरिंज निर्यातक देश है और इसके बाद चीन का नंबर आता है। भारतीय सिरिंज की कीमत दो रुपये के आसपास पड़ती है। इस कारण भी दुनिया के बाजार में भारतीय सिरिंज की मांग ज्यादा है।

गीता को महाराष्ट्र में मिली उसकी असली मां

कराची, (एजेंसी)। पाकिस्तान में एक सामाजिक कल्याण संगठन ने जिस मूक बधिर भारतीय लड़की को आसरा दिया था और 2015 में भारत भेज दिया था, उसे आखिरकार महाराष्ट्र में उसकी असली मां से मिला दिया गया। वह गलती से पाकिस्तान चली गई थी। गौरतलब है कि गीता को पूर्व विदेशमंत्री सुषमा स्वराज के प्रयास से 2015 में भारत लाया गया था और तभी से गीता के परिजनों की तलाश चल रही थी। विश्व प्रसिद्ध ईधी वेल्यफेयर ट्रस्ट के पूर्व प्रमुख दिवंगत अब्दुल सत्तार ईधी की पत्नी बिलकिस ईधी ने बताया कि गीता नाम की भारतीय मूक बधिर लड़की को महाराष्ट्र में उसकी असली मां से मिला दिया गया है। बिलकिस ने बताया, वह मेरे संपर्क में थी और इस सप्ताहांत उसने मुझे अपनी असली मां से मिलने की अच्छी खबर दी। उन्होंने यहां मीडिया से पुष्टि की, उसका (लड़की का) असली नाम राधा वाघमारे है और उसे उसकी असली मां महाराष्ट्र राज्य के नैगांव में मिली। बिलकिस के मुताबिक, उन्हें गीता एक रेलवे स्टेशन से मिली थी और जब वह 11-12 की रही होगी। उन्होंने उसे कराची के अपने केंद्र में रखा था। उन्होंने कहा, वह किसी तरह से पाकिस्तान आ गई थी और जब कराची में हमें मिली थी तो वह बेसहारा थी। बिलकिस ने बताया कि उन्होंने उसका नाम फातिमा रखा था लेकिन जब उन्हें मालूम चला कि वह हिंदू है तो उसका नाम गीता रखा गया। हालांकि वह सुन और बोल नहीं सकती है। 2015 में भारत की पूर्व विदेश मंत्री दिवंगत सुषमा स्वराज ने लड़की को भारत लाने का इंतजाम किया था। बिलकिस ने बताया कि गीता को अपने असली माता-पिता ढूंढने में करीब साढ़े चार साल का वक्त लगा और इसकी पुष्टि डीएनए जांच के जरिए की गई है। उन्होंने बताया कि गीता के असली पिता की कुछ साल पहले मौत हो चुकी है और उसकी मां मीना ने दूसरी शादी कर ली है।

तालिबान को शह दे रहा है पाक : अफगानिस्तान उपराष्ट्रपति

काबुल, (एजेंसी)। आंतकवादियों की पनाहगाह बने पाकिस्तान को लेकर उसके पड़ोसी देश अफगानिस्तान ने बड़ा खुलासा किया है। यहां के प्रथम उपराष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह ने पाक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सालेह ने कहा है कि शांति वार्ता के लिए पाकिस्तान तालिबान पर कोई दबाव नहीं बना रहा है। उन्होंने कहा कि तालिबान यह सब पाकिस्तान की शह पर कर रहा है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि अफगानिस्तान पाकिस्तानी हक्कानिया मदरसों के द्वारा तैयार किए गए दस्तावेजों पर कतई हस्ताक्षर नहीं करेगा। हक्कानी नेटवर्क के कुछ मुल्ला उन्हें मुस्लिम होने का प्रमाण पत्र दे रहे हैं। हम हजारों साल से मुसलमान हैं।

हमें ऐसे किसी प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं है। इसी के साथ उन्होंने पाक की भी शांति वार्ता में सहयोग न करने पर आलोचना की। उपराष्ट्रपति सालेह ने कहा कि पाकिस्तान शांति वार्ता के लिए तालिबान पर दबाव न बनाकर अफगानिस्तान के साथ अपने संबंधों का निर्वाह नहीं कर रहा है। अफगानिस्तान के उपराष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह ने अमेरिका के विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन के द्वारा आठ पेज के लिखे पत्र पर भी अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हम साढ़े तीन करोड़ अफगानी जनता के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकते।

वहीं अफगानिस्तान के कंधार प्रांत में सेना की ओर से चलाए गए आतंकवाद निरोधक अभियान में 30 तालिबानियों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। सेना के प्रवक्ता फवाद अमान ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये अभियान पिछले 24 घंटों में कंधार के अरघानदाब और जहारी जिलों में चलाए गए थे। इन दोनों अभियानों में 30 तालिबानियों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए।

गौरतलब है कि दोहा में तालिबान और अफगानी सरकार के प्रतिनिधियों के बीच सितंबर से बातचीत जारी है लेकिन इसके बावजूद दोनों पक्षों में हिंसा की घटनाएं होती रहती हैं।

अफगानिस्तान में एक समारोह के दौरान आतंकियों ने सरकारी अधिकारियों के सामने हथियार डाले।

बगदाद में शिया समुदाय से जुड़े लोग इमाम मौसा अल खादिन की याद में एक ताबूत लिए हुए।

भारत ने सभी के लिए किफायती और स्वच्छ ऊर्जा की पैरवी की

जेनेवा, (एजेंसी)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र के मंच से सभी के लिए किफायती और स्वच्छ ऊर्जा की पैरवी की। भारत ने कहा कि लक्ष्य को पाने के लिए सम्मिलित वैश्विक प्रयास आवश्यक है। इसके अलावा अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने, ऊर्जा के दायरे को बढ़ाने के लिए नवोन्मेषी तरीके अपनाने तथा मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। बिजली तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री राज कुमार सिंह ने कहा, हमारे पास सतत विकास लक्ष्य संख्या सात (एसडीजी 7) को पाने के लिए और सभी को सस्ती, विश्वसनीय व टिकाऊ ऊर्जा तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए करीब 10 साल हैं। उन्होंने ऊर्जा पर संयुक्त राष्ट्र की उच्च स्तरीय वार्ता की आभासी शुरूआत के मौके पर कहा कि एसडीजी 7 पाने के लिए वैश्विक स्तर पर सम्मिलित प्रयासों की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, इसके लिए (एसडीजी 7 लक्ष्य पाने ने लिए) मजबूत राजनीतिक प्रतिबद्धता, ऊर्जा की पहुंच के विस्तार के नये तरीकों, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने और ऊर्जा दक्षता बढ़ाने की भी आवश्यकता होगी।

सिंह ने कहा कि एसडीजी 7 प्राप्त करने के रास्ते में आने वाली चुनौतियां बहुत बड़ी हैं, लेकिन उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक रूप से हम चुनौतियों का सामना कर सकते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिये एक स्वच्छ ऊर्जा वाला भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय को हाथ मिलाने और सही मायने में ऊर्जा पर काम करने का वर्ष है। संयुक्तराष्ट्र ने एक बयान में कहा कि उसके सदस्य देशों के 20 से अधिक मंत्री-स्तरीय ग्लोबल चैंपियंस ने बुधवार को संदेश जारी किया और 2030 तक सभी के लिये सस्ती, स्वच्छ ऊर्जा प्राप्त करने की दिशा में तत्काल कदम उठाने का आह्वान किया। इस वार्ता की आभासी शुरूआत के साथ ही पांच तकनीकी कार्यकारी समूहों के द्वारा चर्चा की भी शुरूआत हो गयी, जो आपस में मिलकर 2030 तक एसडीजी 7 प्राप्त करने का खाका तैयार करे।

लाखों यूजरों को चीन कर रहा प्रभावित

वाशिंगटन, (एजेंसी)। माइक्रोसॉफ्ट ने पिछले सप्ताह अपने ग्राहकों को एक नए और जटिल साइबर हमले के खिलाफ आगाह किया है। इस हमले की जड़ें चीन में हैं और ये माइक्रोसॉफ्ट के एक्सचेंज सर्वरइ सॉफ्टवेयर को निशाना बना रही हैं। बहुत बड़े स्तर पर किया गया यह साइबर हमला बीमारी पर शोध करने वाली फर्म, लॉ फर्म, उच्च शिक्षा संस्थान, रक्षा ठेकेदारों और एनजीओ जैसे संगठनों को निशाना बना रहा है। कई रिपोर्टों से पता चलता है कि माइक्रोसॉफ्ट एक्सचेंज मास साइबर हमले ने पहले से ही दुनिया में कई छोटे-मध्यम व्यवसायों को प्रभावित किया है। इसीलिए इससे विश्व के लाखों यूजर्स प्रभावित हुए हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने दुनिया भर के सुरक्षा संगठनों द्वारा उठाए गए रेड प्लैग पर कार्रवाई करने के लिए आठ सप्ताह से ज्यादा वक्त ले लिया है। इससे लगता है कि यह मुद्दा शुरूआत में आई रिपोर्ट से कहीं ज्यादा गंभीर बन गया है। माइक्रोसॉफ्ट के कॉपोर्रेट उपाध्यक्ष (ग्राहक सुरक्षा व ट्रस्ट) टॉम बर्ट ने कहा, हमने ग्राहक सुरक्षा के लिए सिक्योरिटी अपडेट जारी किए हैं और सभी एक्सचेंज सर्वर ग्राहकों से इन अपडेट को तुरंत लागू करने की अपील की है। चीन से होने वाले इन हमलों का संचालन अमेरिका में लीज्ड वर्चुअल प्राइवेट सर्वर (वीपीएस) से होता है।

माइक्रोसॉफ्ट ने 2 मार्च को कहा कि कॉपोर्रेट और सरकारी डाटा केंद्र के एक्सचेंज सर्वर मेल और कैलेंडर सॉफ्टवेयर में खामियां पाई गई हैं। कंपनी ने 2010, 2013, 2016 और 2019 एक्सचेंज वर्जन के लिए कई पैच भी जारी किए हैं। सिक्योरिटी ब्लॉगर ब्रियन क्रेब्स ने अपने ब्लॉग में लिखा कि माइक्रोसॉफ्ट ने 2010 संस्करण के लिए पैच जारी करने का असामान्य कदम भी उठाया। इससे पता चलता है कि माइक्रोसॉफ्ट एक्सचेंज सर्वर कोड में 10 साल से ज्यादा समय से खामी है।

तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस खाई में गिरी, 27 लोगों की मौत

जकार्ता, (एजेंसी)। इंडोनेशिया के जावा द्वीप में पर्यटकों की बस के खाई में गिरने से उसमें सवार कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई,वहीं 39 अन्य लोग घायल हुए। पुलिस और बचावकताओं ने इसकी जानकारी दी। स्थानीय पुलिस प्रमुख एको प्रासेत्यो रोब्बियांतो ने बताया कि यह बस पश्चिमी जावा के सुबांग शहर से इस्लामी माध्यमिक स्कूल के छात्रों और उनके अभिभावकों के समूह को तासिकामलय जिले में एक तीर्थस्थल पर लेकर जा रही थी, तभी यह हादसा हुआ।

उन्होंने बताया कि सुमेदांग जिले में ढलान वाले इलाके में चालक बस को नियंत्रित नहीं कर सका और बस 20 मीटर गहरी खाई में गिर गई। रोब्बियांतो ने बताया कि पुलिस हादसे के कारण का पता लगाने की कोशिश कर रही है, लेकिन इस दुर्घटना में जीवित बचे लोगों का कहना है कि वाहन के ब्रेक खराब हो गए थे। बांदुंग तलाश एवं बचाव एजेंसी प्रमुख देदेन रिदवांसाह ने बताया कि 27 मृतकों के शवों और 39 घायलों को अस्पताल और एक निकटवर्ती स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया है।

उन्होंने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त बस में फंसे एक व्यक्ति को बृहस्पतिवार सुबह मलबे से बाहर निकाला गया। रिदवांसाह ने बताया कि 13 घायलों की हालत गंभीर है और मृतकों में बस चालक भी शामिल है। इंडोनेशिया में सुरक्षा के खराब मानकों एवं बुनियादी ढांचे के अभाव के कारण सड़क दुर्घटनाएं अक्सर होती रहती है। सुमात्रा द्वीप में दिसंबर 2019 में यात्री बस के 80 मीटर गहरी खाई में गिरने से 35 लोगों की मौत हो गई थी। इसी प्रकार, 2018 की शुरूआत में पश्चिमी जावा में बस के पहाड़ी से गिर जाने से 27 लोगों की मौत हो गई थी।

उईगुर के खिलाफ चीनी नरसंहार पर अमेरिका का सख्त रुख, पाबंदियों पर हो विचार

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी रक्षामंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है कि शिनजियांग प्रांत में उईगुर मुसलमानों के खिलाफ हो रहे चीनी नरसंहार पर अमेरिका जोर-शोर से आवाज उठाता रहेगा। राष्ट्रपति जो बाइडन के पदभार संभालने के बाद अगले सप्ताह शीर्ष अमेरिकी अधिकारी और चीनी अधिकारियों की रूबरू होने वाली पहली बैठक के पहले कई सांसदों ने चीन में मानवाधिकार की बदतर स्थिति को लेकर चिंता जाहिर की है। व्हाइट हाउस और विदेश विभाग ने कहा कि ब्लिंकन और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवान चीन की विदेश नीति विभाग के शीर्ष अधिकारियों, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के विदेश मामलों के प्रमुख यांग जेइची और स्टेट काउंसलर एवं विदेश मंत्री वांग यी के साथ 18 मार्च को अलास्का के ऐंकरेज में वार्ता होगी।

संसद में विदश मामलों की समिति के सदस्यों को ब्लिंकन ने बताया कि चीन के मानवाधिकारों के उल्लंघन के मामलों पर अमेरिका का बोलना जारी रहेगा। उन्होंने कहा, मामले में हमारा रुख स्पष्ट है, हम इन घटनाओं को नरसंहार, मानवाधिकारों के उल्लंघन के तौर पर देखकर इसके खिलाफ आवाज उठाना जारी रखने वाले है। सांसद माइकल मैककॉल ने पूछा था कि बाइडन प्रशासन चीनी नरसंहार को रोकने के लिए क्या अतिरक्त कदम उठा रहा है। ब्लिंकन ने कहा, मुझे लगता है कि हम कई चीजें कर सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण है कि इस बारे में बोलना जारी रखें और सुनिश्चित करना होगा कि दूसरे देश भी आवाज उठाएं। चीन सिर्फ हमारी आवाज पर ध्यान नहीं देगा जब तक कि दुनिया भर से आवाज ना उठे। इसके बाद ही बदलाव की गुंजाइश पैदा होगी।

उन्होंने कहा, हम कई तरह के कदम उठा सकते हैं। इसके तहत नरसंहार, मानवाधिकार के उल्लंघन के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाए, पाबंदी लगे और वीजा पर भी प्रतिबंध लगाने के विकल्प भी हैं। मुझे लगता है कि अगर चीन दावा करता है कि कुछ नहीं हुआ है,तब अंतरराष्ट्रीय समुदाय, संयुक्त राष्ट्र को वहां जाने का मौका देना होगा। अगर कुछ छिपाने के लिए नहीं है,तब हमें, दुनिया को दिखाएं।

चिम्पांजियों की उपजातियों में जेनेटिक संबंध

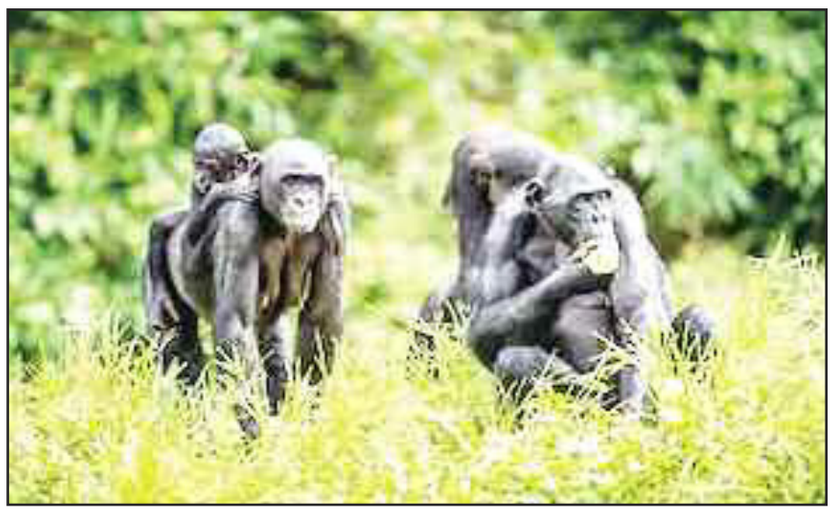

लंदन, (एजेंसी)। एक अध्ययन में शोधकताओं ने पता लगाया है कि पिछली कुछ अलगाव करने वाली घटनाओं के बावजूद चिम्पांजियों की उपजातियों में जेनेटिक संबंध है। चिम्पांजी और मानवों के पूर्वज एक ही रहे हैं। वे सबसे निकट के जानवरों में से एक है। उनका अध्ययन जीवों के विकास के अध्ययन से भी अहम माना जाता है। यह इस तरह का पहला अध्ययन है जब इतने व्यापक तौर पर चिम्पांजियों पर ऐसा शोध हुआ है। मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर इवोल्यूशनरी एंथ्रोपोलॉजी के शोधकताओं ने यह अध्ययन किया है।

चिम्पांजी को चार उपजातियों में बांटा गया है जो भौगोलिक बाधाओं जैसे की नदी से अलग अलग बंटे हैं और उनका आपस में कोई संपर्क नहीं हो पाता है। इससे पहले चिम्पांजी की जनसंख्याओं को समझने का प्रयास करने वाले अध्ययन या तो किसी स्थान विशेष के वितरण तक सीमित थे, और किसी अज्ञात उत्पत्ति, या फिर अलग अलग जेनेटिक मार्कर वाले थे। इन बाधाओं के कारण कुछ अध्ययनों ने चिम्पांजियों की उपजातियों में स्पष्ट अंतर दिखाया है तो कुछ इंसानों की तरह ही अनुवांशिकी उतार चढ़ाव का सुझाव देते दिखे हैं। एमपीआई-ईवीए के पैन अफ्रीकन प्रोग्रामः द कल्चर्ड चिम्पांजी कार्यक्रम के तहत अंतरराष्ट्रीय शोधकताओं की टीम ने पिछले 8 सालों में 18 देशों की 55 जगहों पर से विभिन्न चिम्पांजियों के मल के नमूने जमा किया। यह इस जाति के अब तक सबसे विस्तृत और व्यापक नमूने जमा किए गए हैं।

पिछले अध्ययनों की सीमितताओं को देखते हुए चिम्पांजियों पर हुए इन शोध के हर नमूने की उत्पत्ति के स्थान की जानकारी शामिल थी। इस अध्ययन की वरिष्ठ लेखिका और पैनएफकी को डायरेक्टर मिमि अरेंजलविक ने बताया कि इन नमूनों को जमा करना एक बहुत ही मुश्किल काम था। चिम्पांजी मानवीय उपस्थिति के आदी नहीं थे। इसलिए उनकी टीम को इसके लिए बहुत ही धैर्य, कुशलता और भाग्य से काम लेना पड़ा। इस अध्ययन के प्रथम लेखक जैक लेस्टर ने बताया कि उनकी टीम ने तेजी से उभरने वाले जेनिटक मार्कर का उपयोग किया जो चिम्पांजियों की प्रजाति के इतिहास में हाल की जनसंख्या को प्रदर्शित करते हैं। उन्होंने इनकी बहुत सारे विविधतापूर्ण नमूने लिए और दशार्या कि चिम्पांजी की उपजातियां कैसे आपस में जुड़ी हुई हैं। या फिर वे अफ्रीकी जंगलों के हालिया अधिकाधिक विस्तार के दौरान कैसे दोबारा जुड़ी होगीं। हालांकि चिम्पांजी अपने उपजातियों में सुदूर इतिहास में अलग अलग हुए होंगे और यह मानवीय दखलंदाजी शुरू होने से बहुत पहले हुआ होगा, भौगोलिक बाधाओं से संबंधि प्रस्तावित उपजातियां चिम्पांजियों को बिखराव की शुरूआत थी।

शोधकताओं का कहना है कि चिम्पांजियों को लेकर उनके माइक्रोसैटेलाइट डीएनए मार्कर से आए नतीजे बताते हैं कि हाल की शताब्दी में अनुवांशिक संबंध के जिम्मेदार प्रमुख तौर से भौगोलिक दूरियां और स्थानीय कारक हैं जो पुराने उपजातीय विभाजन को ढक रहे हैं। इन नतीजों से चिम्पांजियों में बहुत बड़ी बर्ताव विविधता पाई गई है जो इंसानों की तरह पर्यावरण में बदलाव के प्रतिक्रिया की वजह से है। शोधकर्ताओ ने चिम्पांजियों के उपस्थिति पर मानवीय प्रभाव को होना भी पाया है। शोधकताओं का कहना है कि आमतौर से माना जाता है कि ग्लेशियर काल में चिम्पांजी जंगल में शरण लेते होंगे जिसकी वजह से ये अलग अलग हो जाते होंगे जो अब उपजाति के तौर पर पहचाने जाते हैं।

म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के खिलाफ ब्रिटेन सख्त

यंगून, (एजेंसी)। म्यांमार में सैन्य तख्तापलट कार्रवाई को लेकर ब्रिटेन ने कड़ा रुख अपनाते हुए नए प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर ली है। यह जानकारी ब्रिटेन के विदेश मंत्री डोमिनिक राब ने ट्वीट कर दी है। उन्होंने लिखा कि म्यांमार की सेना के कमांडर-इन-चीफ के परिवार और व्यापार हितों को लक्षित करने वाले प्रतिबंधों के ब्लिंकन के विचार स्वागत है। विदेश मंत्री ने कहा कि ब्रिटेन अतिरिक्त प्रतिबंधों को लगाने पर विचार कर रहा है। हम स्पष्ट हैं कि शासन को शक्ति के दुरुपयोग और मानव अधिकारों के उल्लंघन की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। वहीं इससे पहले ब्रिटेन में म्यांमार के राजदूत कवा ज्वर मिन ने कहा कि स्टेट काउंसलर आंग सान सू की और राष्ट्रपति विन म्यिंट की रिहाई के साथ ही देश के मौजूदा संकट का कूटनीतिक प्रयास के जरिए समाधान किया जाना चाहिए। मिन ने कहा था कि सैन्य तख्ता पलट के बाद पिछले सप्ताह ब्रिटेन के गृह मंत्री निगेल एडम्स और विदेश मंत्री डॉमिनिक रैब के साथ हुई बैठक में म्यांमार की स्थिति को लेकर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि हम स्टेट काउंसलर दाऊ आंग सान सू की और राष्ट्रपति यू विन म्यिंट की रिहाई का अनुरोध करते हैं। मौजूदा गतिरोध को दूर करने के लिए कूटनीति प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि लंदन में म्यांमार के दूतावास खुले रहेंगे और ब्रिटेन में रहने वाले म्यांमार के नागरिकों को सहायता की जाती रहेगी।

म्यांमार में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारी अपने बचाव का इंतजाम कर पहुंचे।

दिल्ली की नामी डॉक्टर सुनीला गर्ग की नसीहत- अभी खत्म नहीं हुआ कोरोना वायरस

नई दिल्ली। जब तक दवाई नहीं, तब तक ढिलाई नहीं यह नारा कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम के लिए केंद्र सरकार ने दिया है। अब दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों में कोरोना के बढ़ते मामलों के संदर्भ में डॉक्टर कहते हैं कि कोरोना का टीकाकरण शुरू होने पर लोगों ने ढिलाई शुरू कर दी है और इसे हल्के में लेने लगे हैं, इसलिए अब लोग बगैर मास्क के बाजार में निकलने से भी नहीं डरते। इससे संक्रमण बढ़ने लगा है। बता दें कि दिल्ली में बृहस्पतिवार को 24 घंटे के दौरान 400 से अधिक कोरोना के नए मामले सामने आए हैं, जबकि मौत का आंकड़ा भी बढ़ा है। दिल्ली स्थित मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के निदेशक प्रोफेसर डॉ. सुनीला गर्ग (क्ष्ह्न्शद्धद्गह्यह्वशह्ल छ्वह्ल स्ह्वठ्ठद्बद्यड्ड तड्डह्द्द, छ्वद्बह्द्गष्ह्लशह्ल शद्ध स्ड्डह्वद्यड्डठ्ठड्ड ‹5ड्डस्त्र स्ह्द्गस्त्रद्बष्ड्डद्य ष्टशद्यद्यद्गद्दद्ग) ने कहा कि कोरोना से बचाव के लिए अभी सख्ती जरूरी है।उन्होंने कहा कि सीरो सर्वे में 56 फीसद लोगों में एंटीबाडी मिली थी। इससे लोगों को यह बात लगने लगी कि अब कोरोना नहीं होगा। वहीं, टीकाकरण के बाद से लोग भी लापरवाह होने लगे हैं। पहले इलाज व अधिक जांच के साथ-साथ मरीजों के संपर्क में आए लोगों की पहचान पर जोर दिया जा रहा था। अब संक्रमित लोगों की पहचान का काम बंद हो गया है। डॉ. सुनीला गर्ग ने कहा कि अब बाजारों में भी बिना मास्क के लोग खूब देखे जा रहे हैं। ऐसे में यदि कोई एक व्यक्ति संक्रमित हुआ तो उससे कई लोग संक्रमित हो सकते हैं। अब समारोह में भी लोग शामिल हो रहे हैं। लोगों को यह समझने की जरूरत है कि वायरस अभी खत्म नहीं हुआ है। नए स्ट्रेन के संक्रमण का खतरा भी है। इसलिए लोगों को अभी बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। टीकाकरण केंद्रों पर भी लोग मास्क पहनकर जाएं। इसके अलावा थोड़े अंतराल पर हाथ जरूर धोएं।

तिहाड़ जेल से बरामद हुआ विस्फोटक की जिम्मेदारी लेने वाले का फोन

यहां पर बता दें कि मुंबई पुलिस ने दोनों नंबर के आइपी एड्रेस को ट्रैक कर दावा किया कि उनमें से एक नंबर का इस्तेमाल तिहाड़ जेल से किया गया।

नई दिल्ली। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई स्थित मशहूर उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के बाहर खड़ी स्कॉर्पियो से जिलेटिन बरामद होने के मामले में एक बार फिर नया मोड़ सामने आया है। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की ओर से दावा किया गया है कि उन्होंने तिहाड़ जेल से उस मोबाइल फोन को बरामद कर लिया है, जिसके जरिये जैश-उल-हिंद संगठन ने जिम्मेदारी ली थी। जागरण संवाददाता से मिली जानकारी के मुताबिक, दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने तिहाड़ जेल में सर्च ऑपरेशन के दौरान यह मोबाइल फोन बरामद किया है। इंडियन मुजाहिद्दीन का आतंकी तहसीन अख्तर उर्फ मोनू का बताया जा रहा है, जो तिहाड़ की जेल नंबर आठ में बंद है। जाहिर है कि देश के सबसे बड़े उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के पास विस्फोटक भरी स्कॉर्पियो मिलने के मामले के तार अब इंडियन मुजाहिदी से जुड़ गए हैं, क्योंकि इससे जुड़े आतंकी तहसीन अख्तर से दिल्ली की तिहाड़ में फोन बरामद हुआ है। यह फोन दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने तिहाड़ में सर्च ऑपरेशन के दौरान बरामद किया है। बताया जा रहा है कि तहसीन अख्तर पर बिहार की राजधानी पटना में गांधी मैदान में पीएम मोदी की रैली, हैदराबाद और बोधगया में धमाकों का आरोप है। इससे पहले दिल्ली पुलिस का कहना था कि तिहाड़ में करीब 12 हजार कैदी हैं, जिनमें बड़ी संख्या में आतंकी व अन्य कैदी मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में यह जल्द पता करना बहुत मुश्किल है कि अंटीलिया के बाहर विस्फोटक रखने में किस आतंकी या अन्य कैदी की साजिश है। यहां पर बता दें कि मुंबई पुलिस ने दोनों नंबर के आइपी एड्रेस को ट्रैक कर दावा किया कि उनमें से एक नंबर का इस्तेमाल तिहाड़ जेल से किया गया। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गुरुवार को तिहाड़ में दिनभर जांच भी की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला था।

वोट बैंक की राजनीति की भेंट चढ़ा दशहरा ग्राउंड

कागजों में दशहरा ग्राउंड आज भी एक आयोजन स्थल के रूप में रजिस्टर है

नई दिल्ली। वोट बैंक की राजनीति के चलते छावनी परिषद ने सदर बाजार स्थित दशहरा ग्राउंड में अनियोजित ढंग से पार्क विकसित किया है, जो अब बदहाली की मार झेल रहा है। आए दिन होने वाले शादी-ब्याह के आयोजनों के चलते बिछाई गई घास को काफी नुकसान पहुंचता है।

कुल मिलाकर ये सरकारी रुपयों की बर्बादी है, हालांकि आयोजन के लिए ग्राउंड की बुकिंग के दौरान जमा की जाने वाली सुरक्षा रकम से नुकसान की भरपाई कर ली जाती है, पर अधिकारियों के मुताबिक आए दिन घास को बदलवाना संभव नहीं है। कागजों में दशहरा ग्राउंड आज भी एक आयोजन स्थल के रूप में रजिस्टर है। जहां आयोजन करने के लिए छावनी की मंजूरी जरूरी है। पर कुछ दबावों के कारण अधिकारियों ने ग्राउंड को पार्क के रूप में विकसित जरूर कर दिया, लेकिन अब इसका रखरखाव करना पाना उनके लिए चुनौतीपूर्ण हो गया है। नियमानुसार यदि किसी ग्राउंड को पार्क के रूप में विकसित कर दिया जाता है, तो वहां आयोजन करना गलत है। हालांकि जगह के अभाव व आर्थिक कारणों के चलते आज भी दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के अंतर्गत कई पार्कों में धड़ल्ले से कार्यक्रम का आयोजन होता है। असल में ग्राउंड को पार्क के रूप में विकसित करने के लिए सरकारी रुपयों का निवेश किया जाता है,

पर आयोजन के चलते विकास के दौरान प्रयुक्त सामान को नुकसान पहुंचता है। जिससे न सिर्फ रुपयों की बर्बादी होती है बल्कि मानव श्रम भी प्रभावित होता है। दशहरा ग्राउंड को पार्क के रूप में विकसित करने के लिए यहां घास बिछाई गई है, ग्राउंड के चारों तरफ दौड़ने के लिए ट्रैक बनाया गया है, साथ ही यहां ओपन जिम की काफी मशीनें भी लगाई गई है। पार्क के रूप में विकसित होने के बाद लोग भी यहां सुबह-शाम टहलने व योगासन करने के लिए आते है। बच्चों को भी धूल-मिट्टी रहित खेलने के लिए स्थान मिल गया। आसपास के लोगों का कहना है कि वे छावनी के फैसले का स्वागत करते है, क्योंकि इससे उन्हें कालोनी के बीच में ही पार्क मिल गया और दूसरा धूल-मिट्टी की समस्या से भी राहत मिल गई। अधिकारियों का कहना है कि इस विषय को बोर्ड की बैठक में कई बार उठाया गया है कि दशहरा ग्राउंड को अब पार्क की मान्यता दे देनी चाहिए, पर छावनी के लिए राजस्व का एक बड़ा माध्यम होने के कारण यहां दोनों रूपों में फिलहाल इस्तेमाल हो रहा है।

आप सरकार की तीर्थ योजना छलावा है: भाजपा

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता के माता-पिता को तीर्थ यात्रा कराने के संबंध में आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक सौरभ भारद्वाज की टिप्पणी से भाजपा नाराज है। पार्टी के नेताओं ने भारद्वाज से अपने बयान के लिए माफी मांगने की मांग की है। इसके साथ ही भाजपा ने मुख्यमंत्री तीर्थ योजना को छलावा करार दिया है। उसका कहना है कि चुनावी लाभ लेने के लिए यह योजना शुरू की गई है, जिसका सही लाभ लोगों को नहीं मिल रहा है। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष की माता को लेकर आप विधायक ने जिस तरह से ओछी बयानबाजी की है उससे सभी दलों के कार्यकर्ता शर्मसार हैं। मुख्यमंत्री को अपने विधायक से कहना चाहिए कि वह भाजपा अध्यक्ष के माता-पिता से माफी मांगें।

पंजाब के लोगों से छिपाई जा रही है सिंघु बॉर्डर पर किसानों के प्रदर्शन की असली सच्चाइ

नई दिल्ली। तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों को रद करने की मांग लेकर दिल्ली-एनसीआर के बॉर्डर पर चल रहा किसानों का प्रदर्शन भले ही 100 दिन से अधिक हो चुका है, लेकिन अब यह आंदोलन जन समर्थन खोता जा रहा है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह आंदोलन से लोगों को परेशान होना है। इस बीच दिल्ली-हरियाणा स्थित सिंघु बॉर्डर पर भले ही प्रदर्शनकारियों की संख्या कम हो रही है, लेकिन कृषि कानून विरोधी अब ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की संख्या बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। इसके पीछे किसान संगठनों की बड़ी योजना है। किसान आंदोलन से जुड़े लोगों की मानें तो ऐसा इसलिए किया जा रहा है, ताकि पंजाब तक यह खबर न जाए कि सिंघु बॉर्डर खाली होने लगा है। दरअसल, अब सिंघु बॉर्डर पर ऐसा नजारा देखने को मिल रहा है कि प्रदर्शनकारी कम नजर आ रहे हैं और ट्रैक्टर ज्यादा। मिली जानकारी के मुताबिक, धरना स्थल पर किसानों

की संख्या इतना कम हो गई है कि संयुक्त किसान मोर्चा के नेता भी परेशान हैं। बृहस्पतिवार को तो कुल मिलाकर 50 प्रदर्शनकारी भी मौजूद नहीं थे। वहीं, कुंडली गांव की संकरी गलियों से एक-एक कर ट्रैक्टर ट्रालियों का सिंघु बॉर्डर-नरेला रोड पर आना जारी है। नरेला रोड पर ट्रैक्टरों को खड़ा करके तिरपाल से ढक दिया गया है। हालांकि चोरी चुपके से हरियाणा के कुंडली गांव से ट्रैक्टरों को इधर लाया जा रहा है, ताकि पंजाब से अगर कोई प्रदर्शनकारी सिंघु बॉर्डर पर आए तो ट्रॉलियों में रह सके। बता दें कि 5 मार्च को अमृतसर से सिंघु बॉर्डर पर भारी संख्या में ट्रैक्टरों के आने की बातें की जा रही थी, लेकिन कम संख्या में ट्रैक्टर यहां आए। पंजाब से यह बात छिपाई जा रही है कि सिंघु बॉर्डर पर किसानों का प्रदर्शन फीका पड़ता जा रहा है। 26 जनवरी को दिल्ली में किसान ट्रैक्टर परेड के दौरान हुई हिंसा के दौरान किसान संगठनों के बीच फूट की बड़ी खबर आ रही है। आलम यह है कि कृषि कानून विरोधी आंदोलन से धीरे-धीरे संयुक्त किसान मोर्चा के बड़े नेता दूरी बनाते दिखने लगे हैं। बताया जा रहा है कि गणतंत्र दिवस के बाद से अब तक संयुक्त किसान मोर्चा की चार बार बैठक हो चुकी है, लेकिन इसमें शिव कुमार कक्का, गुरनाम सिंह चढ़ूनी जैसे नेता शामिल नहीं हुए हैं। इतन ही नहीं, आंदोलन की शुरुआत में ज्यादा सक्रिय रहने वाले योगेंद्र यादव भी दिल्ली हिंसा के बाद एक बार ही बैठक में शामिल हुए हैं। इस आंदोलन के बाद राकेश टिकैत की सक्रियता बढ़ने और उन्हें अधिक तवज्जो मिलने से भी इस आंदोलन में कुछ बड़े नेताओं की सक्रियता कम हो गई। शुरुआत में आंदोलन स्थल पर लगातार मौजूद रहकर मोर्चा की हर गतिविधि में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने वाले और मोर्चा की समन्वय समिति के प्रमुख सदस्य शिव कुमार कक्का 26 जनवरी से आंदोलन से दूर हैं।

दिल्ली पुलिस ने उठाया सवाल, जांच के लिए तिहाड़ क्यों नहीं आती मुंबई पुलिस

नई दिल्ली। देश-दुनिया के नामी उद्योगपतियों में शुमार मुकेश अंबानी के दक्षिण मुंबई स्थित घर अंटीलिया के बाहर स्कार्पियो में जिलेटिन की 20 छड़ें मिलने के मामले के तार तिहाड़ जेल से जुड़ रहे हैं। जिस मोबाइल नंबर के इंटरनेट का इस्तेमाल कर टेलीग्राम चैनल के जरिये जैश-उल-हिंद ने विस्फोटक रखने की जिम्मेदारी ली थी, वह नंबर तिहाड़ जेल का ही कोई कैदी इस्तेमाल कर रहा है। मुंबई पुलिस की इस सूचना के बाद स्पेशल सेल समेत तमाम सुरक्षा एजेंसियां जांच में जुट गई हैं। वहीं, दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि अंबानी के घर के बाहर विस्फोटक से भरी स्कार्पियो मिलने के मामले में मुंबई पुलिस को अगर तिहाड़ का कनेक्शन मिला तो पुलिस जांच करने तिहाड़ क्यों नहीं आई मुंबई पुलिस को काफी सुबूत मिल चुके होंगे अगर उन्हें जैश उल हिंद संगठन के आतंकियों के तिहाड़ में बंद होने की जानकारी मिली तो दिल्ली आकर जांच करनी चाहिए। यह संगठन इजराइली ब्लास्ट के बाद से ही दिल्ली पुलिस के रडार पर है। अबतक की जांच से इस संगठन के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

कोरोना के बीच जानलेवा हो सकता है डेंगू-मलेरिया, बरतें बीमारी से सावधानी

नई दिल्ली। राजधानी में एक बार फिर कोरोना संक्रमण बढ़ रहा है तो वहीं मच्छरजनित बीमारियां भी मुंह दिखाने लगी है। हालांकि मामले अभी दहाई में भी नहीं पहुंचे हैं, लेकिन वर्ष की शुरुआत से ही मच्छरजनित बीमारियों का प्रकोप कोरोना के बीच चुनौतियां बढ़ा सकता है। राजधानी में अब तक डेंगू के पांच तो मलेरिया के एक मरीज की पुष्टि हो चुकी है। आगे इन मरीजों की संख्या कितनी बढ़ती है या नहीं यह तो भविष्य के गर्भ में ही छिपा है। कोरोना के बीच मच्छर जनित बीमारियों का प्रकोप जानलेवा साबित हो सकता है। ऐसे में विशेषज्ञ जहां कोरोना से बचने के लिए मास्क और हाथ धोने की अपील कर रहे हैं तो वहीं मच्छरजनित बीमारियों से बचने के लिए घर और दफ्तर में साफ-सफाई रखने की भी सलाह दे रहे हैं। दिल्ली में फिलहाल मच्छरजनित बीमारियों का सर्वाधिक प्रकोप दक्षिणी निगम में हैं यहां दो मरीजों की पुष्टि हुई है। पूर्वी और उत्तरी निगम में फिलहाल कोई मरीज सामने नहीं आया है। हालांकि पांच मरीजों में तीन मरीजों के पते की पुष्टि नहीं हुई है। जिन मरीजों की पुष्टि नहीं हुई है उनमें से दो मरीजों के पतों की जांच की जिम्मेदारी उत्तरी निगम को तो एक मरीज के पते की पुष्टि करने की जिम्मेदारी पूर्वी निगम को मिली है। डेंगू के दस मरीज दिल्ली के पड़ोसी राज्यों से आएं हैं जिनका निगम के विभिन्न अस्पतालों में इलाज हो रहा है। इसी तरह मलेरिया के एक मरीज की पुष्टि हुई है। वह मरीज पूर्वी निगम का है। मच्छरजनित बीमारियों का पिछले वर्ष प्रकोप रहा था, लेकिन इस वर्ष यह प्रकोप बढ़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार इस वर्ष प्रकोप बढ़ने के पूरे आसार है। इसलिए नागरिक अपनी छत पर किसी भी बर्तन, टायर आदि में पानी जमा न होने दें। वहीं, गर्मियों में कूलर का उपयोग करें तो उसका प्रत्येक तीसरे दिन नियमित रूप से पानी बदलते रहे।

रोड़ों की धोखाधड़ी में एचडीएफसी बैंक का पूर्व अधिकारी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने करोड़ों की धोखाधड़ी में एचडीएफसी बैंक के पूर्व अधिकारी संजीत कुमार को गिरफ्तार किया है। मूल रूप से हरियाणा के गुरुग्राम निवासी आरोपित ने फर्जी दस्तावेज पर लोन देकर बैंक को 10 करोड़ का चूना लगाया था।

ठग ने दिल्ली नगर निगम में काम करने वाले शिक्षक और कर्मियों के नाम पर 145 लोगों को लोन जबकि 78 क्रेडिट कार्ड आवंटित कर धोखाधड़ी की थी। इस मामले में पुलिस बैंक के पूर्व कर्मी और आरोपित के तीन साथियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। ईओडब्ल्यू के डीसीपी मोहम्मद अली ने बताया कि एचडीएफसी बैंक के अधिकारियों ने पुलिस में ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी। बैंक अधिकारी अमित साहनी ने

ूछताछ में पता चला कि एचडीएफसी बैंक की विभिन्न शाखाओं में काम करने वाले आरोपितों ने प्रक्रिया के विपरीत फर्जी दस्तावेज का सत्यापन कर धोखाधड़ी को अंजाम दिया था।

बताया था कि फर्जी दस्तावेज पर बैंक अधिकारियों द्वारा 145 लोगों को व्यक्तिगत लोन और 78 क्रेडिट कार्ड दिए गए। इसके माध्यम से बैंक को 10 करोड़ रुपए का चूना लगाया गया। लोन दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) स्कूल और कार्यालय में काम करने वाले कर्मियों के नाम से जारी किया गया था। पुलिस ने वर्ष 2019 में मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू की तो इसमें बैंक अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध पाई गई।

जिसके बाद पुलिस की टीम ने लिए गए लोन के दस्तावेज जब्त कर उसे सत्यापन के लिए संबंधित विभाग सहित उन बैंकों को भेजा गया जिसमें लोन लेने वालों की तनख्वाह आती थी। विभाग और बैंक ने उक्त दस्तावेजों को फर्जी करार दे दिया। जिसके बाद बैंक के तीन अधिकारी राम आशीष, विनोद प्रसाद और तबरेज कमल को पुलिस ने फर्जीवाड़े में गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला कि एचडीएफसी बैंक की विभिन्न शाखाओं में काम करने वाले आरोपितों ने प्रक्रिया के विपरीत फर्जी दस्तावेज का सत्यापन कर धोखाधड़ी को अंजाम दिया था। वहीं, बाद में पुलिस की टीम ने 8 मार्च को संजीत कुमार को भी धर दबोचा। वह एचडीएफसी बैंक में 2015 से 2017 तक अलग-अलग पदों पर काम कर चुका है। धोखाधड़ी के वक्त वह गुरुग्राम स्थित स्प्लेंडर ट्रेड टावर शाखा में सहायक बैंक प्रबंधक के रूप में कार्यरत था।

डायलिसिस पर चल रही थी बहु, ससुर ने किडनी देकर लंबी की जिंदगी

पश्चिमी दिल्ली। द्वारका सेक्टर-3 स्थित आकाश अतिविशिष्ट अस्पताल में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें एक 57 वर्षीय ससुर ने आगे बढ़कर अपनी 35 वर्षीय बहु को अपनी एक किडनी दान की, ताकि वह अपना आगे का जीवन अच्छे से व्यतीत कर सकें। ससुर के इस कदम ने समाज में एक सकारात्मक संदेश दिया है और ससुर व बहू के रिश्ते को बाप-बेटी के रिश्ते के रूप में प्रदर्शित किया है। यूरोलाजी विशेषज्ञ डा. विकास अग्रवाल ने बताया कि ये महिला बीते करीब चार साल से किडनी रोग से ग्रस्त थी।

उच्च रक्तचाप की समस्या के कारण दिन प्रतिदिन उनकी किडनी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा था, पर छह माह पहले उनकी किडनी पूरी तरह खराब हो गई और वे डायलिसिस पर चल रही थी। नियमानुसार परिवार का कोई सदस्य जैसे माता-पिता, सास-ससुर या पति ही किडनी दान कर सकता है। कोई खास मामले में भाई-बहन या देवर, ननद आदि लोग भी किडनी दान करने के लिए आगे आ सकते है। इस मामले में बहू की परेशानी के साथ प्रभावित हो रहे परिवार की परेशानियों को मद्देनजर रखते हुए ससुर किडनी दान करने के लिए आगे आएं।

विशेष बात यह है कि बहू व ससुर का ब्लड ग्रुप भी एक है, जिसके कारण किडनी ट्रांसप्लांट करने में काफी सहूलियत हुई। अब ससुर व बहू दोनों ही स्वस्थ हैं। पर आगे महिला की किडनी प्रभावित न हो इसके लिए उन्हें अपने रक्तचाप पर पूरा नियंत्रण रखना होगा। हालांकि इसके लिए उन्हें दवाएं व समय-समय पर जांच कराने की सलाह दी गई है। डा. विकास ने बताया कि एक स्वस्थ व्यक्ति एक किडनी पर भी जीवनयापन कर सकता है। इसलिए किडनी दान करने से पूर्व डोनर की दूसरी किडनी की जांच की जाती है, यदि वह स्वस्थ होती है तभी व्यक्ति को डोनर के रूप में स्वीकार किया जाता है। हालांकि इस मामले में सर्जरी के दौरान थोड़ी परेशानी जरूर हुई, क्योंकि महिला के पहले भी कुछ आपरेशन हो चुके है। पर ट्रांसप्लांट में टीम सफल रहीं और अब महिला दोबारा मां बन सकती हैं।

बजट में दिल्ली की महिलाओं के लिए हुए खास एलान, होगी 100 महिला मोहल्ला क्लीनिक की शुरुआत

नई दिल्ली। दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी सरकार जनहित से जुड़े फैसले लेने के साथ उनके क्रियान्वयन के लिए भी जानी जाती है। मंगलवार को पेश दिल्ली बजट 2021-22 में भी राजधानी की आम जनता का खास ख्याल रखा गया है। इसके साथ ही अरविंद केजरीवाल सरकार ने 2021-22 के अपने बजट में महिलाओं के लिए कुछ खास कार्यक्रम शुरू किए हैं। इन कार्यक्रमों की साधी मकसद दिल्ली के विकास में महिलाओं के योगदान को बढ़ाने के साथ-साथ उनका सामाजिक और आर्थिक स्वास्थ्य कल्याण भी करना है। पिछले कई बजटों के साथ-साथ इस बार के बजट में भी उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया महिलाओं के लिए कुछ खास सौगात लेकर आए, तो साथ ही पुरानी योजनाओं को जारी रखने का एलान किया है। दिल्ली सरकार ने अपने इस बजट में महिलाओं के मद्देनजर दिल्ली में 100 महिला मोहल्ला क्लीनिक की शुरुआत करने का लक्ष्य रखा है, जिसे आगे बढ़ाकर हर वार्ड में कम से कम एक क्लीनिक का लक्ष्य रखा जाएगा। जहां महिलाओं को फ्री में सभी स्वास्थ्य सुविधाए दी जाएंगी। यह आधी आबादी को सम्मानपूर्वक स्वस्थ रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। महिलाओं के आर्थिक कल्याण के विषय पर भी इस बजट में ध्यान रखा गया है। दिल्ली सरकार का लक्ष्य है कि वह अपनी युवा महिला शक्ति को दिल्ली की इकॉनमी को बढ़ाने में हिस्सेदार बनाये। सरकार ने दिल्ली की महिलाओं की इकोनॉमी में भूमिका को और मजबूत बनाने के लिए कुछ नई योजनाओं को तैयार किया है। इसमें सबसे प्रमुख है सहेली समन्वय केंद्र। इसके तहत दिल्ली में 500 आंगनबाड़ी हब बनाए जाएंगे। इन्हें सुबह के 4 घंटे आंगनबाड़ी केंद्र के रूप में इस्तेमाल करने के बाद बाकी समय के लिए आसपास की सक्रिय महिलाओं द्वारा इन केंद्रों का सेल्फ हेल्प ग्रुप या इंडिविजुअल स्टार्टअप के समृद्धि इंक्यूबेशन सेंटर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। पिछले साल की तरह इस साल भी दिल्ली सरकार आगे भी महिलाओं को डीटीसी और क्लस्टर बसों में फ्री यात्रा टिकट उपलब्ध करवाएगी। सरकार द्वारा पिछले साल दिल्ली की महिलाओं को 19.2 करोड़ फ्री यात्रा टिकट दिए है और ये योजना आगे भी जारी रहेगी। वहीं, दिल्ली सरकार ने सभी डीटीसी और क्लस्टर बसों में सीसीटीवी कैमरा लगाने का काम लगभग पूरा कर दिया है। सरकार ने अपने सभी बसों में बस मार्शलों की तैनाती भी कर दी है। साथ ही दिल्ली सरकार ने अपने सभी पर्यटन स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने और अंधेरी जगहों को रौशन करने के लिए एलइडी लाइट लगाने का काम शुरू कर दिया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से मिली सौगात, अब जब चाहें जहां चाहें पढ़ पाएंगे छात्र

नई दिल्ली। कोविड-19 ने दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ाई का ढर्रा पूरी तरह बदल दिया है। शिक्षक विभिन्न सॉफ्टवेयर की मदद से ऑनलाइन कक्षाएं संचालित कर रहे हैं। छात्र स्मार्टफोन, टैब और लैपटॉप की मदद से कक्षाओं में शामिल भी हो रहे हैं। हालांकि, ऐसे भी छात्र हैं, जो तकनीकी दिक्कतों के चलते आनलाइन कक्षाओं से वंचित रह जा रहे हैं। डीयू ने इन छात्रों की सहूलियत के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। डीयू अब वीडियो पुस्तकालय तैयार करेगा।

इसमें सभी पाठ्यक्रमों के वीडियो सहेजकर रखे जाएंगे। डीन ऑफ कालेज डॉ. बलराम पाणि ने बताया कि इस तरह की पहल करने वाला डीयू संभवतः पहला विवि होगा। वह चाहते हैं कि छात्रों को पढ़ाई में किसी तरह की दिक्कत न हो। चूंकि स्मार्टफोन आजकल लगभग सभी छात्रों के पास होते हैं। ऐसे में अब छात्र की पढ़ाई सिर्फ क्लासरूम की मोहताज नहीं होगी। छात्र जब चाहेगा, पाठ्यक्रम संबंधी वीडियो देखकर पढ़ाई कर सकेगा। इस बाबत शिक्षकों के लिए दिशानिर्देश तैयार किए गए हैं। उनसे गुजारिश की गई है कि वे हिंदी और अंग्रेजी में वीडियो रिकॉर्ड करें। डीयू प्रशासन ने बताया कि वीडियो क्रमानुसार होगा। जिस तरह कक्षाओं में शिक्षक पाठ्यक्रम का प्रत्येक चैप्टर पढ़ाते हैं, उसी तरह वीडियो पाठ्यक्रम भी होगा। इसके लिए एक अलग वेबसाइट भी बनाई जाएगी, जहां पाठ्यक्रमों की सूची होगी। इस पर क्लिक करते ही पाठ्यक्रम संबंधी सभी वीडियो और उनका विवरण एक अलग पेज पर खुलेगा। छात्र जिस चैप्टर को चाहेगा देख सकेगा। डीयू की इस पहल का लाभ अन्य विवि के छात्रों को भी मिलेगा। डा. बलराम पाणि ने बताया कि वेबसाइट में लाग इन की सुविधा नहीं होगी। ऐसे में डीयू की इस वेबसाइट पर जाकर किसी भी विश्वविद्यालय के छात्र वीडियो देख सकेंगे। डीयू के पास स्टूडियो उपलब्ध है। पहले तो शिक्षकों को स्टूडियो में आकर वीडियो रिकार्ड करना होगा। इसके बाद जब वेबसाइट तैयार हो जाएगी तो स्टूडियो उपलब्धता की सूचना वहां अपडेट की जाएगी। शिक्षक गूगल डाक के जरिये स्टूडियो की अग्रिम बुकिंग कर सकेंगे। प्रतिदिन के हिसाब से स्टूडियो की बुकिंग व उपलब्धता का चार्ज वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाएगा। शिक्षक तय समय पर स्टूडियो पहुंचेगा एवं डीयू तकनीकी टीम की मदद से वीडियो रिकार्ड करेगा। तकनीकी टीम वीडियो एडिट भी करेगी।

एशिया की सबसे सुरक्षित जेल में कैदियों के पास कैसे पहुंच जाता है मोबाइल फोन, उठ रहे सवाल

नई दिल्ली। तीसरी आंख के कड़े पहरे व मेटल डिटेक्टर की कड़ी जांच के बावजूद दिल्ली के जेलों में वह सबकुछ पहुंच जाता है, जिसकी चाहत कैदियों को होती है। आलम यह है कि चारदीवारी के भीतर बदमाश साजिश रचते हैं और चारदीवारी के बाहर मौजूद उनके साथी उनके एक इशारे पर बड़ी से बड़ी वारदात को अंजाम दे देते हैं। बृहस्पतिवार को दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की टीम जब तिहाड़ जेल पहुंची तो जेल प्रशासन के लिए यह असहज करने वाली बात थी। यह कोई पहला मौका नहीं था, जब जेल परिसर में पुलिस या कोई अन्य सुरक्षा एजेंसी तहकीकात के लिए आई हो, लेकिन जेल में बंद कैदी से पूछताछ के लिए एजेंसियां या पुलिसकर्मी पहुंचे तो इससे जेल प्रशासन असहज नहीं होता, लेकिन यह पता चलने पर साजिश के तार तिहाड़ जेल से जुड़े हैं, जेल प्रशासन की किरकरी होने लगती है। चिंताजनक बात ये है कि इस सबके बावजूद तिहाड़ में लापरवाही का सिलसिला थमता दिखाई नहीं दे रहा है। वहीं, इस बाबत (संदीप गोयल, महानिदेशक जेल, दिल्ली) का कहना है कि जेल में मोबाइल का इस्तेमाल एक बड़ी समस्या है।

संपादकीय

आखिर कैसे कम होंगे अपराध

सन 1979-80 में भागलपुर का कुख्यात 'अंखफोड़वा कांड' हुआ था, जिसमें बिहार पुलिस ने एक दर्जन के करीब दुर्दांत अपराधियों की आंखें फोड़ दी थीं। उन दिनों एक न्यायिक टीम जब जांच के लिए वहां पहुंची, तो पुलिस के इस कृत्य के पक्ष में पूरा शहर बंद हो गया और हड़ताल पर जाने वालों में विश्वविद्यालय के अध्यापकों से लेकर रिक्शे वाले तक शरीक थे। लोगों का मानना था कि हत्या, अपहरण, डकैती, बलात्कार जैसे मामलों में शरीक ये अपराधी अब देश के कानूनों और उन्हें लागू करने वाले तंत्र की पहुंच से बहुत दूर निकल चुके हैं, उन्हें अदालतें सजा नहीं दे पा रही हैं, इसलिए पुलिस ने उनकी आंखें फोड़कर अच्छा ही किया है। किसी ने इस बहस में पड़ने की जरूरत नहीं महसूस की, इस न्यायिक असहायता के कारण क्या हो सकते हैं या फिर उनसे उबरने के लिए कुछ क्यों नहीं किया जाना चाहिए? दरअसल, एक समाज के तौर पर हम शॉर्टकट की संस्कृति में विश्वास करते हैं। 1860 के दशक में बने कानूनों में परिवर्तन कर उन्हें आज की परिस्थितियों के अनुरूप बनाने में बड़े झंझट हैं, सो कौन उनके चक्कर में पड़े, कहीं ज्यादा आसान है पुलिस को ही विवेचक, जज और जल्लाद, तीनों की भूमिकाएं सौंपकर निश्चिंत हो जाना कि अब समाज से अपराध खत्म हो जाएगा और जनता भय मुक्त होकर चैन की बंशी बजाएगी। फिर हिंसा के इस स्वरूप को हमारे समाज की स्वीकृति भी हासिल है। जिस तरह अंखफोड़वा कांड के बाद भागलपुर की जनता पुलिस के पक्ष में चार दशक पहले खड़ी हो गई थी, कुछ उसी तरह पिछले दिनों हैदराबाद में एक महिला डॉक्टर के बलात्कारी हत्यारों को जेल से निकालकर मार देने वाले पुलिसकर्मियों पर जनता ने फूल बरसाए थे। संभवतः यही कारण है कि आजादी के बाद किसी भी चुनाव में पुलिस सुधार कभी भी मुद्दा नहीं बना है। मुझे भागलपुर की याद इसलिए आई कि हाल में बिहार विधानसभा के कुछ सदस्यों ने सूबे में बेलगाम अपराध से निपटने के लिए एक मॉडल अपनाने की सलाह दी है। उनके अनुसार, यह उत्तर प्रदेश का मॉडल है, जिसमें गाड़ियां 'उलट' जाती हैं। अब यह बताने की जरूरत नहीं है कि उलटी गाड़ियों में सवार पुलिसकर्मियों का तो कुछ नहीं बिगड़ता, पर उनमें बैठा अपराधी परलोक सिधार जाता है। इसी तरह, पुलिस रिमांड में कुछ अपराधी किसी बरामदगी के लिए जाते हैं और एक जैसे मूर्खतापूर्ण तरीके से सभी किसी पुलिस अधिकारी से हथियार छीनने की कोशिश करते हुए मारे जाते हैं। इस मॉडल के पक्ष में किसी वाद-विवाद प्रतियोगिता में नहीं, बल्कि गंभीर विधायी बहसों और मीडिया पर दिए गए साक्षात्कारों में तर्क दिए गए। बिहार में नीतीश कुमार जब पहली बार मुख्यमंत्री बने, तब उनके सामने बिगड़ी कानून-व्यवस्था सबसे बड़ी चुनौती थी। उस समय शॉर्टकट अपनाने की जगह उन्होंने विधि सम्मत लंबा रास्ता अपनाया। पुलिस ने अपनी पैरवी दुरुस्त की, वर्षों से लंबित पड़े अनुसंधान खत्म किए गए, लंबे अरसे से जमानत पर छुट्टा घूम रहे अपराधी वापस जेल भेजे गए और इन सबका असर भी दिखा। शहाबुद्दीन जैसे दुर्दांत अपराधियों को सजा भी हो पाई, जो कुछ वर्ष पूर्व तक नामुमकिन लगती थी। अरसे बाद बिहार में सड़कें बनने लगीं, क्योंकि ठेकेदारों से रंगदारी वसूलने वाले भूमिगत हो गए थे। पटना की सड़कों पर रात में घूमना संभव हो सका। पर ऐसा क्या हुआ कि यह सब अस्थाई सिद्ध हुआ और फिर से विधायकों को एक बर्बर मॉडल अपनाने की अपील करनी पड़ रही है?

कारण तलाशना बहुत मुश्किल नहीं है। सुधार के लिए सरकार ने शुरुआती उत्साह तो दिखाया, लेकिन यह किसी दीर्घकालिक न्यायिक सुधार की योजना में तब्दील नहीं हो सका। अपने सीमित संसाधन वाली सरकार न तो विवेचकों की संख्या में पर्याप्त वृद्धि कर सकी, और न ही पुलिस को पेशेवर बनाने की कोई योजना परवान चढ़ी। न्यायिक अधिकारियों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी नहीं हुई, भ्रष्टाचार पूर्ववत ही है, इन सब पर तुर्रा यह कि प्रक्रिया के मकड़जाल में फंसकर किसी भी मुकदमे के का फैसला होने में अब भी सालों लग सकते हैं। ऐसे में, बहुत स्वाभाविक है, त्वरित परिणाम देने वाले, मगर पूरी तरह से असांविधानिक या गैर-कानूनी उपाय हमें आकर्षित करने लगते हैं। हम यह भूल जाते हैं कि निर्मम तरीकों से अपराधियों से निपटने वाली पुलिस नागरिकों की मित्र न होकर एक असभ्य और जन-विरोधी संस्था बनकर रह जाती है और फिर अपराध नियंत्रण एक हास्यास्पद दावा लगने लगता है। उत्तर प्रदेश में कुछ वर्षों पूर्व एक सरकार दावा करती थी कि वहां हर साल अपराधों का ग्राफ तेजी से गिर रहा है। उसके आंकड़ों के अनुसार, तो उसका कार्यकाल समाप्त होते-होते प्रदेश में अपराध शून्य हो चुका होता, पर ऐसा नहीं हुआ। जाहिर है, आंकड़ों की गिरावट थानों में मुकदमे दर्ज न करके ही हासिल की गई थी। आज भी जिस मॉडल को अपनाने की अपील की जा रही है, उसमें किस हद तक समाज में अपराध कम हुए हैं, यह जांचना खासा दिलचस्प होगा। हाथ-पैर तोड़कर या जान से मारकर अपराधियों पर अंकुश लगाने पर सफल न होने वाली पुलिस सबसे पहला काम मुकदमे दर्ज न करने का करती है। जो राजनेता उसे बर्बर बनने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, वे इस स्थिति को इसलिए भी सहन करते हैं कि अपराध को कम दिखाने का उनके पास इससे बेहतर कोई और उपाय है भी नहीं। इन सबके बीच मारी जाती है सामान्य जनता, जो एक संस्थान के रूप में असभ्य बना दी गई पुलिस की बेरुखी का शिकार होती रहती है। पुलिस को कानून-कायदे का सम्मान न करने वाली संस्था बनाने की पैरवी करने वाले राजनेताओं को समझना होगा कि अपराध का मुकाबला आसान रास्ते से नहीं किया जा सकता, किसी ऐसे मॉडल से तो कतई नहीं, जिसमें पुलिस खुद ही कानून तोड़ने लगे। यह भी समझना होगा कि समाज में अपराध पूरी तरह से खत्म तो कभी नही होंगे, लेकिन राज्य को उन्हें एक सहनीय सीमा तक रखने की कोशिश जरूर करनी चाहिए। इसके लिए हमें कानूनों और कायदों में ऐसे परिवर्तन करने होंगे, जो उन्हें समकालीन आवश्यकताओं के अनुकूल बना सकें। पुलिस को एक निष्ठुर संस्था बनाने की जगह कानून का सम्मान करने वाला प्रशिक्षित और पेशेवर बल बनाने की जरूरत है, जिसे नागरिक अपना मित्र समझें।

प्रवीण कुमार सिंह

कोरोना के बाद वैश्विक स्तर पर भारत की अहम भूमिका हुई तय, संकट काल में बढ़ा देश का कद

ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो से लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुखिया ट्रेडोस ग्रेब्रेयसस तक भारत के गुणगान में लगे हैं।सीमा पर भारत के लिए सिरदर्द बढ़ाने वाले चीन और पाकिस्तान जैसे देशों का भारत के प्रति रवैया कुछ नरम होने के पीछे इन पहलुओं को एक प्रमुख कारण माना जा रहा है। चीन को आशंका सता रही थी कि यदि उसने भारत के साथ तनातनी बढ़ाई तो दुनिया उसके पक्ष में लामबंद हो सकती है। इसी कारण पाकिस्तान भी संघर्ष विराम की पेशकश करता दिखा। भविष्य में भू-राजनीतिक, भू-आर्थिक और भू-सामरिक मोर्चों पर भारत का वर्चस्व बढ़ेगा। वैश्विक गवर्नेंस ढांचे में भी उसकी भूमिका बढ़ेगी। वास्तव में यह भारतीय विदेश नीति और वैश्विक ढांचे के लिए एक निर्णायक पड़ाव है।

कोरोना केवल एक महामारी नहीं, बल्कि समकालीन दौर को परिभाषित करने की एक महत्वपूर्ण विभाजक रेखा बन गई है। अब कोरोना पूर्व और कोरोना उपरांत जैसे मानक विमर्श के केंद्र बन रहे हैं। चूंकि कोरोना वायरस से उपजी बीमारी कोविड-19 से दुनिया का शायद ही कोई कोना बचा हो, ऐसे में वैश्विक ढांचे पर इसका प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। इस वैश्विक आपदा को आरंभ हुए एक साल से ज्यादा हो गया है और अभी उससे पूरी तरह निपटने में कई और साल लग सकते हैं। इस संक्रमण काल में दुनिया में व्यापक परिवर्तन होते दिख रहे हैं। इन परिवर्तनों की प्रकृति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि 'पोस्ट कोरोना वर्ल्ड' यानी कोरोना के उपरांत की दुनिया अब पहले जैसी नहीं रहेगी। इस वैश्विक महामारी के कारण वैश्विक ढांचे और परिदृश्य में परिवर्तन आसन्न है। कोविड-19 से पहले अंतरराष्ट्रीय फलक पर चीन के कद और वर्चस्व में निरंतर बढ़ोतरी हो रही थी। उसके बढ़ते हुए प्रभुत्व पर ट्रंप प्रशासन ने कुछ अंकुश लगाने के प्रयास भी किए, परंतु वे बहुत अधिक फलदायी सिद्ध नहीं हुए। चीन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और कानूनों को धता बताते हुए मनमानी में जुटा रहा। उसने कई छोटे-बड़े देशों को अपने प्रभाव में भी ले लिया था। इसी बीच दस्तक देने वाली कोरोना आपदा ने चीन के रंग में भंग डाल दिया। कोरोना वायरस का उद्गम देश होने और उसे लेकर समूचे विश्व को अंधकार में रखने के कारण चीन के खिलाफ एक खराब धारणा बनती गई। तिस पर चीन ने अपनी दबंगई से रही- सही शेष कसर भी पूरी कर दी। जब दुनिया उसकी देहरी से निकले वायरस से जान बचाने में जुटी थी तो चीन अपनी दादागीरी दिखाने में लगा था। उसने विश्व

स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएचओ पर ऐसी धौंस जमाई कि उससे कुपित होकर तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका का इस संस्था से नाता तोड़ना ही मुनासिब समझा।

चीन कोरोना संक्रमण की व्यापक जांच को लेकर आरंभ से ही कन्नी काटता रहा और जब उस पर इसके लिए दबाव पड़ा तो उसने इसकी मुखरता से मांग कर रहे ऑस्ट्रेलिया को घुड़की देने से भी परहेज नहीं किया। वह सेनकाकू द्वीप में जापान के धैर्य की परीक्षा लेता रहा। दक्षिण चीन सागर में भी वह पड़ोसियों को तंग करता रहा। यहां तक कि हिमालयी क्षेत्र में भी उसने दुस्साहस दिखाया। पूरी दुनिया जब एक अभूतपूर्व स्वास्थ्य संकट से जूझ रही थी, तब चीन के ऐसे आक्रामक रवैये ने उन आशंकाओं को ही सही साबित किया, जो उसके ताकतवर बनने को लेकर जताई जा रही थीं। चीन की बढ़ती ताकत को लेकर जो बहस कोरोना से पहले सैद्धांतिक तौर पर ही हुआ करती थी, वह कोरोना काल में साकार हो गई। कोरोना पूर्व काल में वैश्विक महाशक्ति बनने की आकांक्षा पाले चीन की हसरतों पर कोरोना काल में उसका गैरजिम्मेदाराना व्यवहार जरूर पानी फेरने का काम करेगा। दुनिया में चीन की व्यापक भूमिका का दावा कुछ संदिग्ध हो सकता है।

केवल चीन ही नहीं, वैश्विक संस्थाओं और विश्व के शक्तिशाली देशों की नियति भी कोरोना के बाद वाले दौर में बदलने वाली है। कोरोना संकट ने कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भी कलई खोलकर रख दी। इनमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद यानी यूएनएससी का नाम सबसे ऊपर आएगा। पूरी दुनिया में कोहराम मचा देने वाली इस आपदा के खिलाफ यह संस्था एक प्रस्ताव तक पारित नहीं कर सकी। डब्ल्यूएचओ तो इस दौरान दिशाहीन सा रहा। अन्य वैश्विक संस्थाएं भी अपना अर्थ खोती दिखीं। कोरोना के बाद वाली दुनिया में इन संस्थाओं को अपना रवैया बदलना पड़ेगा, अन्यथा वे और अप्रासंगिक होती जाएंगी। इसे ही ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के अपने संबोधन में इन संस्थाओं में सुधार के लिए जोरदार पैरवी की थी। उनकी दलीलों को कई वैश्विक नेताओं का समर्थन मिला।

इसमें कोई संदेह नहीं कि कोरोना संकट काल में भारत अपनी एक अलग छाप छोड़ने में सफल रहा। बड़ी आबादी वाला देश होने के बावजूद भारत ने बेहतर कोविड प्रबंधन के रूप में एक मिसाल कायम की। हालांकि आर्थिक मोर्चे पर इस प्रबंधन की कुछ तात्कालिक कीमत चुकानी पड़ी, लेकिन अब उसमें तेजी से सुधार हो रहा है। भारत न केवल एक बड़ी हद तक खुद सुरक्षित रहा, बल्कि उसने पड़ोसियों का ध्यान रखने के लिए पार्श्व में पड़े दक्षेस जैसे संगठन को पुनः सक्रिय करने का प्रयास किया।

कोरोना संकट की शुरुआत से पहले मास्क, पीपीई किट और अन्य वस्तुओं के उत्पादन एवं उपलब्धता में भारत की स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी, लेकिन इसी संकट के दौरान भारत ने इन वस्तुओं के उत्पादन में महारत हासिल कर दुनिया को अपनी क्षमताओं से अवगत कराया। इस वैश्विक संकट के दौरान भारत स्वास्थ्य संबंधी उत्पादों के अग्रणी आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरा। आज पूरी दुनिया में भारत की वैक्सीन कूटनीति की धूम मची हुई है, जबकि चीन के ऐसे ही प्रयास सिरे नहीं चढ़ पा रहे हैं। अफ्रीका के गुमनाम देशों से लेकर कैरेबियाई देश सेंट लूसिया तक भारत की वैक्सीन पहुंच रही है। टीके की आपूर्ति में पड़ोसी देशों का प्राथमिकता के आधार पर ध्यान रखा गया है।

कोरोना संकट काल में वैश्विक परिदृश्य पर भारत के ऐसे उभार का श्रेय निःसंदेह देश के राजनीतिक नेतृत्व को जाता है। उसने दर्शाया कि भारत के पास भले ही संसाधनों की कमी हो, लेकिन इच्छाशक्ति की नहीं। भारत के इन्हीं समन्वित प्रयासों का ही परिणाम है कि दुनिया भर में उसके प्रति सम्मान बढ़ा है। ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो से लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुखिया ट्रेडोस ग्रेब्रेयसस तक भारत के गुणगान में लगे हैं।सीमा पर भारत के लिए सिरदर्द बढ़ाने वाले चीन और पाकिस्तान जैसे देशों का भारत के प्रति रवैया कुछ नरम होने के पीछे इन पहलुओं को एक प्रमुख कारण माना जा रहा है। चीन को आशंका सता रही थी कि यदि उसने भारत के साथ तनातनी बढ़ाई तो दुनिया उसके पक्ष में लामबंद हो सकती है। इसी कारण पाकिस्तान भी संघर्ष विराम की पेशकश करता दिखा। भविष्य में भू-राजनीतिक, भू-आर्थिक और भू-सामरिक मोर्चों पर भारत का वर्चस्व बढ़ेगा। वैश्विक गवर्नेंस ढांचे में भी उसकी भूमिका बढ़ेगी। वास्तव में यह भारतीय विदेश नीति और वैश्विक ढांचे के लिए एक निर्णायक पड़ाव है। भारतीय नेतृत्व को इस स्थिति का पूरा लाभ उठाना चाहिए।

राहुल गांधी कांग्रेस की ऐसी रात हैं, जिसकी सुबह होने की उम्मीद नहीं नजर आती

साधो घर में झगड़ा भारी! कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई अब सड़क पर आ गई है। कांग्रेस के 23 नेताओं का समूह भले ही इन्कार कर रहा हो, लेकिन उनके निशाने पर नेहरू-गांधी परिवार है। गांधी परिवार में भी इनका असली निशाना राहुल गांधी हैं। राहुल का कवच बनकर खड़ीं सोनिया गांधी भी उनके निशाने की जद में आती जा रही हैं। ये पुराने चावल हैं इसलिए जानते हैं कि निजी हमला उलटा पड़ सकता है। इसलिए पहले संगठन की बात उठाई और अब नीतियों का मुद्दा उठा रहे हैं। इन नेताओं के पास खोने के लिए ज्यादा कुछ है नहीं और यही इनकी ताकत है। ये नेता तमाम ऐसी बातें बोल रहे हैं जो सोनिया को नागवार गुजरें और राहुल की नाकामियों को उजागर करें। संगठन का मुद्दा था तो पहले उन्हें डराने और फिर मनाने की कोशिश हुई, लेकिन इसके पीछे इरादा केवल मुद्दे को टालना था। कुछ करने का इरादा न पहले था और न अब दिख रहा है। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता आनंद शर्मा ने बंगाल में फुरफुरा शरीफ के मौलवी अब्बास सिद्दीकी की पार्टी इंडियन सेक्युलर फ्रंट से कांग्रेस के समझौते पर सवाल उठाया। उन्होंने प्रदेश प्रभारी और लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी पर निशाना साधते हुए कहा, कांग्रेस अपने बुनियादी सिद्धांतों से कैसे समझौता कर सकती है? सिद्दीकी जैसे लोगों से गठबंधन करके पार्टी सांप्रदायिक शक्तियों से कैसे लड़ेगी? अधीर रंजन ने जवाब दिया कि वह जो कुछ कर रहे हैं, हाईकमान के आदेश पर ही कर रहे हैं। बंगाल में कांग्रेस एक ऐसे नेता से गठबंधन कर रही है जो धार्मिक भावनाएं भड़काने के लिए जाना जाता है। कोरोना के दौरान सिद्दीकी ने दुआ मांगी थी कि दस से पचास करोड़ भारतीय मर जाएं। ऐसे लोगों से समझौता करके पार्टी संदेश क्या देना चाहती है? असम में तरुण गोगोई ने बदरुद्दीन अजमल की पार्टी से कभी समझौता नहीं किया और 15 साल राज किया। पांच साल विपक्ष में रहते ही कांग्रेस का धैर्य टूट गया और इस चुनाव में उनसे समझौता कर लिया।

सांप्रदायिक लोगों और संगठनों को साथ लेकर सांप्रदायिकता से लड़ने का पाखंड तो कांग्रेस ही कर सकती है। जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, वहां मुस्लिम वोट अहम हैं। इसलिए जनेऊधारी शिवभक्त किसी शिव मंदिर जाते हुए नहीं दिखे। हालांकि तमिलनाडु और केरल में तमाम बड़े शिव मंदिर हैं। यह ओढ़ी हुई धार्मिकता और छद्म पंथनिरपेक्षता के फरेब में अब मतदाता नहीं फंसता। सच्चाई यह है कि सोनिया की कांग्रेस नेहरूवादी पंथनिरपेक्षता को दफन कर चुकी है। असंतुष्टों के हमलों पर परिवार के लोग अभी चुप हैं। उनकी यह चुप्पी असंतुष्ट नेताओं का हौसला बढ़ा रही है। उनकी कोशिश है कि यह चुप्पी टूटे और लड़ाई खुले में आए। सोनिया गांधी को पता है कि लड़ाई खुले में आई तो उनके लिए राहुल गांधी को बचाना बहुत कठिन होगा। दरअसल यह लड़ाई अब पार्टी बचाने और राहुल गांधी का राजनीतिक करियर बचाने की हो गई है।

प्रत्येक चुनावी हार सोनिया की मुश्किल बढ़ा रही है। गुजरात में पंचायत और स्थानीय निकाय चुनाव में कांग्रेस का लगभग सफाया हो गया। चुनाव में हार-जीत तो होती रहती है, लेकिन गुजरात का नतीजा नया संदेश दे रहा है। अभी तक कांग्रेस का इस तरह से सफाया उन राज्यों में हो रहा था जहां मजबूत क्षेत्रीय दल हैं। गुजरात में कोई तीसरी पार्टी है नहीं और भाजपा 26 साल से सत्ता में है। राज्य में नरेंद्र मोदी जैसा कद्दावर नेता भी नहीं है। क्या पहले ऐसा कभी हुआ कि कांग्रेस कोई चुनाव हारी हो और नतीजे आने के कुछ ही घंटों में उसके नेताओं ने इस्तीफा दे दिया हो और वह मंजूर भी हो गया हो? गुजरात में ऐसा ही हुआ। इससे पहले कि राहुल गांधी से सवाल पूछा जाए, जवाबदेही तय हो गई और सजा भी दे दी गई।

इतिहास गवाह है पुत्र मोह ने बड़ी-बड़ी तबाहियां की हैं। सत्ता और पुत्र (संजय गांधी) मोह में इंदिरा गांधी ने देश में इमरजेंसी लगाई। सोनिया के पास ऐसा कोई विकल्प नहीं है। राजनीतिक पूंजी उनके पास बची नहीं है। कांग्रेस के लोग समझ गए हैं कि अब वह चुनाव नहीं जिता सकतीं। इसीलिए जो लोग उनके सामने नजर नहीं उठाते थे, वे अब परोक्ष रूप से ही सही, चुनौती दे रहे हैं। सोनिया के पास अब केवल परिवार की प्रतिष्ठा की पूंजी बची है, जिसका बड़ी तेजी से क्षरण हो रहा है। राहुल गांधी इस खाते से डेबिट ही डेबिट कर रहे हैं। 16-17 साल में वे इस खाते में कुछ क्रेडिट नहीं कर पाए हैं।

राहुल कांग्रेस की ऐसी रात हैं, जिसकी सुबह होने की उम्मीद नहीं लगती। कम से कम कांग्रेस के असंतुष्ट नेताओं को तो ऐसा ही लग रहा है। असंतुष्ट नेता इस नतीजे पर भी पहुंच चुके हैं कि राहुल के रहते कांग्रेस में कोई सूरज उग नहीं पाएगा। जो लोग प्रियंका गांधी से बड़ी उम्मीद लगाए थे, वे और ज्यादा निराश हैं। प्रियंका का सूरज तो उगने से पहले ही डूब गया। उन्हें जमीनी वास्तविकता का कोई इल्म ही नहीं है। वे आज भी सपनों की दुनिया से बाहर नहीं निकल पाई हैं। परिवार का हकदारी (एनटाइटलमेंट) वाला बुखार उतर ही नहीं रहा। भाई-बहन किसी गरीब से मिल लें, गाड़ी का शीशा साफ करने जैसा कोई छोटा काम कर दें तो उनके समर्थक उसे महान उपलब्धि मानकर उसका ढिंढोरा पीटते हैं। भाई-बहन की एक और बड़ी समस्या है। वे निंदा रस को वीर रस समझते हैं। मशहूर व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई ने लिखा है, निंदा कुछ लोगों की पूंजी होती है। बड़ा लंबा-चौड़ा व्यापार फैलाते हैं वे इस पूंजी से। कई लोगों की प्रतिष्ठा ही दूसरे लोगों की कलंक-कथाओं पर आधारित होती है।

फीकी पड़ती रॉयल चमक

प्रिंस हैरी और डचेस ऑफ ससेक्स मेगन मर्केल के अमेरिकी टॉक शो होस्ट ओपरा विनफ्रे को दिए इंटरव्यू ने जो धमाका किया, उसकी गूंज ब्रिटेन के शाही परिवार में ही नहीं, वहां के राजनीतिक और बौद्धिक हलकों में भी लंबे समय तक सुनाई देती रहेगी। ब्रिटिश राज परिवार के ये दोनों सदस्य शाही परिवार से जुड़े तमाम विशेषाधिकार छोड़कर अमेरिका में सामान्य जीवन बिता रहे हैं। 2018 में दोनों की शादी हुई और 2019 में उनके बेटे आर्ची का जन्म हुआ। उसके कुछ समय बाद ही दोनों ने राजपरिवार छोड़ने का फैसला किया। इंटरव्यू में स्वाभाविक रूप से इस फैसले की वजहों पर चर्चा हुई और दोनों ने जो खुलासे किए वे चौंकाने वाले भले न हों, पर एक आधुनिक लोकतांत्रिक देश के शिखर पर विराजमान परिवार की साख में बट्टा लगाने वाले जरूर हैं।

चौंकाने वाले ये इसलिए नहीं हैं कि ब्रिटिश राज परिवार के बारे में इस तरह की बातें पहली बार नहीं सुनने में आई हैं। इससे पहले प्रिंस हैरी की मां लेडी डायना भी 1997 में दुखद परिस्थितियों में सड़क हादसे का शिकार होने से पहले दुनिया को बता चुकी थीं कि ब्रिटिश राज परिवार की बहू बनने के बाद उन्हें किन अमानवीय स्थितियों में रहना पड़ा और कैसी भीषण मानसिक यातनाओं से गुजरना पड़ा था।

ताजा इंटरव्यू में प्रिंस हैरी और मेगन के इन खुलासों ने साफ किया कि करीब चार दशक गुजरने और एक समूची पीढ़ी के बदल जाने के बावजूद राज परिवार के अंदर के माहौल में कोई खास सकारात्मक बदलाव नहीं आया। बल्कि, खानदान और परिवार की श्रेष्ठता से जुड़े सामंती मूल्यों में नस्लवादी भेदभाव की एक और कालिमा जुड़ गई।

लेडी डायना को जहां अकेलेपन और उपेक्षा का सामना करना पड़ा, वहीं मेगन को बेटे आर्ची के रंग को लेकर प्रतिकूल टिप्पणियां तक सुननी पड़ीं। यह बात सचमुच हैरान करने वाली है कि जिन बुराइयों को मिटाने को दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में लोगों ने लंबी लड़ाइयां लड़ीं, तरह-तरह की कुर्बानियां दीं और जिनके बचे-खुचे निशान मिटाने को आज भी ब्लैक लाइव्स मैटर जैसे आंदोलन होते हैं, वे बुराइयां एक लोकतांत्रिक देश में राज परिवार के विशेषाधिकारों से संरक्षण पाती रहें। राजशाही के प्रतीक को अपनी अनमोल परंपरा का हिस्सा मान शिरोधार्य किए रहा जाए या नहीं, यह लंबी और व्यापक बहस का सवाल है।

ऐसे किसी एक या दो-चार खुलासों से इसका निपटारा नहीं होना, लेकिन बकिंघम पैलेस के अंदर का माहौल कैसा रहे और उसे किस तरह के मूल्यों के लिए जाना जाए, यह न केवल हर ब्रिटेनवासी की बल्कि उन सबकी चिंता होनी चाहिए जो राजशाही के प्रतीकों की चमक में आज भी किसी न किसी रूप में बीते दौर का गौरव देखते और महसूस करते हैं।

एक देश-एक चुनाव की है आवश्यकता, अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा बोझ हैं ये बार-बार होने वाले चुनाव

देश में ई-वोटिंग की दिशा में भी पहल की जा सकती है। इससे चुनावों में लगने वाली अवधि कम होगी और आचार संहिता का भी समय कम हो जाएगा। देशहित में एक देश एक चुनाव के लिए एक कमेटी का गठन होना चाहिए एवं लोगों की राय एवं सुझाव के लिए बड़ी बहस का आयोजन किया जाए, जिससे भारतीय राज्यों की भौगोलिक, सांस्कृतिक और भाषाई बहुलताओं में एक संतुलन स्थापित किया जा सके। देश में प्रतिवर्ष चलने वाली चुनाव की प्रक्रिया के चक्रव्यूह से निकलने के लिए व्यापक चुनाव सुधारों के साथ एक देश एक चुनाव के लिए आम सहमति आज की पहली आवश्यकता है।

देश के पांच राज्यों पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों की घोषणा ने एक बार फिर से इस बात पर सोचने के लिए विवश कर दिया है कि क्या हम एक देश एक चुनाव की राह पर नहीं चल सकते? आठ चरणों में होने वाले इन चुनावों की प्रक्रिया में 62 दिन का लंबा समय लगेगा। उल्लेखनीय है कि 2020 के प्रारंभ में दिल्ली एवं अक्टूबर-नवंबर में बिहार में चुनाव हो चुके हैं। आगामी वर्ष फरवरी-मार्च में गोवा, मणिपुर, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश एवं पंजाब तथा अक्टूबर में हिमाचल प्रदेश एवं दिसंबर में गुजरात के चुनाव प्रस्तावित हैं।

नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार पिछले तीस वर्षों में प्रत्येक वर्ष में किसी न किसी राज्य में चुनाव होता रहा है। इसके साथ ही प्रत्येक राज्य में नगर निकाय एवं पंचायतों के भी चुनाव होते रहते हैं। इसके चलते देश में रह-रहकर चुनाव आचार संहिता के लागू होने की नौबत आती है। इसके कारण न केवल प्रशासनिक एवं नीतिगत फैसले प्रभावित होते हैं, बल्कि देश की ऊर्जा एवं अन्य संसाधनों का अनुपयुक्त प्रयोग भी होता है।

अच्छा हो कि यह समझा जाए कि बार-बार होने वाले चुनाव तमाम समस्याओं के जनक एवं अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा बोझ हैं। नीति आयोग ने यह सुझाव दिया था कि कुछ राज्यों की विधानसभाओं के कार्यकाल में विस्तार एवं कुछ राज्यों की विधानसभाओं के कार्यकाल में कटौती करके एक देश एक चुनाव की तरफ बढ़ने की पहल की जा सकती है। इससे न सिर्फ चुनावी खर्च

पर लगाम लगेगी, बल्कि सार्वजनिक धन की भी बचत होगी। प्रशासनिक मशीनरी पर भार कम होने से वह नीतियों के क्रियान्वयन के लिए ज्यादा समय दे सकेगी। केंद्र सरकार का भी ध्यान नीतिगत फैसले लेने और उनके क्रियान्वयन पर अधिक रहेगा। चुनावों की अवधि को घटाने से कार्यदिवसों की बचत होगी। काले धन पर रोक लगेगी तथा राजनीति में बढ़ते अपराधीकरण और भ्रष्टाचार में कमी आएगी। इससे जातीय और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण पर भी अंकुश लगेगा। जब चुनाव आयोग यह कह चुका है कि हम लोकसभा एवं विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने में सक्षम हैं तो फिर इस दिशा में गंभीर प्रयास क्यों नहीं किए जा रहे हैं?

इसमें दोराय नहीं कि एक देश एक चुनाव होने से चुनावों पर होने वाले व्यय में भी कमी आएगी। 1952 के चुनाव में 10.45 करोड़ रुपये का व्यय हुआ था, जो 2014 में बढ़कर 30,000 करोड़ रुपये हो गया। वहीं 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में करीब 10 हजार करोड़ रुपये ही व्यय हुए, जबकि भारत की अर्थव्यवस्था की तुलना में अमेरिका की अर्थव्यवस्था कई गुना बड़ी है।

सेंटर ऑफ मीडिया स्टडीज के एक अनुमान के अनुसार 17वीं लोकसभा के चुनाव पर 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक व्यय हुआ। चुनावों में होने वाले व्यय की प्रवृत्तियां बताती हैं कि प्रत्येक पांच वर्ष में यह व्यय दोगुना हो जाता है। 2015 में बिहार चुनाव पर लगभग 300 करोड़ रुपये व्यय हुए थे, जो 2020 के चुनाव में बढ़कर 625 करोड़ रुपये हो गए। 2016 में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल एवं पुडुचेरी के चुनावों पर कुल 573 करोड़ रुपये व्यय किए गए थे।

एक अनुमान के अनुसार चुनाव आयोग प्रति वर्ष होने वाले चुनावों पर लगभग 1000 करोड़ रुपये व्यय करता है। उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनावों में उम्मीदवारों के लिए अधिकतम व्यय सीमा 28 लाख रुपये और लोकसभा में व्यय सीमा बड़े राज्यों के लिए 70 लाख रुपये और छोटे राज्यों के लिए 54 लाख रुपये है। देश में कुल 4121 विधायक एवं 543 सांसद प्रत्यक्ष रूप से चुने जाते हैं। ऐसे में इनके चुनाव पर होने वाले व्यय का अनुमान आसानी से लगाया जा सकता है। चुनावी व्यय को कम करने के लिए पार्टी के व्यय की सीमा भी निर्धारित होनी चाहिए। जब भारत में 30 करोड़ से अधिक लोग गरीब हों, समाज में असमानताएं व्याप्त हों, बेरोजगारी बढ़ रही हो तो क्या हमें इस व्यय पर अंकुश लगाने की दिशा में नहीं सोचना चाहिए?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अनेक मंचों से एक देश एक चुनाव की बात कह चुके हैं। नीति आयोग, विधि आयोग एवं अन्य समीक्षा समितियों ने भी लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने की पहल का समर्थन किया है। देखा जाए तो यह विचार भारत के लिए कोई नया भी नहीं है। वर्ष 1952 से लेकर 1967 तक होने वाले चार लगातार चुनाव इसी विचारधारा पर आधारित थे। 1968-69 में कई राज्यों की विधानसभाएं अलग-अलग कारणों से निश्चित समय सीमा से पहले ही भंग होने के कारण एवं 1971 में लोकसभा के चुनाव तय समय से पूर्व होने से राज्यों एवं केंद्र के एक साथ होने वाले चुनावों की कदमता बिगड़ गई। जब पहले ऐसा हो सकता था तो अब क्यों नहीं हो सकता?

आज इस क्रम को पुनः बहाल करने की दरकार है। यदि लोकसभा या विधानसभा के चुनावों में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता अथवा वह अपना बहुमत खो देती है तो दोबारा चुनाव न हों, इसके लिए सभी पींटियों की ओर से उनके निर्वाचित सदस्यों की संख्या के आधार पर एक सर्वदलीय सरकार के गठन पर विचार किया जा सकता है। देश में ई-वोटिंग की दिशा में भी पहल की जा सकती है। इससे चुनावों में लगने वाली अवधि कम होगी और आचार संहिता का भी समय कम हो जाएगा।

देशहित में एक देश एक चुनाव के लिए एक कमेटी का गठन होना चाहिए एवं लोगों की राय एवं सुझाव के लिए बड़ी बहस का आयोजन किया जाए, जिससे भारतीय राज्यों की भौगोलिक, सांस्कृतिक और भाषाई बहुलताओं में एक संतुलन स्थापित किया जा सके। देश में प्रतिवर्ष चलने वाली चुनाव की प्रक्रिया के चक्रव्यूह से निकलने के लिए व्यापक चुनाव सुधारों के साथ एक देश एक चुनाव के लिए आम सहमति आज की पहली आवश्यकता है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

मंदसौरः स्कूल में लगी गांधीजी की प्रतिमा तोड़ी, लोगों में आक्रोश

मंदसौर। शासकीय हाई स्कूल गुर्जरबर्डिया में बुधवार देर रात कुछ असामाजिक तत्वों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया। सुबह जब ग्रामीणों को पता चला, तो पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर अफजलपुर भारी बल में मौके पर पहुंचा। अफजलपुर पुलिस का कहना है कि मामले में केस दर्ज किया गया है। बदमाशों कि तलाश जारी है। गांव के वेदप्रकाश शर्मा का कहना है कि चुनाव नजदीक है। हालांकि कांग्रेसियों का कहना है कि अगर पुलिस ने बदमाशों को जल्द नहीं पकड़ा, तो आंदोलन किया जाएगा। वहीं, शासकीय हाई स्कूल प्रिंसिपल गंगाधर पंवार का कहना है कि स्कूल ग्राउंड के दोनों गेट पर ताले लगे थे। पुलिस को जानकारी दे दी है।

इंदौरः मुंबई के लिए उड़ा विमान खराबी के बाद वापस उतरा

इंदौर। इंदौर से मुंबई जा रही इंडिगो की उड़ान को तकनीकी खराबी के कारण वापस इंदौर विमानतल पर उतारना पड़ा। तकनीकी खराबी सुधारने के बाद लगभग तीन घंटे बाद वापस यह विमान मुंबई रवाना हो पाया। मिली जानकारी के अनुसार ये घटना गुरुवार सुबह हुई। इंडिगो की आइजीओ169 विमान सुबह 7 बजे इंदौर से मुंबई के लिए रवाना होता है। गुरुवार सुबह यह विमान 7.6 मिनट पर इंदौर से रवाना हुआ। विमान कुछ दूर जाने के बाद पायलेट ने सूचना दी कि विमान में कुछ तकनीकी खराबी आ गई है। आगे की यात्रा करना संभव नहीं है, इसलिए विमान को वापस इंदौर विमानतल पर उतरवाना पड़ा। अनुमति मिलने के बाद 7.49 पर विमान ने वापस लैंड कर लिया। विमान में 66 यात्री सवार थे। टेक्निकल टीम ने विमान में सुधार किया जिसके बाद 10.23 पर विमान मुंबई के लिए रवाना हुआ।

खरगोनः क्राइम सीरियल की तर्ज पर की थी महिला बैंक अधिकारी की हत्या

खरगोन। जिले की बड़वाह थाना पुलिस ने इंदौर के एक बैंक में कार्यरत महिला अधिकारी की हत्या के आरोप में गुरुवार को एक दंपति को गिरफ्तार कर लिया। बड़वाह के नगर निरीक्षक संजय द्विवेदी ने बताया कि इंदौर के एक निजी बैंक में सहायक बैंक प्रबंधक के रूप में कार्यरत 32 वर्षीय रानी गढ़वाल की हत्या और साक्ष्य छिपाने के आरोप में बड़वाह के एकलव्य मालवीय और उसकी पत्नी पिंकी को गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। श्री द्विवेदी ने बताया कि एकलव्य और रानी पूर्व से परिचित हैं और 5 मार्च को एकलव्य रानी के इंदौर स्थित घर भी गया था और उसने बताया था कि उसकी गर्भवती पत्नी अपने मेडिकल चेकअप के लिए खंडवा गई हुई है। एक बार फोन उठाए जाने पर उसे किसी महिला की आवाज आने पर शंका हो गई और वह नियत समय के पूर्व ही खंडवा से बड़वाह स्थित अपने घर लौट आई। वहां रानी को देख दोनों में जमकर विवाद हुआ। दोनों में हाथापाई होने के दौरान बाहर गया एकलव्य ने गर्भवती पत्नी को रानी से बचाने का प्रयास किया, लेकिन असफल रहा। इसी बीच उसने रानी के दुपट्टे से ही गला घोट कर उसकी हत्या कर दी। रानी की लाश ठिकाने लगाने के लिए उन्होंने क्राइम पेट्रोल सीरियल में प्रदर्शित युक्ति का सहारा लिया।

भोपालः बीटेक के छात्र ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल। पटेल नगर में रहने वाले बीटेक के छात्र ने पिता की बीमारी से डिप्रेशन में आकर मंगलवार की रात रूम में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। बुधवार की दोपहर तक बॉडी फांसी के फंदे पर लटकी रही। परिजनों ने विदिशा से भोपाल आने के बाद बॉडी को फंदे से उतारा और पुलिस को सूचना दी। पिपलानी थाने के एसआई नरेंद्र बेलवंशी के अनुसार सौरभ सिंह लोधी पिता जयसिंह लोधी (22) मूलतः चिरोली गांव सांची जिला विदिशा का निवासी था। यहां पटेल नगर में किराए का कमरा लेकर रहता था और ओरियंटल कॉलेज से बीटेक की पढ़ाई कर रहा था। परिवार में उसके माता पिता के अलावा एक छोटा भाई तथा एक बहन है। पिता खेती किसानी करते हैं, इन दिनों पिता कैंसर की बीमारी से ग्रस्त हैं। उनकी भोपाल के एक सरकारी अस्पताल में कीमो थैरेपी चल रही है। पिता के उपचार को लेकर सौरभ चिंतित रहता था। वह प्रायवेट अस्पताल में पिता का उपचार कराना चाहता था, जबकि परिजन सरकारी में ही उपचार जारी रखना चाहते थे। पिता के बेहतर इलाज के लिए लड़का तनाव में रहता था।

ग्वालियरः पति ने मंदिर जाने से रोका तो पत्नी ने केरोसिन डालकर लगा ली आग

ग्वालियर। महाशिवरात्रि पर सुबह मंदिर जा रही महिला का पति से झगड़ा हो गया। झगड़े से नाराज पत्नी ने खुद पर केरोसिन डालकर आग लगा ली। महाराजपुरा थाना क्षेत्र के सूरो बेहटा निवासी गोपाल सिंह कुशवाह का विवाद गुरुवार की सुबह पत्नी आरती से हो गया। जिस समय विवाद हुआ आरती शिव मंदिर जा रही थी। उसे मंदिर जाने से रोकने पर झगड़ा होने के बाद वह गुस्से में किचन में गई और केरोसिन की कट्टी अपने ऊपर उड़ेलकर आग लगा ली। जब उसका शरीर आग में जलने लगा तो वह चीखते हुए बाहर की तरफ भागी। उसकी चीख सुनकर पति व अन्य परिजन वहां पहुंचे और किसी तरह आग को बुझाया। डायल-100 से उसे उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां पर महिला की हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उसे बर्न यूनिट के आईसीयू में भर्ती कर लिया है। फिलहाल झगड़ा किस बात पर हुआ यह पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मामला जांच में लेकर पड़ताल शुरू कर दी है।

ग्वालियरः गोडसे यात्रा को प्रशासन ने नहीं दी अनुमति, कार्यकर्ताओं में आक्रोश

ग्वालियर। हिंदू महासभा की गोडसे यात्रा को लेकर तकरार बढ़ती जा रही है। जिला प्रशासन ने गुरुवार को लॉ एंड ऑर्डर का हवाला देते अनुमति देने से इनकार कर दिया है। अनुमति नहीं मिलने से हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं में काफी आक्रोश है। गोडसे यात्रा को लेकर शुक्रवार 12 मार्च को एक बैठक बुलाई गई है। हिंदू महासभा के एक मात्र पार्षद व गोडसे भक्त बाबूलाल चौरसिया के कांग्रेस में शामिल होने के बाद खड़ा हुआ विवाद थमते नजर नहीं आ रहा है। 14 मार्च को यह गोडसे यात्रा ग्वालियर से शुरू होकर दिल्ली तक निकाली जानी है। हिंदू महासभा को 17 राज्यों से इस यात्रा को लेकर समर्थन भी मिल चुका है। गोडसे यात्रा निकालने के लिए हिंदू महासभा के प्रदेश सचिव विनोद जोशी ने करीब 6 दिन पहले जिला प्रशासन से यात्रा निकालने की अनुमति मांगी थी। अनुमति के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था, लेकिन गुरुवार को प्रशासन ने इसके जवाब में कहा है कि गोडसे यात्रा से माहौल बिगड़ सकता है। यात्रा से लॉ एंड ऑर्डर बिगड़ने की स्थिति बन सकती है।

प्रयागराज में महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर भक्त एक शिव बारात में भाग लेते हुए ।

नीतीश व कुशवाहा की मुलाकात में आरएलएसपी के जेडीयू के विलय पर अंतिम फैसला, 14 को होगी घोषणा

पटना । राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के जनता दल यूनाइटेड में विलय की कवायद और तेज हो गई है। जेडीयू के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद वशिष्ठ नारायण सिंह से उपेंद्र कुशवाहा की न सिर्फ निरंतर मुलाकात हो रही है, बल्कि इस मुलाकात के बहाने कुशवाहा अपनी कुछ शर्तें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तक पहुंचा रहे हैं। वैसे नीतीश कुमार से भी उपेंद्र कुशवाहा संपर्क में हैं और उनकी शर्तें मान ली हैं। उपेंद्र कुशवाहा व नीतीश कुमार की मुलाकात आज भी हो रही है, जिसमें आरएलएसपी के जेडीयू में विलय पर अंतिम फैसला हो जाएगा।

उपेंद्र कुशवाहा की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात

आरएलएसपी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि आज उपेंद्र कुशवाहा की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात का कार्यक्रम संभावित है। इस मुलाकात के बहाने आरएलएसपी के जेडीयू में विलय की घोषणा पर अंतिम फैसला हो जाएगा। इसके पहले विलय को लेकर नीतीश कुमार के साथ उपेंद्र कुशवाहा की पांच राउंड बातचीत हो चुकी है। इसमें वशिष्ठ नारायण सिंह मुख्य सूत्रधार की भूमिका निभा रहे हैं।

14 मार्च को आरएलएसपी की हाई लेवल बैठक में होगी घोषणा

आगे 14 मार्च को उपेंद्र कुशवाहा ने आरएलएसपी राष्ट्रीय कार्यकारिणी, प्रदेश कार्यकारिणी और सभी जिलाध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक बुलायी है। बताया जा रहा है कि इसमें सर्वसम्मति से पार्टी के जेडीयू में विलय की घोषणा का ऐलान किया जा सकता है। पिछले दिनों उपेंद्र कुशवाहा ने स्वीकार किया था कि उनका जेडीयू से रिश्ता काफी पुराना है और जहां तक बात नीतीश कुमार की है तो वे दोनों अलग कब थे कि साथ होने की बात हो रही है? वहीं वशिष्ठ नारायण सिंह ने कहा था कि उपेंद्र कुशवाहा हमारे पुराने साथी रहे हैं, हमारे साथ बहुत जल्द आ जाएंगे।

सीएम योगी आदित्यनाथ बोले- हम अपनी जिम्मेदारी पूरी करें, भारत होगा सबसे शक्तिशाली देश

लखनऊ । देश की आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के विख्यात शहीद स्थल काकोरी में अमृत महोत्सव का शुभारंभ किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद के साबरमती आश्रम में अमृत महोत्सव के साथ ही दांडी मार्च की 75वीं वर्षगांठ के समारोह की शुरुआत की। इसके बाद देश भर में सभी प्रमुख शहीद स्मारकों पर कार्यक्रम का आगाज हो गया।

काकोरी के शहीद स्मारक पर अमृत महोत्सव कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ कैबिनेट मंत्री ब्रजेश पाठक, डॉ. महेंद्र सिंह तथा आशुतोष टंडन भी थे। मुख्यमंत्री ने काकोरी में शहीदों को नमन किया। काकोरी शहीद स्मारक में अमृत महोत्सव में सीएम योगी आदित्यनाथ ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शहीदों को नमन करने के साथ देश की आजादी में उनके बेहद अहम योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी वर्चुअल माध्यम से जुड़े।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों से अपील की है कि वह अपने कार्य क्षेत्र में ईमानदारी से कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए 25 वर्ष की उस कार्ययोजना को मूर्त रूप दें जिससे कि वर्ष 2047 में एक भारत, श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना साकार हो सके। देश की स्वतंत्रता आंदोलन के नायक राम प्रसाद बिस्मिल, राजेंद्र नाथ लाहिड़ी, चंद्रशेखर आजाद, रोशन सिंह, अशफाक उल्लाह खां को अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इन महान क्रांतिकारियों के जीवन का लक्ष्य ही देश की स्वाधीनता थी। उस समय जब भारत की जनता के पैसे का इस्तेमाल भारतीयों के दमन के लिए किया जा रहा था, तब आजादी के इन मतवालों ने काकोरी कांड को अंजाम देकर अंग्रेजी हुकूमत को चुनौती दी थी।

सीएम योगी आदित्यनाथ सिंह ने कहा कि 12 मार्च 1930 को राष्ट्रपिता

महात्मा गांधी के नेतृत्व में देश की आजादी के दीवानों ने अंग्रेजों के विरोध का बिगुल बजाया था। आज देश के पीएम नरेंद्र मोदी ने गुजरात के दांडी से आजादी के दीवानों को नमन किया है। उत्तर प्रदेश में भी चार स्थान पर आजादी का अमृत महोत्सव चल रहा है। आजादी का अमृत महोत्सव 75 सप्ताह चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि 4 फरवरी 1922 को चौरी चौरा की घटना घटी थी। हम लोग आज उस घटना ने नायकों को नमन कर रहे हैं। आज देश में 75 जगहों पर अमर शहीदों को नमन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अमृत महोत्सव के शुभारंभ के मौके पर लखनऊ के अलावा मेरठ, झांसी और बलिया में भी ऐसे ही कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। चार फरवरी 1922 को देश के अंदर आजादी के आंदोलन को नई दिशा देने वाली चौरी चौरा की घटना हुई थी। हम इस घटना के शताब्दी वर्ष को महोत्सव के रूप में मना रहे हैं। सरकार ने तय किया है कि देश की आजादी के आंदोलन की प्रमुख तिथियों पर हर शहीद स्मारक पर आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए देश के ज्ञात और अज्ञात शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। ऐसे कार्यक्रम देश की वर्तमान पीढ़ी को स्वतंत्रता आंदोलन से रूबरू करते हुए वर्तमान चुनौतियों से लडने के लिए भी प्रेरित करेंगे। युवा पीढ़ी को यह एहसास भी दिलाएंगे की आजादी हमें यूं ही नहीं मिली। इसके लिए अनगिनत संघर्ष हुए।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2022 देश की आजादी के अमृत महोत्सव का है। इस वर्ष हमें 25 वर्षों की उस कार्य योजना को भी साथ लेकर चलना होगा कि जब 2047 में भारत अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष मना रहा होगा तो उसकी उपलब्धियां भी उस ऐतिहासिक क्षण के अनुरूप हो। यदि हर नागरिक अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करेगा तो हम भारत को एक महान देश के रूप में दुनिया के सामने स्थापित कर सकेंगे और एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने काकोरी शहीद स्मारक स्थल का निरीक्षण किया और काकोरी कांड के अमर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पुलिस बैंड ने कदम कदम बढ़ाए जा और सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा जैसे देशभक्ति के गीतों की धुन बजाई।

देश की आजादी की वर्षगांठ आने में अभी 75 हफ्ते बाकी हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद के साबरमती आश्रम में आजादी के अमृत महोत्सव की शुरुआत की है। आज का यह दिन इसलिए भी खास है क्योंकि आज के ही दिन महात्मा गांधी ने साबरमती से दांडी यात्रा की शुरू की थी।

23 घंटे से छका रहे तेंदुए को बेहोश कर पकड़ा, पांच लोग हुए घायल

इंदौर, (एजेंसी)। इंदौर के रालामंडल वन क्षेत्र से लगे खंडवा रोड पर बुधवार को दिखाई दिए तेंदुए का सफल रेस्क्यू कर लिया गया है। वन विभाग के सूत्रों ने बताया कि बुधवार सुबह से ही तेंदुए का तलाशी अभियान प्रारंभ कर दिया गया था। इस बीच लगातार तेंदुआ 23 घंटे तक एक जगह से दूसरी जगह दौड़ता-भागता छकाता रहा। इस दौरान दो वनकर्मी समेत तीन अन्य नागरिकों के घायल होने की सूचना है।

तेंदुआ बुधवार को खंडवा रोड स्थित झाबुआ फार्म हाउस के पास पहुंच गया था। वन विभाग की रेस्क्यू टीम ने काफी मशक्कत की थी, आमना-सामना भी हुआ था, लेकिन पकड़ नहीं पाए थे। रातभर लोग दहशत में रहे। सुबह जब लोगों को मालूम हुआ कि तेंदुआ घरों में घुस रहा है। खबर लगते ही लोग लाठी-डंडे लेकर उसे मारने पहुंच गए। इस भागदौड़ में भी कुछ लोग घायल भी हो गए। रेस्क्यू के दौरान कई प्रयासों के बाद तेंदुए को बेहोश करने में सफलता मिली है। उसके बाद जाल बिछाकर उसे पकड़ लिया गया है। तेंदुए का स्वास्थ्य सामान्य बताया जा रहा है। इलाजरत घायलों की हालत भी सामान्य बताई गई हैं।

बच्ची को दबौचा, मां चीखी तो भागा

गुरुवार सुबह जब एक महिला घर में भोजन पका रही थी उस दौरान पिछले रास्ते से तेंदुआ घर में दाखिल हो गया। महिला ने जब तेंदुए को देखा तो वह जोर से चीखने लगी और बाहर भागी। तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया, जिससे महिला और उसका बच्चा घायल हो गए। महिला के ऊपर हमला होता देख उसका पति उसे बचने आया तो उस पर भी तेंदुए ने हमला कर दिया। इस दौरान एक ही परिवार के तीन लोग घायल हो गए।

चार लाख के नकली नोट के साथ चार आरोपी गिरफ्तार

बालाघाट, (एजेंसी)। बैहर के मुक्की रोड स्थित ब्रम्हनी चौराहा में नकली नोट खपाने पहुंचे चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जिनके पास से 4 लाख 94 हजार रुपए के नकली नोट पुलिस ने बरामद किए हैं। एडीएसपी श्यामलाल मरावी ने बताया कि आरोपी डिंडौरी और मंडला के रहने वाले है, जो नकली नोट खपाने आ रहे थे। बरामद किये गए सभी नोट दो हजार और एक ही सिरीज के हैं।

जानकारी अनुसार मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस थाना बैहर ने जिला डिंडोरी एवं मंडला से जिला बालाघाट अंतर्गत थाना बैहर के मुख्य मुक्की रोड़ स्थित बम्हनी चौराहा आए युवक शरद पिता छोटू उर्फ वीरेंद्र सोनी उम्र 30 वर्ष, मनोहर सिंह पिता प्रताप सिंह राठौर उम्र 50 वर्ष एवं अमृत मरावी पिता सम्मेलाल उम्र 28 वर्ष तथा मुकेश कुमार नंदा पिता स्वर्गीय धनेश कुमार उम्र 29 वर्ष जिला मंडला से 2000 रुपए के नकली नोट कलर प्रिंट से बनाए कूट रचित एवं नकली कुल 247 नोट 494000 रुपए सहित एक हीरो हौंडा सीडी सौ, मोबाइल, साइकिल, क्रमांक एमपी 52 एमसी 7595 तथा एक नई एक्टिवा स्कूटी वीएस 6 बरामद करने में सफलता मिली है। उक्त चारों आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर अन्य आरोपियों एवं नकली नोटों के स्रोत का पता लगाया जा रहा है।

गीता को अपना परिवार मिला डीएनए टेस्ट से होगी पुष्टि

इंदौर, (एजेंसी)। लगभग छह साल पहले पाकिस्तान से आई गीता को उसका परिवार मिलने की बात की जा रही है, लेकिन जानकारों का कहना है कि अभी तक डीएनए मैच नहीं किया गया है, जिससे यह कहना जल्दबाजी होगी कि गीता के मां-पिता की खोज पूरी हो गई है।

जानकारी के अनुसार पाकिस्तान के एक अखबार ने खबर छापी है कि गीता को उसका परिवार मिल गया है और उसका असली नाम राधा वाघमारे है। पाकिस्तान से गीता को भारत लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सांकेतिक भाषा विशेषज्ञ ज्ञानेंद्र पुरोहित और मोनिका पुरोहित ने बताया कि यह कहना अभी जल्दबाजी होगा। अभी तक गीता और जो परिवार बताया जा रहा है उसका डीएनए मैच नहीं करवाया गया है।

गीता गत जुलाई में पुरोहित दंपत्ति के पास आई थी, और उन्होंने उसके माता-पिता को ढूंढने के लिए महाराष्ट्र, तेलंगाना के कई गांव छाने। आखिरकार गीता ने जो बताया कि उसके गांव के पास नदी है, स्टेशन है जिस पर हिंदी और इंग्लिश में नाम लिखा है। लेकिन क्या लिखा है यह नहीं बता पा रही थी।

जनवरी में उसे मीना पांद्रे पहले वाघमारे से मिलवाया था। मीना ने भी बताया था कि उसकी एक बेटी गुम गई थी, उसके पेट पर भी जले का निशान था, गीता के पेट पर भी वैसा ही निशान है, जिसके बाद यह लगने लगा है कि यहीं उसकी मां है। मीना के पहले पति सुधाकर वाघमारे की मृत्यु हो गई थी, उसके बाद उसने दूसरी शादी की। मीना परभणी के जिंतुर गांव में मटके बेचने का काम करती है।

गया में पति के सामने महिला व बेटी के साथ नौ दरिंदों ने किया था गंदा काम, 17 मार्च को मिलेगी सजा

गया । बिहार के चर्चित सोनडीहा सामूहिक दुष्कर्म कांड के नौ दोषियों की सजा पर फैसला शुक्रवार को गया कोर्ट में होने वाला था, लेकिन कोर्ट ने सजा के लिए 17 मार्च की तिथि मुकर्रर कर दी है। इसके पहले बीते मंगलवार को नौ दरिंदों को दोषी करार देते हुए 12 मार्च को सजा की तिथि दी गई थी। दुष्कर्म कांड का यह मामला गया के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश व पॉक्सो के विशेष न्यायाधीश नीरज कुमार की कोर्ट में चल रहा है। कांड के दो नाबालिग आरोपितों का ट्रायल जुवेनाइल कोर्ट में चल रहा है। अब कोर्ट उन्हें क्या सजा देती है, इसपर सबों की नजरें टिकीं हैं। विधि विशेषज्ञ मान रहे हैं कि कोर्ट उम्रकैद की सजा दे सकती है। संभव है कि फांसी की भी सजा मिल जाए।

कोर्ट में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

कोर्ट ने सामूहिक दुष्कर्म के इस मामले में नवलेश पासवान, निर्भय पासवान, रामू पासवान, रमेश पासवान, श्रवण पासवान उर्फ कारू पासवान, भोला पासवान, उपेंद्र पासवान उर्फ भुदुल पासवान एवं प्रकाश पासवान को दोषी ठहराया है। अब उनकी सजा पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। शुक्रवार को सजा की तरीख रहने के कारण सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई थी। प्रवेश द्वार से लेकर पूरे परिसर में अतिरिक्त बलों की तैनाती की गई थी। हालांकि, कोर्ट ने सजा की तरीख 17 मार्च तय कर दी।

जानकारी हो कि यह घटना बीते 13 जून 2018 की रात की है। इस मामले में पीड़ित ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उसमें कहा था कि शाम में अपनी मोटरसाइकिल से पत्नी एवं बेटी के साथ गया के गुरारु स्थित दुकान से घर जा रहा था। कोंच थाना क्षेत्र के सोनडीहा गांव के पास छह-सात अपराधी टॉर्च एवं बंदूक लिए मौजूद थे। अपराधियों ने रोक कर गाड़ी को गड्ढे में धकेल दिया।

इसके बाद तीनों को हथियार दिखाकर खेत की मेड़ पर बैठा दिया। फिर शुरू हुई हैवानियत। बारी-बारी मां-बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। इस घटना से सनसनी फैल गई थी। पुलिस ने इस मामले के अनुसंधान में अहम भूमिका निभाई। तत्कालीन एसएसपी समेत अन्य पुलिस अधिकारियों ने मामले में तत्परता दिखाई थी। आरोपितों को गिरफ्तार किया। फिर ट्रायल के बाद नौ दरिंदों पर सजा का शिकंजा कस गया है।

लखनऊ में जातीय टिप्पणी करने वाले तहसीलदार निलंबित, वीडियो वायरल होने के बाद हुई कार्रवाई

लखनऊ । अफसरों पर जातीय आधार पर तैनाती देने की बात कहने वाले मोहनलालगंज के तहसीलदार निखिल शुक्ल को शासन ने निलंबित कर दिया है। वरिष्ठ अफसरों पर अमर्यादित टिप्पणी का वीडियो वायरल होने के बाद मामले की जांच के आदेश दिया गए थे। अगले आदेश तक निखिल शुक्ल को मंडलायुक्त कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। मोहनलालगंज में तैनात तहसीलदार निखिल शुक्ल इस वीडियो में शासन में बैठे कुछ अफसरों पर जातीय आधार पर ही आगे बढ़ाने की बात कह रहे हैं। इसके अलावा कुछ अफसरों पर जातिसूचक शब्दों का भी इस्तेमाल किया गया। वीडियो वायरल होने पर शासन स्तर से इस पर नाराजगी जताते हुए तत्काल जांच रिपोर्ट मांगी गयी थी। अपर जिलाधिकारी वित्त और राजस्व ने जांच कर गुरुवार को रिपोर्ट राजस्व परिषद भेज दी थी। राजस्व परिषद के आयुक्त और सचिव मनीषा त्रिघाटिया के आदेश में आगे की जांच अपर आयुक्त प्रशासन लखनऊ मंडल को दी गयी है।

समाज कल्याण विभाग में दो अफसरों के बीच विवाद के बाद अब मोहनलालगंज में तैनात एक प्रशासनिक अफसर का एक वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो में तहसीलदार विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों पर जातीय आधार पर तैनाती देने की बात कह रहे है। वीडियो की जांच कर राजस्व परिषद को रिपोर्ट भेज दी गई थी। मोहनलालगंज में तैनात तहसीलदार निखिल शुक्ल इस वीडियो में शासन में बैठे कुछ अफसरों पर जातीय आधार पर ही आगे बढ़ाने की बात कह रहे है। वीडियो वायरल होने पर शासन स्तर से इस पर नाराजगी जताते हुए तत्काल जांच रिपोर्ट मांगी गई थी। अपर जिलाधिकारी वित्त और राजस्व ने जांच कर गुरुवार को रिपोर्ट राजस्व परिषद भेज दी थी, जिसकी बाद यह कार्रवाई हुई।

रतनलाल नगर में टेंट हाउस के गोदाम में भीषण आग, खाली कराए गए पड़ोस के घर

कानपुर । गोविंद नगर के रतनलाल नगर पॉश इलाके में शुक्रवार की दोपहर टेंट हाउस के गोदाम में भीषण आग लगने से अफरा तफरी मच गई। टेंट हाउस संचालक की सूचना पर गोविंद नगर थाना पुलिस और फजलगंज फायर स्टेशन से दमकल की पांच गाड़ियां पहुंची और आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। इस दौरान आसपास के बहुमंजिला घरों से लोग बाहर निकल आए, आग की तेज लपटें निकलते देखकर में दहशत में बने रहे।

रतनलाल नगर निवासी आर्डिनेंस से सेवानिवृत्त कश्मीरी लाल कपूर के बेटे संजय गोविंद नगर में गेस्ट हाउस तथा आदर्श टेंट हाउस का संचालन करते हैं। संजय ने घर के ठीक पीछे दूसरे मकान में टेंट हाउस का गोदाम बना रखा है। फजलगंज फायर स्टेशन के अग्निशमन अधिकारी कैलाश चंद्र ने बताया कि पूछताछ में सामने आया है कि गोदाम में कर्मचारी दीपक जलाकर रखने के बाद टेंट हाउस ऑफिस चला गया था। दीपक की लौ से टेंट के कपड़ों ने आग पकड़ ली।

देखते ही देखते आग की लपटें पूरे गोदाम में फैल गईं। ग्राउंड फ्लोर और ऊपरी मंजिल में रखा सामान तेजी से जलने लगा। आग की तेज लपटें देखकर आसपास के इलाके में दहशत का आलम बन गया। पड़ोस में बहुमंजिला इमारत में रहने वाले लोग बाहर निकलकर सड़क पर आ गए। पड़ोसी महिला ने टेंट हाउस मालिक को सूचना दी। इसके बाद दमकल की पांच गाड़ियां लेकर पहुंचे जवानों ने आग बुझानी शुरू की। करीब एक घंटे बाद तक आग पर काबू नहीं हो सका है। फायर स्टेशन के अग्निशमन अधिकारी का कहना है कि आग बुझने के बाद ही नुकसान का आंकलन हो सकेगा।

पड़ोस के खाली कराये घर- लकड़ी, कपड़ा और फाइबर डेकोरेशन का सामान होने से दमकल कर्मियों को आग बुझाने में मशक्कत करनी पड़ी। आसपास के घरों में धुंआ भरने के कारण पुलिस और दमकल के जवानों ने तिलकराज कालरा, पंकज शर्मा के घर खाली कराये। पनकी फायर स्टेशन के अग्निशमन अधिकारी विनोद कुमार पांडेय ने बताया कि आग बुझाने के दौरान फायरमैन रंजीत सिंह टीनशेड से आ रहे गर्म पानी गिरने से बायां हाथ झुलस गया।

एक नजर

पुणे में कोरोना संक्रमण को देखते हुए स्कूल-कॉलेज बंद, जारी हुए कई निर्देश

पुणे । महाराष्ट्र के पुणे जिले में कोरोना संक्रमण के बढ़ रहे मामलों को देखते हुए प्रशासन ने 31 मार्च तक स्कूलों और कॉलेजों को बंद रखने का निर्देश दिया है। होटल और रेस्तरां भी देर तक खुले नहीं रहेंगे। पुणे मंडल के पुलिस आयुक्त सौरभ राव ने कहा है कि प्रतिबंधों के अनुसार स्कूल और कॉलेज 31 मार्च तक बंद रहेंगे, होटल और रेस्तरां को रात 10 बजे तक काम करने की अनुमति दी गई है। रात 11 बजे के बाद खाना डिलीवर नहीं किया जाएगा। प्रशासन का कहना है कि कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षा की तैयारी किसी तरह प्रभावित न हो इस बात का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

नागपुर के बाद महाराष्ट्र के इस जिले में भी लगा लॉकडाउन, गहराता जा रहा है कोरोना संकट

मुंबई । महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण के तेजी से बढ़ रहे मामलों को देखते हुए यहां के परभणी जिले में भी लॉकडाउन लागू कर दिया गया है। ये लॉकडाउन शुक्रवार रात 12 बजे से सोमवार सुबह 6-00 बजे तक लागू रहेगा। महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक ने कहा है कि हम परभणी और अन्य पड़ोसी जिलों के लोगों से सहयोग की अपील करते हैं। ज्ञात हो कि शुक्रवार को नागपुर में 21 मार्च तक पूर्ण लॉकडाउन लागू कर दिया गया था।

महाराष्ट्र में तेजी से बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के मामलों को देखते हुए राज्य के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार ने पुणे में कोविड-19 स्थिति की समीक्षा के लिए कार्उसिल हॉल में एक बैठक का आयोजन किया था। इस बैठक में सभी जिलों के प्रतिनिधि, सांसद, विधायक और मेयर भी उपस्थित हुए थे।

महाराष्ट्र में तेजी से बढ़ रहे कोरोना संक्रमण को देखते हुए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राज्य के अन्य इलाकों में भी लॉकडाउन लागू करने के संकेत दिए थे। वीरवार को मुंबई के जेजे अस्पताल में कोरोना वैक्सीन की पहली खुराक लेते हुए सीएम ने पत्रकारों से कहा था कि कोरोना वैक्सीन पूरी तरह से सुरक्षित है। इसे लेकर लोगों के मन में जो शंका है उसे निकाल दें। सीएम ने कहा राज्य में संक्रमण के मामले दोबारा से बढ़ने लगे हैं जिसे देखते हुए सख्त कदम उठाने पड़ सकते हैं।

नागपुर में 15 से 21 मार्च तक पूर्ण लॉकडाउन- नागपुर में कोरोना संक्रमण के मामलों को देखते हुए 15 से 21 मार्च तक पूर्ण लॉकडाउन की घोषणा कर दी गई है। इस दौरान किसी को भी घर से बाहर निकलने की मंजूरी नहीं दी गई है। सिर्फ आवश्यक वस्तुओं की दुकानें खुली रहेंगी। बता दें कि नागपुर में बुधवार को एक ही दिन में कोरोना के 1,710 नए केस दर्ज किए गए थे जिसके बाद राज्य सरकार ने सख्त कदम उठाते हुए यहां 21 मार्च तक के लिए पूर्ण लॉकडाउन लागू कर दिया है। 173 दिन के पश्चात एक दिन में सबसे ज्यादा केस सामने आये हैं जिसे लेकर सरकार ने कड़े कदम उठाये हैं। विदर्भ के अमरावती में भी सीमित समय के लिए लॉकडाउन लगा दिया गया है। मराठवाड़ा,औरंगाबाद व मुंबई महानगर में भी कोरोना के केस लगातार बढ़ रहे हैं।

उपेक्षित है खुदीराम बोस की जन्मस्थली, गांव का भी अपेक्षित विकास नहीं

महोबनी (पश्चिमी मेदिनीपुर) । स्वतंत्रता संग्राम और नवजागरण में पश्चिम बंगाल के वीर विभूतियों की गाथा स्वर्णाक्षरों में लिखी जाती है। पश्चिम बंगाल का मेदिनीपुर जिला इसमें अग्रणी रहा है। इन्हीं नायकों में एक हैं देश की स्वाधीनता संग्राम में सबसे कम उम्र में फांसी के फंदे को चुमनेवाले वीर शहीद खुदीराम बोस। महज 18 वर्ष की उम्र में उन्होंने हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूमा था। पश्चिमी मेदिनीपुर जिला के केशपुर ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत सीर्षा के महोबनी गांव में खुदीराम बोस की जन्मस्थली है। आजादी के इतने वर्षों बाद भी इस गांव का अपेक्षित विकास नहीं हो पाया है। गांव में खुदीराम की जन्मस्थान पर उसकी एक आदमकद प्रतिमा पश्चिम बंगाल की वामफ्रंट के सरकार के कार्यकाल में तैयार की गई थी। इनके जन्मस्थान के आसपास करीब एक एकड़ जमीन में शहीद खुदीराम के नाम का स्मारक तैयार है। इसके लिए खुदीराम बोस के ही परिवारजनों ने अपनी जमीन दी थी। यहीं एक पार्क भी करीब 4 एकड़ जमीन में फैला है। लेकिन दोनों ही स्थल बेहद उपेक्षा का शिकार है। पार्क की स्थिति तो काफी दयनीय है। यहां एक पोखर और मंदिर के अलावा कुछ नहीं है।

वहीं, शहीद स्मारक में एक पुस्तकालय, वाचनालय और अतिथिगृह है। खुदीराम के रिश्ते के पोते 70 वर्षीय गोपाल बसु कहते हैं, देखरेख की कमी के कारण सब खराब हो गया है। कर्मी के नाम पर एक पिऊन और एक लाइब्रेरियन है। परिसर में लगे पेड़, पौधों और फूल पत्तियों की देखभाल परिवार के लोगों से जितना हो पाता है, करते हैं। वहीं स्मारक से सटा ही खुदीराम का पैतृक घर है। जहां जाने के लिए स्मारक के बगल से ही आठ फीट का पीसीसी रोड है। पैतृक घर मिट्टी का है। जिसमें करीब चार-पांच छोटे-छोटे कमरे हैं। पूरा परिवार खेती-गृहस्थी से चलता है। बोस परिवार का राजनीति से कोई वास्ता नहीं है। तृणमूल छोड़ भाजपा में योगदान के दौरान मेदिनीपुर में आयोजित एक जनसभा में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने खुदीराम के पोते गोपाल बसु और परपोते शांति बसु को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया था। समारोह में दोनों को गांव से ही कार्यकर्ताओं लेकर सभामंच तक गए थे, जहां इन्हें सम्मानित किया गया। खुदीराम के रिश्ते के 30 वर्षीय परपोते शांति बसु इंटरमीडिएट पास हैं। नौकरी-चाकरी के बारे में पूछने पर खिन्न होकर कहते हैं। कोई चाकरी नहीं, कोई रोजगार नहीं। पिता गोपाल बसु को पेंशन नहीं। यहां तक कि स्वास्थ्य साथी कार्ड तक नहीं है।

वहीं शांति बसु की माता लोक्खी बसु कहती हैं, हमलोग शहीद के परिवार से हैं। सरकार या किसी से कुछ मांगना हमारी फितरत में नहीं है। स्वाभिमान से जो हो पाता है, उसी से गुजारा करते हैं। वहीं खुदीराम के पोते गोपाल बसु कहते हैं, शहीद स्मारक में वामफ्रंट की सरकार के दौरान मुख्यमंत्री ज्योति बसु, उनके कई मंत्रियों का समय-समय पर आना-जाना होता था। तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी का यहां कभी आना नहीं हुआ, लेकिन उनके कुछ मंत्री यहां आए थे। गोपाल बसु को गांव की उन्नति अपेक्षा के अनुरूप नहीं होना अखरता है। खुदीराम के स्वजनों को इस बात का गर्व है कि वे उनके परिवार से ताल्लुक रखते हैं।

अहमदाबाद में भारत की स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ मनाने के लिए दांडी मार्च या नमक आंदोलन के ध्वज-समारोह के दौरान कलाकार प्रदर्शन करते हुए।

महाराष्ट्र एटीएस ने मनसुख की पत्नी और बेटों के बयान किए दर्ज

मुंबई । महाराष्ट्र के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने ठाणे के कारोबारी मनसुख हिरेन की रहस्यमय मौत की जांच करते हुए बुधवार को उनकी पत्नी और बेटों के बयान दर्ज किए। इससे पहले दिन में, एटीएस ने सहायक पुलिस निरीक्षक सचिन वझे का बयान दर्ज किया था, जिसका नाम मनसुख हिरेन की मौत के मामले में सामने आया था।

बता दें कि बुधवार को राज्य के गृहमंत्री अनिल देशमुख ने कहा था कि सचिन वझे को क्राइम ब्रांच से हटाकर किसी और विभाग में तैनात किया जाएगा। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि मनसुख हिरेन की मौत के मामले में निष्पक्ष जांच की जा सके। जबकि भाजपा वझे के निलंबन और गिरफ़्तारी की मांग कर रही है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी के घर के पास, 25 फरवरी को दक्षिण मुंबई के कारमाइकल रोड पर एक संदिग्ध स्कॉर्पियो कार के अंदर बिना लाइसेंस की विस्फोटक सामग्री जब्त की गई थी। इसके कुछ दिन बाद ही कार के मालिक मनसुख हिरेन ठाणे जिले में एक नाले में मृत पाए गए थे। अब, एटीएस महाराष्ट्र मामले की जांच कर रही है।

मनसुख हिरेन हत्या मामले में मुंबई पुलिस एपीआइ सचिन वझे को क्राइम ब्रांच से हटा दिया गया है। हालांकि राज्य के सीएम उद्धव ठाकरे जब वझे क बचाव करते नजर आए, तो देवेंद्र फड़नवीस ने यह कहकर सरकार को घेरने का प्रयास किया कि मुख्यमंत्री वझे के वकील बन गए हैं। ज्ञात हो कि हिरेन की पत्नी विमला हिरेन ने एटीएस द्वारा दर्ज प्राथमिकी में हत्या का शक एपीआइ सचिन वझे पर जाहिर किया है। प्राथमिकी में सचिन वझे का नाम सामने आने के बाद से ही भाजपा नेता देवेंद्र फड़नवीस वझे पर सख्त कार्रवाई का दबाव बनाया था।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने भी सचिन वझे का बचाव करते हुए कहा कि उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं हैं।

अशोक गहलोत ने दांडी मार्च की 91वीं वर्षगांठ पर पदयात्रा को किया रवाना, कहा-सरकारों को जिद नहीं करना चाहिए

जयपुर । राजस्थान के जयपुर में शुक्रवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दांडी मार्च की 91वीं वर्षगांठ के अवसर पर पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। गहलोत ने कहा कि आज से पूरे देश में आजादी की 75वीं वर्षगांठ का जश्न मनाने की तैयारी शुरू हो गई है। आने वाली पीढ़ियां याद रखें कि किस प्रकार हमारे पूर्वजों ने त्याग और बलिदान किए। उम्मीद है कि नई पीढ़ी इसमें आगे बढ़कर हिस्सा लेगी और ये आयोजन बहुत कामयाब होंगे। गहलोत ने ट्वीट में लिखा कि दांडी मार्च की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में नरेंद्र मोदी खुद भी साबरमती आश्रम से पदयात्रा रवाना कर रहे हैं, मुझे उम्मीद है आज शाम तक उनके अंतर्मन के अंदर गांधीजी का संदेश उनको झकझोरेगा,हो सकता है शाम तक वो किसानों के लिए कोई फैसला करें तो मुझे बहुत खुशी होगी,देशवासियों को खुशी होगी। किसान चार महीने से बैठा हुआ है, भरी ठंड में बैठा रहा, 200 से अधिक लोगों की जान चली गई है, तो ये जो सोच है सरकार की है, उसको बदलना चाहिए। सरकारें कभी जिद नहीं करती हैं, सरकारों को

जिद करनी भी नहीं चाहिए। उनको बात सुननी चाहिए, हल निकालना चाहिए।

गहलोत ने कहा कि मैं उम्मीद करता हूं प्रधानमंत्री से कि जब आज का दिन आपने चुना है साबरमती से दांडी मार्च का, नाम भले ही दूसरा दे दिया गया होगा, कृपा करके अब, अभी तक आपके छह साल के शासन में क्या हुआ, क्या नहीं हुआ, उसको भूल जाओ। अभी तो हिंदू-मुसलमान की बात हो रही है, जब हिंदू-मुसलमान का इनका एजेंडा खत्म हो जाएगा। हिंदू में फिर होगा-ये दलित हैं, ये जनरल कास्ट के हैं, ये ओबीसी हैं, उनमें लड़ाई करवाएंगे ये लोग। सरकार तो सरकार है, यदि एक बार जनता ने आपको चुन लिया है। अब आप वास्तव में 56 इंच का सीना दिखाओ, अभी तक तो सिर्फ कहा है, अब करके दिखाओ कि छह-सात साल तो हमने जल्दी-जल्दी में फैसले कर लिए, अब हम चाहेंगे कि सभी जाति, सभी धर्म, सभी वर्गों के लोगों को साथ लेकर के चलें। मैं कहना चाहूंगा, कम से कम मोदी को चाहिए कि आरएसएस के मोहन भागवत से बात कर लें, घर में सलाह-मशविरा कर लें, अगर देश को एक रखना है, अखंड रखना है, सही रास्ते पर आ जाएं, वरना जनता सही रास्ते पर लेकर आएगी।

गुजरात कांग्रेस को दांडी मार्च की मंजूरी नहीं, अमित चावड़ा ने राज्यपाल को लिखा पत्र

अहमदाबाद । गुजरात कांग्रेस को साबरमती आश्रम से दांडी मार्च करने की पुलिस ने मंजूरी नहीं दी। प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा ने राज्यपाल आचार्य देवव्रत को पत्र लिखकर स्वीकृति दिलाने की मांग की है। चावड़ा ने राज्यपाल को गुरुवार मध्य रात्रि पत्र लिखकर बताया कि आयोजन करती है लेकिन पुलिस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समारोह का हवाला देते हुए इस बार कांग्रेस को इसकी मंजूरी नहीं दी गई।

कांग्रेस ने पत्र में कहां है की लोकतंत्र सभी को अपना विचार व्यक्त करने तथा उसके प्रचार प्रसार का अधिकार है। राज्य सरकार तथा पुलिस कांग्रेस को आश्रम से दांडी मार्च की इजाजत नहीं देकर उनके अधिकारों के गुण परंपरा का उल्लंघन कर रही है।

कांग्रेस ने साबरमती आश्रम पर प्रधानमंत्री मोदी का आजादी का अमृत महोत्सव समारोह के संपन्न होने के बाद कांग्रेस को दांडी यात्रा निकालने की मंजूरी देने की मांग की है। किसान आंदोलन के मध्य नजर कांग्रेस गांधी आश्रम से 80 ट्रैक्टर की किसान सत्याग्रह यात्रा भी शुरू करेगी जो पांच दिन बाद दांडी पहुंचकर संपन्न होगी।

दोस्त के मोबाइल में पत्नी का फोटो देखा तो ले ली जान, पांच गिरफ्तार

उदयपुर । दोस्त के मोबाइल में अपनी पत्नी के फोटो देखने के बाद उसकी हत्या कर दी। मामला चित्तौड़गढ़ जिले का है। पुलिस ने हत्या के आरोप में पांच युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि एक सप्ताह पहले निम्बाहेड़ा क्षेत्र के ढोरिया-लसड़ावन मार्ग पर एक युवक का शव मिला था। जिसकी पहचान घटेरा निवासी बबलू उर्फ उदय सिंह (26) पुत्र नाथू सिंह रावत के रूप में हुई थी। जिस हालत में युवक का शव मिला, उससे जाहिर था कि उसकी हत्या की गई और शव फेंक दिया गया। पुलिस उसकी हत्या को लेकर जांच में उसके दोस्तों से भी पूछताछ की। इसी बीच, पता चला कि कुछ दिन पहले लोगों ने बबलू को उसके दोस्त अमराणा निवासी फतेह सिंह पुत्र कान सिंह रावत के साथ साथ देखा था।

पुलिस फतेह सिंह के बारे में जानकारी जुटा रही थी, तभी पता चला कि फतेह सिंह की पत्नी कुछ दिन पहले घर छोड़कर भाग गई थी। उसके पड़ोसियों ने बताया कि फतेह सिंह अपनी पत्नी पर शका करता था। जिसको लेकर उनके बीच आए दिन झगड़ा तथा मारपीट होती रहती थी। पुलिस ने फतेह सिंह की कॉल डिटेल खंगाली तो पता चला कि हत्या के कुछ घंटे पहले तक फतेह सिंह तथा बबलू की लोकेशन एक ही जगह थी। जिस पर फतेह सिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने वारदात की जानकारी से साफ इनकार कर दिया, लेकिन कड़ाई बरतने पर उसने स्वीकार किया कि उसी ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर बबलू की हत्या की। उसने बताया कि उसकी तीन पत्नियां हैं तथा तीसरी पत्नी सुंदरी के फोटो उसने बबलू के मोबाइल में देखे तो वह आग-बबूला हो गया तथा उसकी हत्या करने की ठान ली। तय योजना के अनुसार, वह तीन मार्च को अपने साथ देसी शराब लेकर बबलू रावत के पास पहुंचा तथा उसे अमराणा ले गया। जहां उसने बबलू तथा अपने दोस्तों के साथ बैठकर शराब की। शराब के नशे में धुत्त होने पर उसने अपने मित्र अमराणा निवासी कालू सिंह पुत्र शांतिलाल रावत, बबलू पुत्र शांति लाल, गोपाल सिंह पुत्र नारायण सिंह रावत, पायरी निवासी तेज सिंह पुत्र मान सिंह राजपूत और घटेरा निवासी अर्जुन सिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह रावत के साथ मिलकर बबलू की हत्या कर दी।

पश्चिमी मेदिनीपुर-ग्रीन कारपेट में लाल झंडे का पड़ा अकाल

पश्चिम मेदिनीपुर । तपती धूप में दूर-दूर तक ग्रीन कारपेट की तरह बिछी हरियाली। मौसम के साथ सियासी गर्मी के इस माहौल में पश्चिमी मेदिनीपुर जिला के ग्रामीण के इलाकों में जहां तक नजर दौड़ाएं,समतल जमीन पर धान के हरे-भरे खेत। फसल में बाली अब तक नहीं आयी है, लेकिन खेतों में लहराते भाजपा व तृणमूल के झंडे यहां की चुनावी लहर के उतार-चढ़ाव को बयां कर रही है। एक दशक पूर्व तक यहां के खेत खलिहानों में लाल झंडे लहराते थे, लेकिन अब लाल का अकाल दिख रहा है।

बंगाल के कृषि प्रधान जिला पश्चिमी मेदिनीपुर की जमीन धान की पैदावार के दृष्टिकोण से काफी उन्नत है। इस जिलांतर्गत खड़गपुर ग्रामीण, मेदिनीपुर, केशपुर, घाटाल, चंद्रकोना, पिंगला, केशियारी विधानसभा क्षेत्र आसपास हैं। यहां की भूमि में धान की अच्छी फसल साल में दो बार हो जाती है। आषाढ़ी धान तो कुछ बाढ़ के पानी में नष्ट भी हो जाते हैं, लेकिन गरमा धान की पैदावार ज्यादा अच्छी होती है। खेतों में जमा पानी यहां सिंचाई की उन्नत व्यवस्था को बयां करती है। धान की ही तरह आलू की भी यहां पैदावार अच्छी होती है। अभी आलू निकलने का समय है। खेतों से ही पैकेटिंग कर ट्रैक्टर से आलू व्यापारी ले जा रहे हैं। 700 रुपये क्विंटल की दर से व्यापारी आलू खरीद रहे हैं। इसी तरह धान की कीमत भी 12-14 सौ रुपये प्रति क्विंटल किसानों को व्यापारी के यहां पहुंचाकर मिलते हैं। आषाढ़ी धान को किसान व्यापारी को बेच चुके हैं।

खड़गपुर से मेदिनीपुर जाने के क्रम में स्टेट हाइवे के किनारे बसे गांव

पंचमी के किसान तौहीद खान बताते हैं, यहां कोई सरकारी स्तर पर कोई समर्थन (एमएसपी) मूल्य निर्धारित नहीं है। होगा भी तो इसके बारे में मालूम नहीं। तौहीद व इनकी तरह अन्य कृषक खेती एवं सिंचाई की व्यवस्था अपने बूते करते हैं। कोई सरकारी सहयोग नहीं है। दिल्ली, हरियाणा में चल रहे किसान आंदोलन से इन्हें कोई वास्ता नहीं। सरकार से बहुत उम्मीद नहीं, इसलिए शिकवा भी नहीं है। पीएम किसान सम्मान योजना के बारे में भी कोई जानकारी नहीं। किसान अपना धान सीधे व्यापारी को बेच देते हैं।

वहीं अपनी खेत से आलू निकालते महोबनी के किसान अजीत पांजा कहते हैं, 7 रुपये किलो आलू व्यापारी खेत से ले जाते हैं। खर्च के हिसाब से रेट बहुत आच्छा नहीं है, लेकिन उपाय क्या है? आलू की भी अलग-अलग किस्में ज्योति, पुखराज, सुपर 6, चंद्रमुखी आदि नाम से है। इसी तरह इलाके में तिल की पैदावार भी अच्छी होती है। इसके अलावा खेतों में दूर-दूर तक फैले ताल (ताड़), खजूर व नारियल के पेड़ों से भी नियमित अंतराल में किसानों को अच्छी आमदनी हो जाती है।

आदमी वही, बदल गया झंडे का रंग कृषक समुदाय में राजनीतिक चेतना भी गजब की है। चुनावी माहौल के बारे में पूछने पर खेतिहर मजदूर विष्णु पांजा उल्टा सवाल करते हैं, आप बाता सकता है, जो क्या होगा? बाद में थोड़ा खुलते हुए कहते हैं, दादा आदमी वहीं है, केवल झंडा का रंग बदल गया।

गिरगिट से कम नहीं है? ये लोग। इसलिए जो देख रहा है, वह है? नहीं और जो है, वह दिख नहीं रहा। अभी कोई कुछ नहीं बाता सकता कि आगे क्या खेला होगा। वहीं ग्रामीण इलाके में युवाओं की सोच अलग है। स्नातक तक पढ़े युवा श्यामल सरकार कहते हैं, रोड, इलेक्ट्रिक, पानी की बात तो ठीक है, लेकिन रोजगार कहां है? सरकारी आमला में कटमनी (रिश्वतखोरी) का जामाना कभी कम नहीं हुआ। तोलाबाजी (अवैध वसूली) की हाल भी वैसा ही है। आगे क्या होगा, कौन जानता?

बस फेस पहचानिए - दो धरों में बंटी बंगाल की राजनीति में बस फेस पहचानने की जरूरत है। आम आदमी के चेहरे के भाव ही बहुत कुछ स्पष्ट कर देता है। वैसे भी वैचारिक क्रांति वाली यहां की जमीन में बंगाली मानुष अपने विचार को बहुत देर तक दबा नहीं सकते। शुरूआत में थोड़ा हिचकिचाते हैं, लेकिन सियासत में दलों, उम्मीदवारों के कार्यों की विवेचना करना शुरू कर दें तो फिर रूकने का नाम नहीं लेते।

अच्छा-बुरा, गुण-दोष जो भी हो कहने में गुरेज नहीं करते। जातिगत आधार पर विभाजन की लकीरें यहां बहुत कम दिखती है, लेकिन धार्मिक भावनाओं को लेकर संजीदगी है। चुनावी सियासत में भी मुद्दों पर भावनाएं भारी पड़ती दिखाई दे रही है।

ओडिशा बजट सत्र के दूसरे चरण की भी हंगामेदार शुरूआत, शोर-शराबे के बाद कार्रवाई स्थगित

भुवनेश्वर । ओडिशा विधानसभा बजट सत्र के दूसरे चरण की भी हंगामेदार शुरूआत हुई है। प्रश्नकाल आरंभ होते ही भाजपा एवं कांग्रेस के विधायकों ने मंडियों से धान ना खरीदे जाने के प्रसंग को उठाते हुए सदन में जमकर हंगामा किया। सदन के मध्य भाग में शोर शराबा किए जाने से प्रश्नकाल नहीं चल पाया और विधानसभा अध्यक्ष सूर्य नारायण पात्र ने सदन की कार्यवाही को पहले 11 बजे तक एवं फिर अपराह्न 4 बजे तक मुलतीव घोषित कर दिया।

जानकारी के मुताबिक राज्य में धान खरीद प्रसंग पर कांग्रेस के नेता नरसिंह मिश्र ने कहा है कि पिछली बार भी विधानसभा की कार्यवाही धान मंडी समस्या को लेकर बाधित हुई थी। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने सर्वदलीय बैठक बुलायी। मंत्री ने सदन को आश्वासन दिया था

कि किसानों से उनका पूरा धान खरीदा जाएगा। दलालों के खिलाफ फौजदारी मुकदमा दायर कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। दुर्भाग्यजनक है कि मंत्री के सदन को आश्वास्त करने के बावजूद भी मंडी से धान नहीं खरीदा गया है। किसान अब कहां जाएंगे।

किसानों के आत्महत्या करने जैसी प्रक्रिया शुरू हो गई है। राज्य सरकार ने सदन की अवमानना किया है सदन के साथ विश्वासघात किया है। इससे राज्य के लोगों का विधानसभा के प्रति जो विश्वास है, वह खत्म हो जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष महोदय आपका भी दायित्व है कि आप कुछ करें। यदि राज्य सरकार अपनी ही बात की रक्षा नहीं कर पाएगी तो फिर सदन कैसे चलेगी। टोकन रिन्यू किया जाए। सरकार जब तक पूरा धान नहीं खरीद लेती है तब तक सदन चलाना उचित नहीं होगा। यह गणतंत्र विरोधी है एवं परंपरा विरोधी है। इसी प्रसंग पर भाजपा के विधाक जय नारायण मिश्र ने कहा है कि यदि सदन में चर्चा होने के बावजूद कार्य नहीं होता है तो फिर सदन क्यों चलायी जाए। सरकार ने सदन की गरिमा को भंग किया है। अध्यक्ष महोदय आपने जो निर्देश दिया है, सदन ने जो निर्णय लिया है, यदि वह कार्यकारी नहीं हो पा रही है तो फिर लोगों का विश्वास सदन के प्रति कैसे होगा। आज भी अनेकों मंडियों में किसानों के धान पड़े हैं। गाय-बछड़े खा रहे है। लोग हमसे सवाल कर रहे हैं। ऐसे में सरकार से मांग कर रहे हैं कि सरकार तुरन्त धान खरीदे।

कांग्रेस विधायक तारा प्रसाद वाहिनीपति ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा है कि जब तक किसानों से उनका धान नहीं खरीदा जाता है, तब तक हम विधानसभा की कार्यवाही को नहीं चलने देंगे। बीजद के नेता यह बात नहीं कह पा रहे हैं, वे हमसे यह बात कहवा रहे हैं। सभी की आत्मा रो रही है।

शासक दल के नेता लाबी में कह रहे हैं कि धान प्रसंग उठाकर आप लोग अच्छा कर रहे हैं। नवीन पटनायक सरकार ने किसी नेता को कोई अधिकार नहीं दिया है सदन में अपनी समस्या कहने के लिए। मैं आप से हाथ जोड़कर कह रहा हूं सभी धान खरीद के लिए विधानसभा अध्यक्ष रुलिंग जारी करें।

असम जनता परिषद (छात्र) के समर्थक गुवाहाटी में आगामी असम विधानसभा चुनावों के लिए अपने चुनाव अभियान के एक भाग के रूप में बाइक रैली निकालते हुए।

नेहा पेंडसे

की शादी का उड़ा था मजाक, एक्ट्रेस ने अब तोड़ी चुप्पी, जानिए क्या कहा

एक्ट्रेस नेहा पेंडसे ने इस साल जनवरी में शार्दुल ब्यास से शादी की थी. शार्दुल का दो बार तलाक हो चुका है, दोनों शादी से उनका एक-एक बच्चा भी है. गौरतलब है कि पिछले साफी समय से ट्रोल नेहा पेंडसे की शादी का मजाक उड़ा रहे हैं. वहीं एक इंटरव्यू के दौरान नेहा ने ट्रोल किए जाने को लेकर लंबी बात की. उन्होंने कहा कि अब ट्रोल्स को इग्नोर करना वे सीख चुकी हैं.

ट्रोल्स की अनदेखी करना सीख लिया है

बता दें कि टाइम्स ऑफ इंडिया के साथ हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने कहा था कि, उनकी शादी का मजाक उड़ाना बंद नहीं हुआ है. उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि ट्रोलिंग कभी नहीं रुक सकती है. वे आपको ट्रोल करने के लिए कारण ढूंढते रहते हैं. लेकिन मैंने और मेरे पति ने उनकी अनदेखी करना सीख लिया है. शुरू में, ट्रोलिंग से मेरे पति परेशान हो जाते थे क्योंकि वह इन सभी चीजों के आदी नहीं हैं लेकिन वक्त के साथ उन्होंने भी सीख लिया है. अब, ट्रोलिंग हमें प्रभावित नहीं करती है.

नेहा ने कहा लोगों ने मेरा फायदा उठाने की कोशिश की

नेहा ने इंडस्ट्री में उन चुनौतियों के बारे में भी बात की जिनका सामना उन्हें एक महिला होने की वजह से करना पड़ा. उन्होंने कहा, 'एक महिला के रूप में, किसी भी वर्कप्लेस पर, यदि आप कमजोर हैं, तो लोग आपका फायदा उठाने की कोशिश करते हैं. लोगों ने मेरा फायदा उठाने की कोशिश की है. हालांकि, मुझे लगता है कि ये सभी घटनाएं आपको मजबूत बनाती हैं.

नेहा इन दिनों भाबी जी घर पर हैं में अनिता भाभी के रोल में आ रही हैं नजर

बता दें कि नेहा पेंडसे इन दिनों बेहद पॉपुलर टीवी शो भाबीजी घर पर हैं में नए लुक में नजर आ रही हैं. उन्होंने इस शो में सौम्या टंडन की जगह ली है. फिलहाल भाबीजी घर पर हैं में अनीता भाभी के रूप नेहा पेंडसे को भी काफी पसंद किया जा रहा है.

आलिया भट्ट

की गंगूबाई काठियावाड़ी के टाइटल पर विवाद, महाराष्ट्र के MLA ने कहा इसे बदला जाए

संजय लीला भंसाली की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी अनाउंसमेंट के बाद से ही सुर्खियों में है। पद्मावत की तरह इस फिल्म का टाइटल भी विवाद में आ गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, महाराष्ट्र के कांग्रेस एमएलए अमीन पटेल ने मूवी का टाइटल चेंज करने की मांग की है। उनका कहना है कि इससे काठियावाड़ शहर की छवि खराब हो रही है।

राज्य सरकार से हस्तक्षेप की मांग

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक अमीन पटेल का कहना है कि कमाठीपुरा इलाका बदल गया है। उन्होंने कहा, यह 1950 की तरह नहीं है। यहां रहने वाली महिलाएं अलग-अलग प्रफेशंस में जा रही हैं। फिल्म के टाइटल से काठियावाड़ शहर का नाम भी खराब हो रहा है। फिल्म का नाम बदलना चाहिए। उन्होंने इस मामले में राज्य सराकर से भी हस्तक्षेप की मांग की है।

कमाठीपुरा के लोग नाराज

वहीं कमाठीपुरा के रहने वाले भी नाराज हैं। उनका कहना है कि फिल्म में 200 साल पुराने इतिहास को गलत ढंग से दिखाया जा रहा है। उनका कहना है कि वे मूवी रिलीज नहीं होने देंगे।

कौन थीं गंगूबाई काठियावाड़ी

फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी 1960 के वक्त की मुंबई के कमाठीपुरा रेड लाइट एरिया की कहानी है। मूवी में आलिया गंगूबाई के रोल में हैं। फिल्म हुसैन जैदी की बुक माफिया क्वीन्स ऑफ मुंबई पर बेस्ड है। गंगूबाई का असलीनाम हरजीवनदास था। उनका परिवार गुजरात के काठियावाड़ में रहता था। उन्हें 16 साल की उम्र में पिता के अकाउंटेंट रमणील लाल से प्यार हो गया था। रमणीक ने उन्हें 500 रुपये में कोठे पर बेच दिया था। इसके बाद वह हरजीवनदास से कोठेवाली गंगूबाई बन गईं।

फैंस ने किया ऐसा परेशान कि रुक गई वरुण धवन की शूटिंग, सामने आकर एक्टर ने खुद की अपील

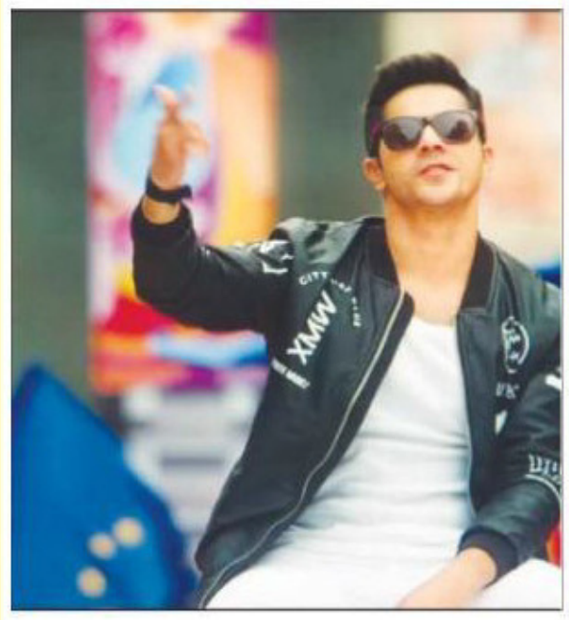

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर बहुत तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में वरुण कार पर चढ़कर लोगों को संबोधित कर रहे हैं. दरअसल, एक फिल्म की शूटिंग के लिए वरुण अरुणाचल प्रदेश में थे. इसी दौरान उनकी एक झलक पाने के लिए लोगों का जमावड़ा लग गया. देखते ही देखते लोगों की इतनी भीड़ जमा हो गई. इसके बाद वरुण ने अपने कार पर चढ़कर लोगों से कहा कि वह फिल्म की शूटिंग के बाद सभी से मिलेंगे. बता दें कि वरुण इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं.

इस वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि वरुण की कार के आसपास लोगों की भारी भीड़ जुटी है. वरुण की कार हर तरफ से फंसी हुई है. वहीं, वरुण कार पर खड़े होकर लोगों ने अपील कर रहे हैं कि वह कुछ समय के लिए शांति बनाए रखें और फिल्म की शूटिंग होने दें. वरुण कह रहे हैं कि वह अभी कुछ दिन यहीं रहेंगे और फिल्म की शूटिंग के बाद सबसे पर्सनली मिलेंगे.

लोगों ने दी अपनी प्रतिक्रिया

इस वायरल वीडियो पर लोग जमकर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, जब आप अच्छा काम कर रहे हों तो फैंस की उम्मीदें भी आपसे बढ़ जाती हैं. वहीं, एक और यूजर ने लिखा, वरुण अपने फैंस से बेहद प्यार करते हैं. शायद इसलिए उन्होंने हमारा दिल नहीं तोड़ा. वहीं, एक यूजर ने वरुण की तारीफ करते हुए कहा, कुछ एक्टर्स दिल के बेहद करीब होते हैं, वरुण उन्हीं में से एक हैं. बता दें कि वरुण को चाहने वाले प्रशंसक करोड़ों में हैं और उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं.

रणबीर कपूर हुए कोरोना पॉजिटिव, मां नीतू सिंह ने किया कंफर्म, Self Quarantine हैं एक्टर

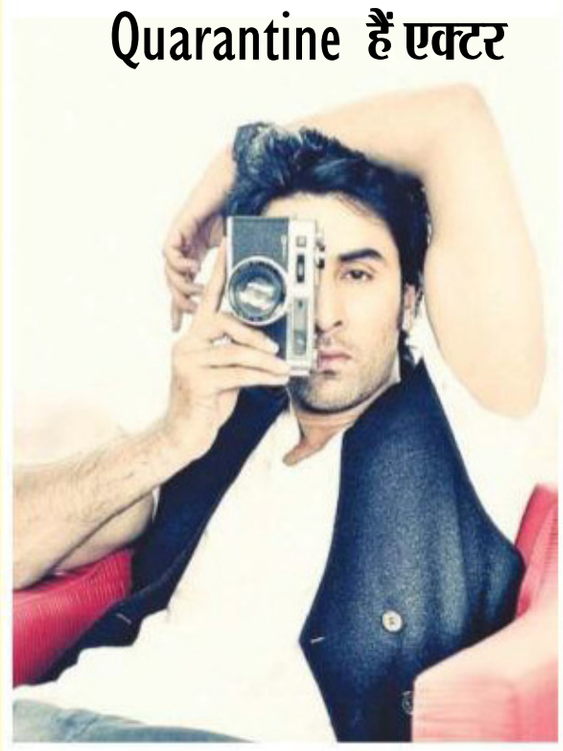

क्या रणबीर कपूर कोरोना पॉजिटिव हो गये हैं? इस बात की अटकलें कल शाम से ही लगाई जा रहीं थीं, लेकिन उनके और उनके परिवार की तरफ से इसे लेकर कोई आधिकारिक जानकारी मुहैया नहीं कराई जा रही थी. लेकिन रणबीर कपूर की मां नीतू सिंह ने कुछ ही देर पर सोशल मीडिया पर डाले एक मैसेज करके अब इस बात की पुष्टि कर दी है कि रणबीर कपूर कोरोना पॉजिटिव हो गये हैं.

नीतू सिंह ने रणबीर कपूर की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, आप सभी की चिंताओं और शुभकामनाओं के लिए शुक्रिया. रणबीर का कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव निकला है. वे इसकी दवाइयां ले रहे हैं और उनकी हालत में सुधार हो रहा है.

नीतू ने आगे लिखा - वो सेल्फ क्वारंटीन हो गये हैं और इसे लेकर सभी तरह के एहतियात बरत रहे हैं.

उल्लेखनीय है कि पिछले साल दिसंबर में चंडीगढ़ में फिल्म जुग जुग जियो की शूटिंग के दौरान नीतू कपूर खुद भी कोरोना वायरस के संक्रमण का शिकार हो गई थीं जहां से उन्हें बाद में एयर एम्बुलेंस से मुम्बई लाया गया था.

खैर, नीतू सिंह के सोशल मीडिया पर जानाकरी देने से पहले हमने सोमवार रात को रणबीर कपूर के चाचा रणधीर कपूर से संपर्क किया था तो रणधीर कपूर ने हमें इस बात का सीधा जवाब नहीं दिया था. उन्होंने एबीपी न्यूज़ से कहा,मैं इस वक्त जयपुर में हूं और आप ये सवाल मुझसे नहीं, रणबीर की मां नीतू सिंह से पूछिए. मैं इस बारे में कुछ नहीं बता पाऊंगा.रणधीर कपूर की इस सलाह पर अमल करते हुए हमने रणबीर कपूर की मां नीतू सिंह से भी संपर्क किया था मगर उन्हें कई बार फोन और मैसेज किया करने के बाद भी उन्होंने कोई जवाब नहीं मिला था. एबीपी न्यूज़ ने सालों से कपूर परिवार का काम संभालते श रहे शख्स से भी संपर्क करने की कोशिश की मगर उनकी तरफ से भी हमें कोई जवाब हासिल नहीं हुआ था.

मिताली के नाम 10 हजार रन

ऐसा करने वाली भारत की पहली महिला क्रिकेटर बनीं; इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली चार्लेट से सिर्फ 272 रन पीछे

नई दिल्ली। भारतीय महिला वनडे टीम की कप्तान मिताली राज ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे में एक और कीर्तिमान अपने नाम किया। वे इंटरनेशनल क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे करने वाली दुनिया की दूसरी और भारत की पहली महिला क्रिकेटर बन गई हैं। मिताली ने शुक्रवार को साउथ अफ्रीका के खिलाफ 35 रन पूरी करते ही यह रिकॉर्ड बनाया।

मिताली ने अब तक करियर में 46.73 की औसत से 10,001 रन बनाए हैं। मिताली से पहले इंग्लैंड की पूर्व कप्तान चार्लेट एडवर्ड्स यह रिकॉर्ड बना चुकी हैं। चार्लेट के नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में 10,273 रन हैं। मिताली उनका रिकॉर्ड तोड़ने से सिर्फ 272 रन पीछे हैं।

10 हजार इंटरनेशनल रन बनाने वाली दूसरी महिला क्रिकेटर बनीं मिताली

फॉर्मेट	मिताली राज (भारत)	चार्लेट एडवर्ड्स (इंग्लैंड)
टेस्ट (रन)	663	1,676
वनडे (रन)	6,974	5,992
टी-20 (रन)	2,364	2,605
कुल रन	10,001	10, 273

वनडे में मिताली के नाम सबसे ज्यादा रन

मिताली अब तक 212 वनडे में 50.53 की औसत से 6974 रन बना चुकी हैं। वे इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली महिला क्रिकेटर भी हैं। वहीं, 89 टी-20 मैचों में उनके नाम 2364 रन हैं। जबकि, 10 टेस्ट में मिताली ने 663 रन बनाए हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में मिताली के नाम 75 फिफ्टी और 8 सेंचुरी हैं।

चार्लेट ने 2017 में सभी प्रकार के गेम से लिया था संन्यास

इंग्लैंड की पूर्व दिग्गज खिलाड़ी चार्लेट ने सितंबर, 2017 में क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। वे वनडे में मिताली के बाद सेकंड हाईएस्ट रन बनाने वाली क्रिकेटर हैं। चार्लेट ने 191 वनडे में 5,992 रन, 95 टी-20 में 2,605 रन और 23 टेस्ट में 1,676 रन बनाए थे।

टेस्ट में मिताली से आगे तीन महिला क्रिकेटर

मिताली वनडे और टी-20 में भारत की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली महिला क्रिकेटर हैं। जबकि, टेस्ट में तीन क्रिकेटर ने उनसे ज्यादा रन बनाए हैं। इनमें संध्या अग्रवाल (1,110 रन), शांता रंगास्वामी (750 रन) और शुभांगी कुलकर्णी (700 रन) शामिल हैं।

200+ वनडे खेलने वाली अकेली महिला क्रिकेटर हैं मिताली

मिताली के नाम दुनिया में सबसे ज्यादा 212 वनडे खेलने का रिकॉर्ड भी है। वे 200+ वनडे खेलने वाली अकेली महिला क्रिकेटर हैं।

उनके बाद 100+ मैच खेलने वाली भारतीय खिलाड़ियों में झूलन गोस्वामी (183), अंजुम चोपड़ा (127), अमिता शर्मा (116) और हरमनप्रीत (100) हैं।

मिताली ने 26 जून 1999 को आयरलैंड के खिलाफ वनडे से डेब्यू किया था। इस मैच में उन्होंने नाबाद 114 रन की पारी खेली थी।

सचिन के बाद सबसे लंबे समय तक वनडे खेलने वाली क्रिकेटर

मिताली सबसे लंबे वक्त (21 साल 254 दिन) तक वनडे खेलने वाली दुनिया की दूसरी क्रिकेटर भी हैं।

मिताली से आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर हैं, जिनका वनडे करियर 22 साल, 91 दिन का रहा है।

मिताली ने श्रीलंका के सनथ जयसूर्या को पीछे छोड़ा है। जयसूर्या का वनडे करियर 21 साल, 184 दिन का रहा।

इंग्लैंड और भारत के कप्तान ने बताया, कौन सी टीम जीत सकती है T 20 World Cup 2021

अहमदाबाद। ICC T20 World Cup 2021 का खिताब कौन सी टीम जीत सकती है? इसका जवाब भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली और इंग्लैंड की टीम के कप्तान इयोन मोर्गन ने दोनों देशों के बीच होने वाली पांच मैचों की T20 इंटरनेशनल सीरीज से पहले दिया है। भारत और इंग्लैंड ने एक-दूसरे को इस साल भारत में होने वाले टी20 विश्व कप जीतने का दावेदार बताया है।

आइसीसी टी20 विश्व कप का आयोजन इस साल अक्टूबर-नवंबर में भारत में होना है। विश्व कप से पहले दोनों टीमों के बीच यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शुक्रवार 12 मार्च से पांच मैचों की टी20 सीरीज शुरू हो रही है, जो एक तरह से दोनों टीमों के लिए टी20 विश्व कप की तैयारियों के रूप में है। कप्तान विराट कोहली से जब पूछा गया कि क्या भारत टी20 विश्व कप जीतने का दावेदार है तो इस पर कप्तान कोहली ने कहा, 'नहीं'। कप्तान कोहली ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मुझे नहीं लगता हम टी20 विश्व कप जीतने की पसंद है। मेरे ख्याल से इंग्लैंड इसका दावेदार है, क्योंकि वह दुनिया की नंबर 1 टीम है।' इस बीच इंग्लैंड के कप्तान इयोन मोर्गन ने कहा कि घरेलू जमीन पर विश्व कप खेलने की वजह से भारत जीत का प्रबल दावेदार है। इंग्लैंड के कप्तान मोर्गन ने कहा, 'मेरे ख्याल से भारत काफी अच्छी टीम है। भारत में ही टी20 विश्व कप होने से भारत जीत का प्रबल दावेदार है।'

इंग्लैंड के सीमित ओवरों के कप्तान इयोन मोर्गन ने कहा कि भारत के खिलाफ शुक्रवार से शुरू होने वाली टी20 सीरीज इंग्लैंड के लिए चुनौती और एक टेस्ट की तरह है, क्योंकि भारत घरेलू परिस्थितियों में काफी मजबूत टीम है। मोर्गन ने कहा, 'मैं इसको विश्व कप की रिहर्सल के रूप में नहीं देख रहा। हमारे लिए इस सीरीज से सीखना और समय रहते सुधार करना ज्यादा जरूरी है। अभी सात महीनों का समय है और इस दौरान हमें उन विभागों को ढूंढना होगा, जिसमें हम सुधार कर सकते हैं।'

इयोन मोर्गन ने टीम इंडिया को दी बड़ी चेतवानी, कहा- हमारे पास है सबसे ताकतवर टीम

अहमदाबाद। इंग्लैंड के सीमित ओवर के कप्तान इयोन मोर्गन ने उम्मीद जताई है कि भारत के खिलाफ आगामी टी-20 सीरीज में उन्हें टर्निंग पिचें देखने को मिलेंगी।

ईएसपीएन क्रिकइंफो ने इयोन मोर्गन के हवाले से कहा, हम टी-20 क्रिकेट में शानदार फॉर्म में हैं। जिस तरह से हमने पिछले दो वर्षो में हने कुछ गंभीर जीत हासिल की हैं, उससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है, जो कि अच्छी बात है। लेकिन, हमें अपने खेल को कुछ विकसित करने और जितना संभव हो सके उतनी कम से कम कमजोरियों के साथ विश्व कप में जाने की जरूरत है। मुझे लगता है कि हमारे पास सबसे सबसे ताकतवर टीम मौजूद है, जो हमें किसी भी योजना के साथ खेलने की अनुमति देती है, जो अक्सर नहीं होता है और जिसे हम विश्व कप में भी उपयोग कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि, मैं यह नहीं कहूंगा कि हम उसी तरह की पिचों की उम्मीद कर रहे हैं जैसी टेस्ट सीरीज में थीं। मैं कहना चाहूंगा कि हम टर्निंग पिचों की उम्मीद कर रहे हैं। हम जानते हैं कि जब हम वास्तव में सपाट पिचों पर खेलते हैं, तो हमारा बल्लेबाजी विभाग सुसज्जित होता है, हमारा गेंदबाजी विभाग अभी भी सीख रहा है और हम बेहतर विकेट पर खेलते हैं व यह ज्यादा चुनौतीपूर्ण है, लेकिन कम स्कोर वाले टी-20 मैचों में हमें बेहतर होने की जरूरत है, इसलिए हम चुनौती का इंतजार कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश ने गुजरात को 5 विकेट से हराकर फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली। विजय हजारे ट्रॉफी टूर्नामेंट 2021 के पहले सेमीफाइनल मैच में उत्तर प्रदेश की टीम ने गुजरात को 5 विकेट से हरा दिया और फाइनल में जगह बना ली। वो इस सीजन में फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी। इस मुकाबले में गुजरात ने पहले खेलते हुए 48.1 ओवर में 184 रन बनाए थे और यूपी को जीत के लिए 185 रन का लक्ष्य दिया था। इसके बाद यूपी ने 42.4 ओवर में 5 विकेट पर 188 रन बनाए और मैच को पांच विकेट से जीत लिया। अक्शदीप नाथ ने खेली अर्धशतकीय पारी और यूपी पहुंची फाइनल में-यूपी को जीत के लिए 185 रन का लक्ष्य मिला था और इस टीम ने इस टारगेट को 5 विकेट शेष रहते हासिल कर लिया। यूपी की जीत में अक्शदीप नाथ का बड़ा योगदान रहा और उन्होंने 8 चौकों की मदद से 71 रन बनाए। वहीं यूपी की तरफ से माधव कौशिक ने 15 रन, समर्थ सिंह ने 11 रन, कप्तान करन शर्मा ने 38 रन, प्रियम गर्ग ने 15 रन, जबकि उपेंद्र यादव ने 25 गेंदों पर एक छक्का व तीन चौके की मदद से नाबाद 31 रन बनाए। समीर चौधरी भी 4 रन बनाकर नाबाद रहे। गुजरात की तरफ से चिंतन गाजा को दो, तेजस पटेल, पीयूष चावला और करन पटेल को एक-एक सफलता मिली।

इस मैच में गुजरात के कप्तान प्रियम पांचाल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। हालांकि यूपी की गेंदबाजी के सामने ये टीम ज्यादा रन बनाने में कामयाब नहीं हो पाई और 184 रन पर आउट हो गई। गुजरात की तरफ से हेत पटेल ने 60 रन की अर्धशतकीय पारी खेली तो वहीं ओपनर बल्लेबाज ध्रुव रावल ने 23 रन का योगदान दिया।

पीयूष चावला ने इस मैच में 32 रन की पारी खेली तो कप्तान प्रियम पांचाल के बल्ले से सिर्फ दो रन ही निकले। यूपी की तरफ से यश दयाल ने तीन जबकि आकिब खान ने दो और शिवम शर्मा व अक्शदीप नाथ ने एक-एक विकेट लिए। गुजरात के तीन बल्लेबाज रन आउट हुए।

संजना उम्र में बुमराह से बड़ी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह गोवा में स्पोर्ट्स एंकर संजना गणेशन के साथ शादी करने जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये शादी गोवा में 14 और 15 मार्च को होगी।

कहते हैं इश्क में उम्र, जाति, रंग ये सारी बातें कोई मायने नहीं रखती है और बुमराह व संजना के बीच भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

संजना गणेशन उम्र में जसप्रीत बुमराह से बड़ी हैं, लेकिन इससे इनके प्यार पर कोई फर्क नहीं पड़ा और दोनों ने एक-दूसरे का होने का फैसला कर लिया। वैसे भारतीय क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर, अनिल कुंबले, अजीत अगरकर, जवागल श्रीनाथ, शिखर धवन जैसे क्रिकेटर्स भी इससे पहले अपने से उम्र में बड़ी महिलाओं के साथ शादी कर चुके हैं। जहां तक बात जसप्रीत बुमराह और संजना गणेश के बीच उम्र के फर्क की बात है तो संजना बुमराह से बड़ी हैं। संजना गणेशन का

जन्म 6 मई 1991 में पुणे में हुआ था तो वहीं बुमराह का जन्म 6 दिसंबर 1993 में हुआ था। इस हिसाब से संजना जसप्रीत बुमराह से ढ़ाई साल बड़ी हैं। संजना ने इंजीनियरिंग भी की है, लेकिन वो मॉडलिंग में अपना करियर आजमाती रहीं। उन्होंने नौकरी भी की और इस दौरान उन्होंने 2013 में फेमिना मिस इंडिया पुणे प्रतिस्पर्धा में भी हिस्सा लिया जहां पर वो फाइनल में पहुंची, लेकिन जीत नहीं पाई।

इसके बाद साल 2014 में उन्होंने रियलीटी टीवी शो एमटीवी स्प्लिट्सविला सीजन सात में भी हिस्सा लिया था और उनके जोड़ीदार अश्विनी कौल थे। इस शो के दौरान दोनों के बीच रिलेशनशिप भी हो गया था और संजना चोटिल होने की वजह से शो से बाहर हो गई थीं। इसके बाद अश्विनी ने भी शो से बाहर होने का फैसला किया।

वहीं संजना और अश्विनी का रिलेशन ज्यादा दिनों तक नहीं चला और 2015 में दोनों अलग हो गए। संजना ने फिर साल 2016 में एंकरिंग की फील्ड में अपना करियर आजमाया और स्टार स्पोर्ट्स के साथ जुड़ गईं। इसके बाद से वो लगातार स्पोर्ट्स एंकरिंग कर रही है। क्रिकेट के अलावा भी कई अन्य खेलों में भी वो एंकरिंग करती नजर आती हैं।

वेस्टइंडीज ने बदला अपना टेस्ट कप्तान, जेसन होल्डर से छिनी कप्तानी

एंटीगा। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने शुक्रवार को बड़ा ऐलान किया है। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने टेस्ट कप्तान बदला है। टेस्ट क्रिकेट के नंबर वन ऑलराउंडर जेसन होल्डर से टेस्ट कप्तानी छीन ली गई है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने क्रेग ब्रैथवेट को टेस्ट कप्तान नियुक्त किया है। ब्रैथवेट इससे पहले सात मौकों पर टीम की कप्तानी कर चुके हैं और लंबे समय तक टेस्ट टीम के उपकप्तान रह चुके हैं।

हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ 2-0 से मिली जीत में क्रेग बैथवेट ने वेस्टइंडीज टीम की कप्तानी की थी। मौजूदा समय में आइसीसी टेस्ट रैंकिंग में नंबर वन ऑलराउंडर जेस होल्डर ने 2015 में दिनेश रामदीन से टेस्ट कप्तानी ली थी और अब तक 37 टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी की। इस दौरान कप्तान होल्डर ने 11 मैचों में जीत हासिल की और 21 मैचों में टीम को हार झेलनी पड़ी। 5 मुकाबले ड्रॉ के रूप में रहे। CWI के क्रिकेट निदेशक जिम्मी एडम्स ने होल्डर को लेकर कहा,"CWI की ओर से मैं जेसन होल्डर का धन्यवाद देता है कि उन्होंने अच्छी तरह टेस्ट टीम की कमान संभाली। साढ़े पांच साल तक के कार्यकाल में होल्डर ने खेल को सबसे ऊपर रखा। दुनिया के नंबर वन ऑलराउंडर होने के नाते, हमें उम्मीद है कि जेसन होल्डर अभी भी वेस्टइंडीज के लिए आने वाले सालों में अच्छी भूमिका निभाएंगे।÷

वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के मुख्य चयनकर्ता रोजर हार्पर ने कहा, 'हम सभी मानते हैं कि क्रेग ब्रैथवेट इस समय में हमारे टेस्ट टीम का नेतृत्व करने के लिए सही आदमी हैं और मुझे खुशी है कि उन्होंने इस भूमिका को स्वीकार कर लिया है। बांग्लादेश के खिलाफ हालिया टेस्ट सीरीज में, क्रेग अपने खिलाड़ियों को बहुत उच्च स्तर पर खेलने के लिए प्रेरित करने और उस संस्कृति का निर्माण करने में सक्षम थे, जिसे हम स्थापित करने के लिए देख रहे हैं।

जोफ्रा आर्चर ने दिया पूर्व कप्तान माइकल वॉन को करारा जवाब

लंदन। भारत के खिलाफ खेली गई टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड की टीम को करारी हार मिली। पहला मैच जीतने के बाद टीम ने आखिरी के तीनों मैच गंवा दिए। सीरीज के तीसरा मैच में दो दिन और आखिरी मुकाबला इंग्लैंड को तीन दिन में हार का समाना करना पड़ा। सीरीज में इंग्लैंड को तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर से उम्मीद थी लेकिन वह कुछ खास नहीं कर पाए। इसकी वजह से पूर्व इंग्लिश कप्तान माइकल वॉन ने उनकी टेस्ट मैच खेलने की प्रतिबद्धता पर सवाल खड़े किए थे।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने पूर्व कप्तान माइकल वॉन पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि वह अभी भी इंग्लैंड के लिए तीनों प्रारूपों में खेलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनका कहना था कि उनकी वॉन के साथ क्रिकेट को लेकर कभी कोई चर्चा नहीं हुई है। वॉन ने आर्चर के टेस्ट क्रिकेट में खेलने को लेकर उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल खड़े किए थे। 25 वर्षीय आर्चर ने डेली मेल में कॉलम में लिखा, इस तरह की टिप्पणी करना कि वह प्रतिबद्ध नहीं हैं, ये तब लागू होते हैं जब आप 110 फीसद नहीं देते। मुझे अजीब लगता है कि लोग कैसे दूसरे के प्रति अपनी राय बना लेते हैं। मैंने एक लेख पढ़ा, जिसमें वॉन ने कहा कि अगर आर्चर टेस्ट क्रिकेट खेलना पसंद नहीं करते तो इंग्लैंड को देखना चाहिए ऐसा क्यों है। हमारे बीच क्रिकेट को लेकर कोई बात नहीं हुई है तो मुझे यह अजीब लगा। वॉन को नहीं पता मैं किस चीज से गुजर रहा हूं।

दोहरा शतक ठोकने वाले क्रिकेटर ने कहा- मैंने 9 साल की उम्र से ही क्रिकेट को गंभीरता से लिया है

अबू धाबी। दाएं हाथ के बल्लेबाज हशमतुल्लाह शाहिदी टेस्ट क्रिकेट में दोहरा शतक बनाने वाले अफगानिस्तान के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। शाहिदी ने ये कमाल जिम्बाब्वे के खिलाफ किया है।

दोहरा शतक जड़ने के बाद हशमतुल्लाह शाहिदी ने अपने बारे में एक बड़ा खुलासा किया है और कहा है कि जब वे नौ साल के थे, तभी से उन्होंने क्रिकेट को गंभीरता से लेना शुरू कर दिया था और उनके पिता उन्हें काबूल में एक क्रिकेट क्लब में लेकर गए थे। 24 साल उम्र में अफगानिस्तान के लिए विश्व कप खेल चुके हशमतुल्लाह शाहिदी अब 26 साल के हैं और उन्होंने यहां के शेख जाएद क्रिकेट स्टेडियम में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन गुरुवार को दोहरा शतक

जड़ा था। अपना पांचवां टेस्ट मैच खेलते हुए उन्होंने 443 गेंदों पर 21 चौकों और एक छक्के की मदद से 200 रनों की नाबाद पारी खेली। शाहिदी ने एक वीडियो में कई खुलासे किए हैं, जिसे आइसीसी ने शेयर किया है। हशमतुल्लाह शाहिदी ने कहा है कि उनकी मां हर समय उनकी पारी देखती हैं, जबकि उनके पिता ने शुरू से ही उन्हें सहयोग दिया है। शाहिदी ने कहा, जब मैं 9 साल का था तब मैंने क्रिकेट देखना शुरू किया था और तब से मैं खेल रहा हूं। मैंने अपने भाइयों के साथ घर पर खेलना शुरू किया और मेरे पिता हमेशा मेरा सपोर्ट करते रहे। उन्होंने मुझसे कहा कि अगर तुम अच्छे हो तो मैं तुम्हें एक क्रिकेट एकेडमी में ले जाऊंगा और फिर ऐसा ही हुआ।

उन्होंने बताया, जल्द ही मैंने अंडर 15 में क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया और फिर 2010 में अफगानिस्तान के लिए अंडर 19 विश्व कप में भाग लिया था और इसके तीन साल के बाद ही मेरा सलेक्शन पहली बार अफगानिस्तान की राष्ट्रीय टीम में हो गया था।÷ शाहिदी ने श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा को अपना रोल मॉडल बताया है और कहा है वे मैच के आखिर तक अपनी बल्लेबाजी को जारी रखना चाहते हैं।

एनआईएस में घुसा कोरोनाः ओलंपिक तैयारियों के केंद्र में तेजी से बढ़ रहे कोविड के मामले, मची अफरा-तफरी

नई दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक की तैयारियों के मुख्य केंद्र राष्ट्रीय क्रीडा संस्थान (एनआईएस) पटियाला के ग्रीन जोन में कुछ दिनों में कोरोना के कई मामले सामने आ गए हैं। टोक्यो के लिए क्वालीफाई कर चुके एथलीट अविनाश साबले के कोच अमरीश के अलावा मुक्केबाजी टीम के कोच, टीम डॉक्टर कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। यही नहीं एनआईएस में ही नेशनल सेंटर ऑफ एक्सिलेंस के एक कोच और खिलाड़ी के अलावा यहां के हेल्प सेंटर का एक कर्मी कोरोना संकमित पाया गया है।

अविनाश साबले के कोच अमरीश को एकांतवास में रखा गया है। अमरीश का कोरोना संक्रमित होना अविनाश की ओलंपिक तैयारियों को बड़ा झटका है। साबले की तैयारियों की

जिम्मेदारी निकोलाई और अमरीश की थी। बीते शुक्रवार निकोलाई इस दुनिया को छोड़कर चले गए। अब साबले अकेले ही ट्रेनिंग करने को मजबूर हैं। इस वक्त एनआईएस में एथलेटिक्स, वेटलिफ्टिंग, मुक्केबाजी की तैयारियां चल रही है। अगले हफ्ते ओलंपिक क्वालीफाइंग फेडरेशन कप होना है। अचानक एक साथ ग्रीन जोन में कोरोना के कई मामले सामने आने के बाद खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों के बीच डर का माहौल है। राष्ट्रीय क्रीडा संस्थान (एनआईएस) पटियाला में अफरा-तफरी मची हुई है।

मुक्केबाजी के कोच और टीम के डॉक्टर भी संक्रमित

सबसे बड़ा झटका मुक्केबाजी मुक्केबाजी शिविर को लगा है। पहले कोच जगदीप हुड्डा और उसके बाद टीम डॉक्टर करनजीत सिंह संक्रमित निकले। दोनों अपने वाहन से घर चले गए और घर में एकांतवास में हैं। यहीं नहीं स्पेन में हुए टूर्नामेंट से लौटे टीम के बॉक्सर सुमित संगवान के बाद अब टीम के साथ गए कोच ललित भी संक्रमित निकल आए हैं। यह भी अपने घर में आइसोलेशन में हैं।

चैंपियंस लीग: 16 साल में पहली बार क्वार्टर फाइनल में मेसी-रोनाल्डो नहीं, पीएसजी ने बार्सिलोना को किया बाहर

नई दिल्ली। दिल्ली में होने वाले संयुक्त निशानेबाजी विश्व कप के लिए कतर की टीम यहां पहुंच गई है जबकि ब्राजील और ब्रिटेन की टीमें शुक्रवार को पहुंचेंगी। यहां पहुंचने के बाद टीमें सात दिन के कड़े पृथकवास में रहेंगी। ब्राजील और ब्रिटेन में हाल ही में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले काफी बढ़े हैं। इन दोनों देशों के निशानेबाज, कोच और अधिकारी डाक्टर कर्णी सिंह रेंज के पास रेडिसन होटल में पृथकवास में रहेंगे। बता दें कि निशानेबाजी विश्व कप 18 से 29 मार्च तक होना है।

40 देशों के निशानेबाज इस टूर्नामेंट में ले रहें हैं भाग :अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी महासंघ (आईएसएसएफ) के इस टूर्नामेंट में 40 देशों के निशानेबाज भाग ले रहे हैं। इनमें दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, ब्रिटेन, ब्राजील, अमेरिका, ईरान, उक्रेन, फ्रांस, हंगरी, इटली, थाईलैंड और तुर्की शामिल हैं। चीन, जापान, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी , रूस , न्यूजीलैंड, कुवैत और मलयेशिया जैसे देशों ने टीमें नहीं भेजी है।

भारत का 57 सदस्यीय दल इस टूर्नामेंट का हिस्सा

भारत का 57 सदस्यीय दल इस टूर्नामेंट में भाग ले रहा है। इसमें टोक्यो ओलंपिक का कोटा हासिल कर चुके 15 निशानेबाज शामिल हैं। इनमें अंजुम मुद्गिल, दिव्यांश सिंह पंवार, मनु भाकर, सौरभ चौधरी प्रमुख है। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अनीश भानवाला को भी 25 मीटर रैपिड पिस्टल टीम में रखा गया है।

निशानेबाजों को 14 दिन के कड़े पृथकवास से रियायत मिलने का अनुरोध

पिछले महीने खेलमंत्री किरेन रीजीजू ने कहा था कि विश्व कप में भाग लेने के लिए निशानेबाजों को प्रोत्साहित करने के मकसद से पृथकवास के नियमों में उदारता बरती जाएगी। इससे पहले उनसे अनुरोध किया गया था कि निशानेबाजों को 14 दिन के कड़े पृथकवास से रियायत मिले और विदेशी टीमों को प्राथमिकता के आधार पर टीका लगाया जाए।